राज्य के सभी प्राथमिक स्तर की शालाओं में यह व्यवस्था हो कि प्रत्येक बच्चे को अपनी गति एवं स्तर से सीखने और मूल्यांकन का अवसर मिले।

एम.जी.एम.एल. के एडेप्ट्स के अनुसार मेरी शाला का ग्रेडेशन

क्र.	एडेप्ट्स के प्राप्तांक (कुल 390 में से)	प्रतिशत	विस्तार	ग्रेड
1.	97	25%	0 से 97 तक	डी
2.	195	50%	98 से 195 तक	सी
3.	292	75%	196 से 292 तक	बी
4.	351	75% से 90% तक	293 से 351 तक	ए
5.	351 से अधिक	90% से अधिक	351 से अधिक	ए +

unicef

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

MGML
सृजन

अवलोकन संदर्शिका

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, छत्तीसगढ़

गीत

ज्ञान के इस पुण्य पथ पर,
नव सृजन का साथ हो।

हम बढ़े सबको बढ़ायें,
ऐसा दृढ़ विश्वास हो।

जन्म भूमि के लिए हम,
कुछ ऐसा कर चलें।

शारदे के कमल रज में ,
जी चलें या मर चलें।

खुद बढ़ें सबको बढ़ायें, ऐसा साथी साथ हो। ज्ञान के इस .....

समय कैसे बीत जाये,
कुछ समझ न आयेगा।

पायेगा न कुछ ओ राही,
बाद में पछतायेगा।

ज्ञान के दीपक जला तू, जग में तेरा नाम हो। ज्ञान के इस ....

मन में हो जो इच्छा शक्ति,
ओ सफल हो जाएगा।

असमर्थ हो कोई कितना,
मेरू पर चढ़ जाएगा।

सृजन कर सबको पढ़ा दे, ज्ञान ज्योति मशाल को।
ज्ञान के इस पुण्य पथ पर,नव सृजन का साथ हो।

– नेमसिंह कौशिक

गीत

सहभागिता के मूल मंत्र को, जन-जन जब अपनाता है।
धीरे-धीरे गाँव हमारा, आगे बढ़ता जाता है।।

समुदाय का हित हो, नगर ग्राम सब साथ चले।
ऊँच -नीच का भाव मिटाकर, समता से सद्भाव बढ़े।
एकता का भाव मन में, एक हमारा नाता है।।1।। धीरे धीरे .....

ऊपर दिखते भेद भले हों, ज्यों बगिया में फूल खिले।
रंग बिरंगी मुस्कानों संग, जीवन-रस पर एक मिले।
कर्म पथ पर आज सथियों, ज्ञान तुम्हें बुलाता है।।2।। धीरे
धीरे .....

मिलजुलकर सब काम करेंगे, समुदाय की रीति यही।
बच्चा-बच्चा पढ़ लिख जाये, हो गाँव की नीति यही।
शिक्षा ही वह ज्योति पुँज है, जो उजियार दिखाता है।
शिक्षा ही वह ज्योति पुँज है, नया राह दिखाता है।।3।। धीरे धीरे .....

हर व्यक्ति शिक्षक हो और, घर-घर शिक्षा केन्द्र बनें।
लक्ष्य हमारा एक यही, शाला सामुदायिक केन्द्र बनें।
लिखने नव उत्थान की गाथा, समुदाय जाग जाता है।।4।।
धीरे धीरे .....

लखेश्वर प्रसाद साहू

सृजन अवलोकन संदर्शिका

बहुकक्षा एवं बहुस्तरीय शिक्षण

अवलोकन हस्त–पुस्तिका

वर्ष

2010–2011

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, शंकर नगर,
रायपुर (छ.ग.)

संरक्षण एवं मार्गदर्शन	–	**सुधीर अगवाल** (आई.एफ.एस.), विशेष सचिव छ.ग.शासन, स्कूल शिक्षा विभाग संचालक एस.सी.ई.आर.टी. रायपुर (छ.ग.)
सहयोग	–	एन.पी. कौशिक, संयुक्त संचालक एस.सी.ई.आर.टी., रायपुर (छ.ग.)
तकनीकी सहयोग	–	श्री शेषागिरी, यूनीसेफ रायपुर
समन्वय	–	अनुपमा नलगुण्डवार, सहायक प्राध्यापक एस.सी.ई.आर.टी.,रायपुर (कार्यक्रम समन्वयक)
समन्वय सहयोग	–	सुनील मिश्रा (राज्य स्रोत व्यक्ति) एस.सी.ई.आर.टी.,रायपुर
लेखन एवं सामग्री निर्माण	–	तारकेश्वर देवांगन, गंगाधर साहू, पुरूषोत्तम सोनी, रामेश्वर बेलान्द्रे, उत्तम साहू, शिवकुमार देवांगन, कु. योगिता साहू, बेनीराम साहू, हेम चंदेल, चैतराम सार्वा, रविनारायण त्रिपाठी, लोचन सिंह नेमसिंह कौशिक, मंगलूराम कश्यप, कु. चंचल , गजेंन्द्र देवांगन, प्रदीप पाण्डेय, माखन लाल मंडावी, हृदय राम सिन्हा, अनुपमा नलगुण्डवार, सुनील मिश्रा
टंकण एवं ले आउट	–	राजकुमार चन्द्राकर

द्वितीय संस्करण 2010–2011

प्राक्कथन

विगत कई वर्षों से राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् द्वारा शिक्षा के गुणवत्ता में सुधार हेतु अनेक कार्यक्रम बनाये गये हैं। इसी क्रम में प्राथमिक शिक्षा में बहुकक्षा एवं बहुस्तरीय शिक्षण(एम.जी.एम.एल.) पद्धति का निर्माण हुआ। इस पैकेज को **एम.जी.एम.एल.** (सृजन) नाम दिया गया है। **एम.जी.एम.एल.** (सृजन) आनंददायी शिक्षण विधि है। यह बच्चों को उनके गति एवं स्तर के अनुरूप सीखने की स्वतंत्रता प्रदान करती है। साथ ही प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्ता युक्त शिक्षा की पहुँच को सुनिश्चित करती है।

वर्तमान में राज्य के 58 विकासखंडों के 12,000 स्कूलों में एम.जी.एम.एल. लागू है। जहाँ परिषद द्वारा शिक्षक प्रशिक्षण और सामग्री वितरण कार्य सम्पन्न किया गया है। स्कूलों में प्रक्रिया को सुचारू रूप से प्रारंभ कराने के लिए लगातार मॉनीटरिंग पर सी.ए.सी. एवं बी.आर.जी. को प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही एस.आर.जी. द्वारा सतत मॉनीटरिंग कर सीधे शिक्षको का संकुल स्तरीय प्रशिक्षण किया गया। उक्त कार्यो से **एम.जी.एम.एल.** कक्षाओं में तेजी से प्रक्रिया शुरू हुई है। इस वर्ष संपूर्ण छत्तीसगढ़ की प्राथमिक शालाओं में एम.जी.एम.एल. लागू किया जा रहा है अतः मॉनीटरिंग की प्रक्रिया को और अधिक विस्तृत एवं सशक्त करने की आवश्यकता को देखते हुए यह मॉनीटरिंग संदर्शिका निर्मित की गई है। मॉनीटरिंग का उद्देश्य कक्षा में आने वाली समस्याओं, कमियों को पहचानना, विश्लेषण कर उनका त्वरित निदान करना है। मॉनीटरिंग हेतु चेक लिस्ट, मूल्यांकन पत्रक, विश्लेषण पत्रक एवं बैठकों के प्रारूप बनाए गए हैं। शिक्षक स्वयं अपने स्कूल का विश्लेषण कर सके इसलिए एम.जी.एम.एल. के मानक तैयार किये गये हैं। शिक्षकों की समस्याओं का हर संभव समाधान इस संदर्शिका में दिया गया है। मॉनीटरिंग कार्य एस.आर.जी., डी.आर.जी., सी.ए.सी., बी. आर.जी. और बी.ए.सी. करेंगे। इसके सकारात्मक दृष्टिकोण एवं समर्थन से शिक्षकों एवं **एम.जी.एम.एल.** प्रक्रिया को सशक्त किया जा सकता है।

मॉनीटरिंग के पश्चात् सूचनाओं का निरंतर प्रवाह स्कूल से राज्य एवं राज्य से स्कूल तक होता रहेगा। समय–समय पर एजूसेट के माध्यम से मॉनीटरिंग से प्राप्त जानकारियों से प्रदेश के समस्त क्षेत्रो में एम.जी.एम.एल. प्रक्रिया की समीक्षा की जाएगी।

मुझे विश्वास है कि यह संदर्शिका मॉनीटरिंग हेतु एक नई दिशा प्रदान करेगी। मॉनीटरिंग के उपकरण बनाने में यूनीसेफ रायपुर, राजीव गांधी शिक्षा मिशन रायपुर, के सहयोग के प्रति में आभार व्यक्त करता हूँ। मॉनीटरिंग की योजना निर्माण हेतु संबंधित व्यक्तियों की भूमिका एवं सहयोग निरंतर वांछनीय है। इससे एम.जी.एम.एल. सृजन निश्चित ही अपने उद्देश्य में सफल होगा। ऐसा मेरा विश्वास है। आपके सुझावों का सदैव स्वागत रहेगा।

संचालक

अनुक्रमणिका

अध्याय 1 एम.जी.एम.एल. शिक्षण प्रणाली ...एक परिचय

1. पृष्ठभूमि
2. प्रणाली की आवश्यकता
3. एम.जी.एम.एल. की अवधारणा
4. प्रक्रिया
5. कक्षा की सजावट

अध्याय 2 मॉनीटरिंग – उपकरण (Tools)

1. मॉनीटरिंग क्या है ?
2. एम.जी.एम.एल. मॉनीटरिंग क्यों ?
3. सूचना तंत्र
4. समीक्षा बैठक
5. विभिन्न इकाईयों के कर्त्तव्य
6. त्वरित निराकरण हेतु योजना

अध्याय 3 मॉनीटरिंग की रणनीति

1. मॉनीटरिंग कैसे करें ?
2. प्रपत्रों का विवरण
3. मॉनीटरिंग चेकलिस्ट एवं विश्लेषण
4. मूल्यांकन चेकलिस्ट एवं विश्लेषण
5. संकलित जानकारी तैयार करना
6. राज्य स्तर पर विश्लेषण

अध्याय 1

बहुकक्षा बहुस्तरीय शिक्षण (MGML) क्या है ?

सभी बच्चों को समान गुणवत्ता के साथ शिक्षण, राज्य की शैक्षिक आवश्यकता रही है। किसी कौशल को सीखने के लिए बच्चों में विविधता होती है, क्योंकि बच्चों के सीखने की गति अलग–अलग होती है, इसलिए एक ही समय में प्रत्येक बच्चे का स्तर अलग–अलग होता है। बच्चे सीखें इसके लिए जरूरी है कि उसके सीखने की गति का सम्मान किया जाये और उन्हें सीखने के पर्याप्त अवसर दिए जावें। साथ ही कक्षा में बाल केन्द्रित और आनंददायी शिक्षा भी आवश्यक है। जिसमें परीक्षा का भय न हो और न ही सीखने के समय का बंधन हो। बच्चे खेल–खेल में अपनी गति एवं स्तर के अनुरूप सीखें। क्या कोई ऐसी कारगर प्रणाली है, जो उपरोक्त बातों को पूरा करती हो ?

जी हाँ ! MGML ही आज की स्थिति में सबसे कारगर प्रणाली है।

अवधारणा :–बच्चा परिवेश के विभिन्न साधनों एवं स्रोतों से सीखता है। बच्चे की आवश्यकतानुसार उसके सीखने के स्तर और गति के अनुरुप सीखने का अवसर एवं साधन उपलब्ध करा देना ही एम. जी. एम. एल. है। इसमें शिक्षक सुविधादाता की भूमिका निभाता है।

इस प्रणाली में बच्चों के स्तर का परीक्षण कर उनके स्तर के अनुसार पाठ्य सामग्री दी जाती है। प्रत्येक बच्चे को सीखने के पर्याप्त अवसर दिए जाते हैं। पुस्तक के स्थान पर कार्डों से शिक्षण होता है। बच्चों के बैठने हेतु विभिन्न समूह निर्धारित किए गए हैं।

इस प्रकार प्रत्येक बच्चा अपनी क्षमता, गति एवं स्तर के अनुसार गुणवत्तायुक्त शिक्षा लेकर ही आगे बढ़ता है। इस प्रणाली को निम्नाकिंत बिन्दुओं के आधार पर समझा जा सकता है :–

गति :– प्रत्येक बच्चे की बुद्धिलब्धि, रूचियाँ, परिस्थितियाँ एवं इच्छाएँ भिन्न–भिन्न होती हैं, जिससे एक ही समय में हर बच्चे की विषय वस्तु को सीखने की क्षमता भी भिन्न–भिन्न होती है। सीखने की क्षमता एवं सीखने में लगने वाला समय ही सीखने की गति कहलाता है।

उदाहरण :– एक शिक्षक– रमा, श्यामा, रज्जू को एक ही समय में जोड़ का अभ्यास सिखाते हैं।

– रमा बहुत तेजी से जोड़ सीखती है। श्यामा निर्धारित समय में सीखती है। रज्जू बहुत अधिक समय में सीखता है।

अर्थात् तीनों बच्चों के सीखने की गति अलग–अलग है।

स्तर :– स्तर से आशय अपेक्षित दक्षता को कुशलता पूर्वक प्राप्त करना है। सीखने की गति में भिन्नता के कारण बच्चों के स्तर में भी भिन्नता पाई जाती है।

उदाहरण :– रमा, श्यामा और रज्जू के सीखने की गति भिन्न–भिन्न है। कुछ समय बाद हम देखेंगे कि –

– रमा को 2 अंको का जोड़, हासिल सहित आता है।

– श्यामा को 2 अंको का बिना हासिल वाला जोड़ आता है।

– रज्जू को 1 अंक का जोड़ आता है।इस प्रकार प्रत्येक बच्चे का स्तर अलग–अलग है।

माइलस्टोन :– सीखने के उद्देश्यों को मनोवैज्ञानिक तरीके से छोटे छोटे कौशलों में विभक्त करके सीखने की प्रक्रिया को सहज,रुचिकर एवं क्रम बद्ध रुप से व्यवस्थित किया गया है, जिससे बच्चे सहजता से सीख सकें। इसे ही माइलस्टोन कहेंगे।

लोगो :– लोगो(Logo) प्रतीक हैं, जिनके आधार पर समूह व गतिविधियॉ बनायी गयी हैं। इससे कार्डों के रखरखाव में सुविधा होती है। विषयवार लोगो(Logo) रखे गए हैं, हिन्दी में – पशु, गणित में – पक्षी, पर्यावरण में– फल, एवं अंग्रेजी में– इलेक्ट्रॉनिक सामान ।

लेडर – लेडर, लोगो वार आगे बढ़ते हुए माइलस्टोन पार करने का मार्ग है। साथ ही यह समस्त प्रक्रिया का नियंत्रक है। इसके आधार पर बच्चे क्रमबद्ध एवं व्यवस्थित गति–विधियाँ करते हुए आगे बढ़ते हैं।

समूह :–एम.जी.एम.एल. प्रक्रिया में समूह द्वारा सीखना–सिखाना होता है। इसके लिये कुल छः समूह बनाये गये हैं।

1. शिक्षक समर्थित समूह
2. आंशिक शिक्षक समर्थित समूह
3. सहपाठी समर्थित समूह
4. आंशिक सहपाठी समर्थित समूह
5. स्वअधिगम समूह
6. मूल्यांकन समूह

किट :– MGML हेतु प्रयुक्त संपूर्ण सामग्रियाँ। जैसे–कार्ड, लेडर, समूह थाली,कंकड़ पत्थर, पासा, बीज, बटन आदि।

कक्षा 3 और 4 में माइलस्टोन के विषयवार अध्यापन दिनों की संभावित संख्या

विषय – गणित

क्र.	नाम	माइलस्टोन	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64
		दिन	09	10	09	13	11	13	14	12	12	12	09	09	10	13	11	11	11	11	10	10	12	12	11	10	12	09	10	10	10	10	10	11	11	10	11	11	10
1		चिन्ह																																					
		दिनांक																																					

कक्षा 3 और 4 में माइलस्टोन के विषयवार अध्यापन दिनों की संभावित संख्या

विषय – हिन्दी

क्र.	नाम	माइलस्टोन	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57
		दिन	14	14	13	12	12	11	10	12	10	09	12	10	11	10	09	10	11	10	10	13	12	10	10	12	10	10	11	10	13	12	12	11	09	12	12	11
1		चिन्ह																																				
		दिनांक																																				

कक्षा 3 और 4 में माइलस्टोन के विषयवार अध्यापन दिनों की संभावित संख्या

विषय – पर्यावरण

क्र.	नाम	माइलस्टोन	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64
		दिन	13	12	12	12	12	11	12	13	09	13	10	12	09	10	09	09	10	12	12	12	11	10	11	11	12	10	11	12	11	10	11	11	11	12	10	12
1		चिन्ह																																				
		दिनांक																																				

टीप :– दिनों का निर्धारण कुल शाला लगने के दिनों की संभावित संख्या (जैसे– 200दिन) को कुल माइलस्टोन के अनुरूप या कुल कार्डों की संख्याओं को मानक मानकर किया गया है। पर्यावरण विषय के लिए भी इसी आधार पर दिनां की संख्या निर्धारित की जा सकती है।

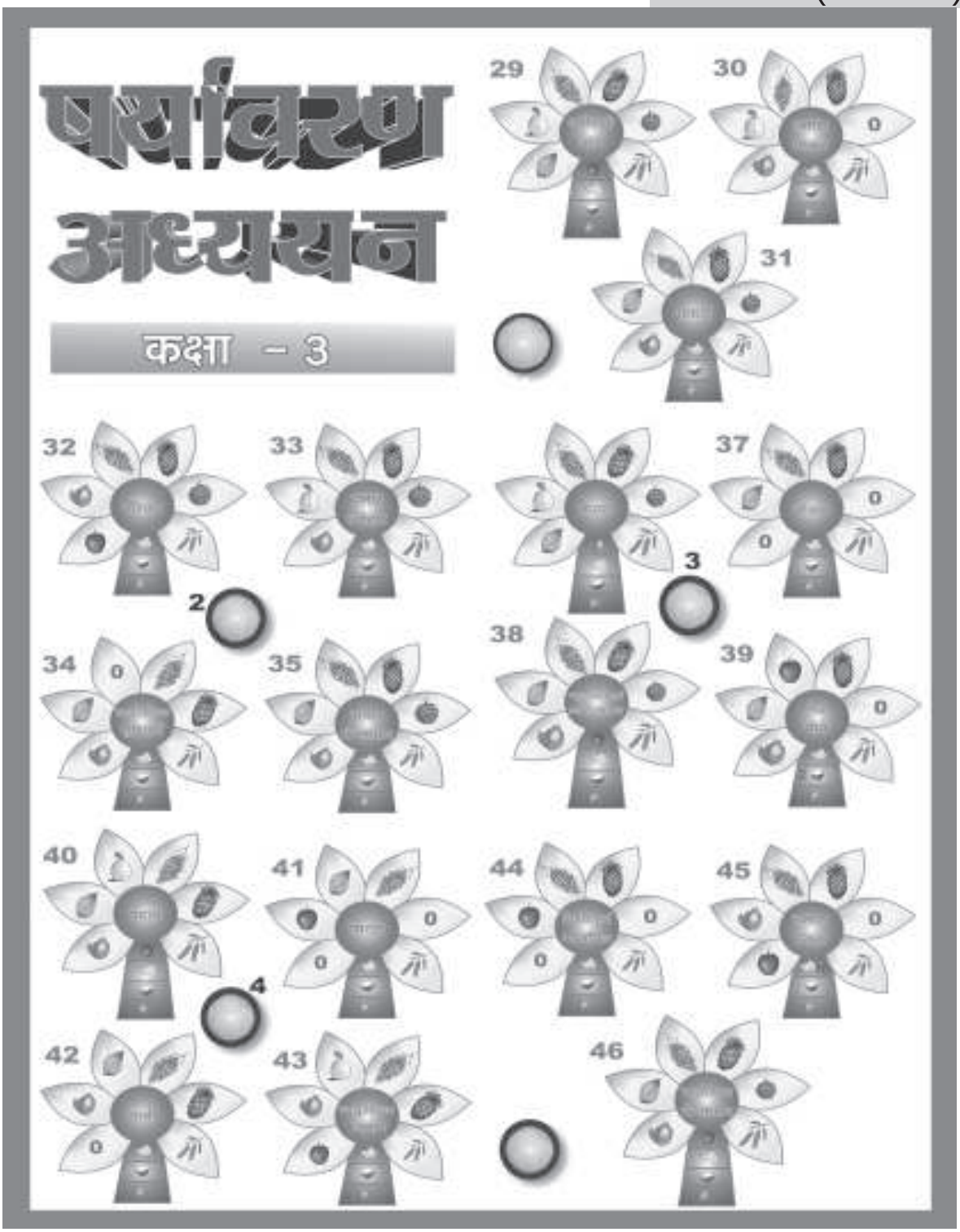
पर्यावरण
अध्ययन
कक्षा - 3
29
30
31
32
33
37
2
3
34
35
38
39
40
41
44
45
4
42
43
46

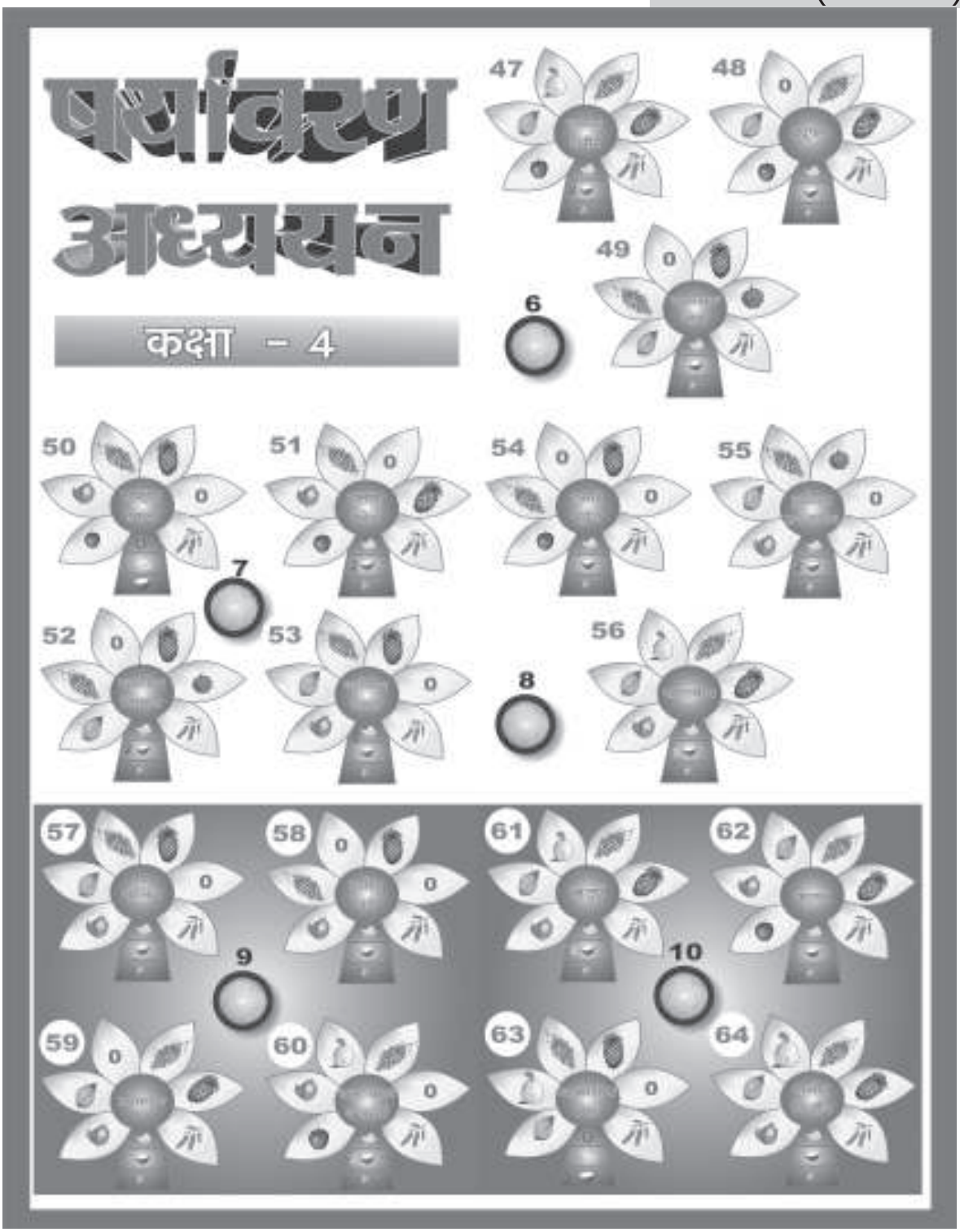
पर्यावरण
अध्ययन
कक्षा - 4
47
48
49
6
50
51
54
55
7
52
53
56
8
57
58
61
62
9
10
59
60
63
64

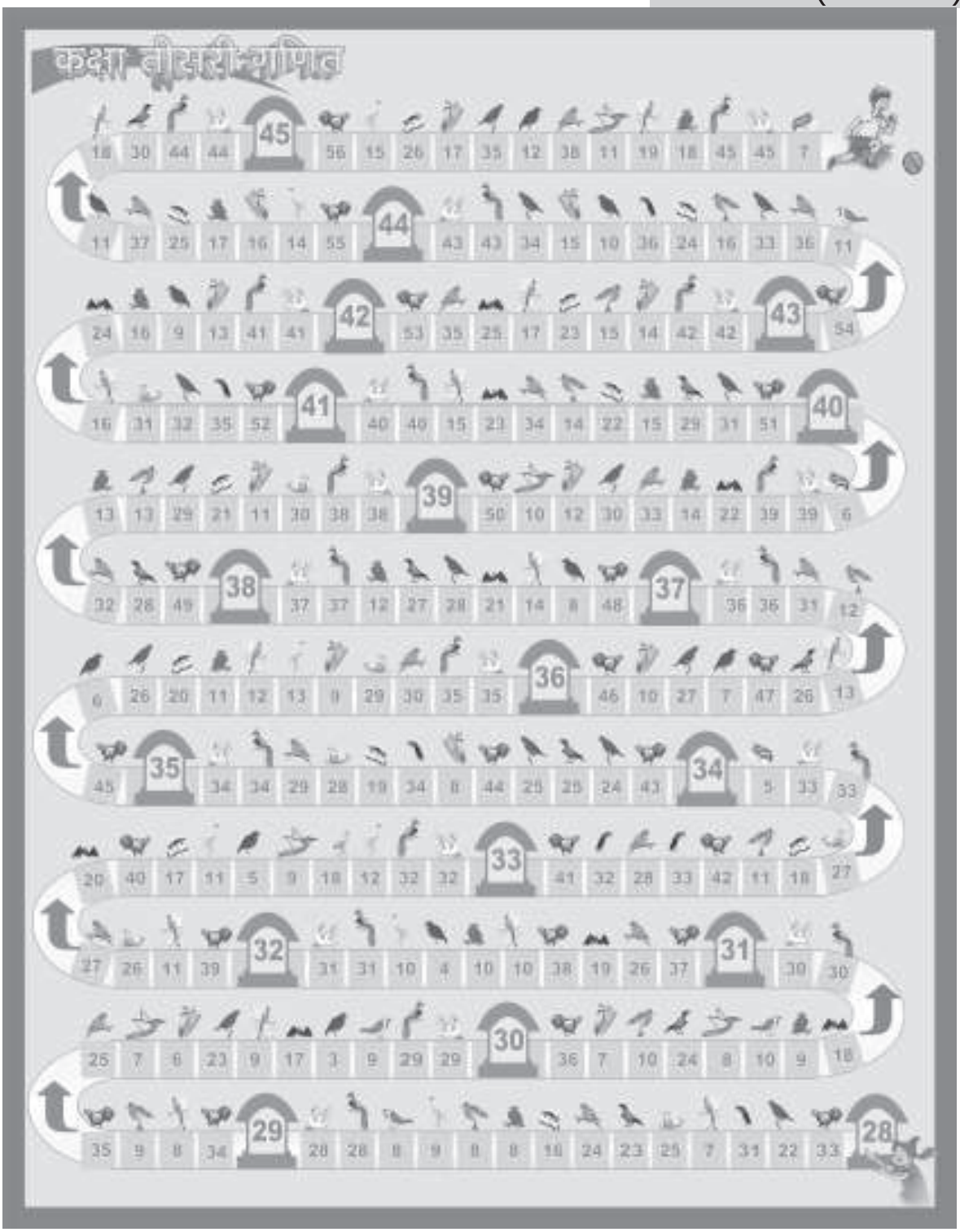

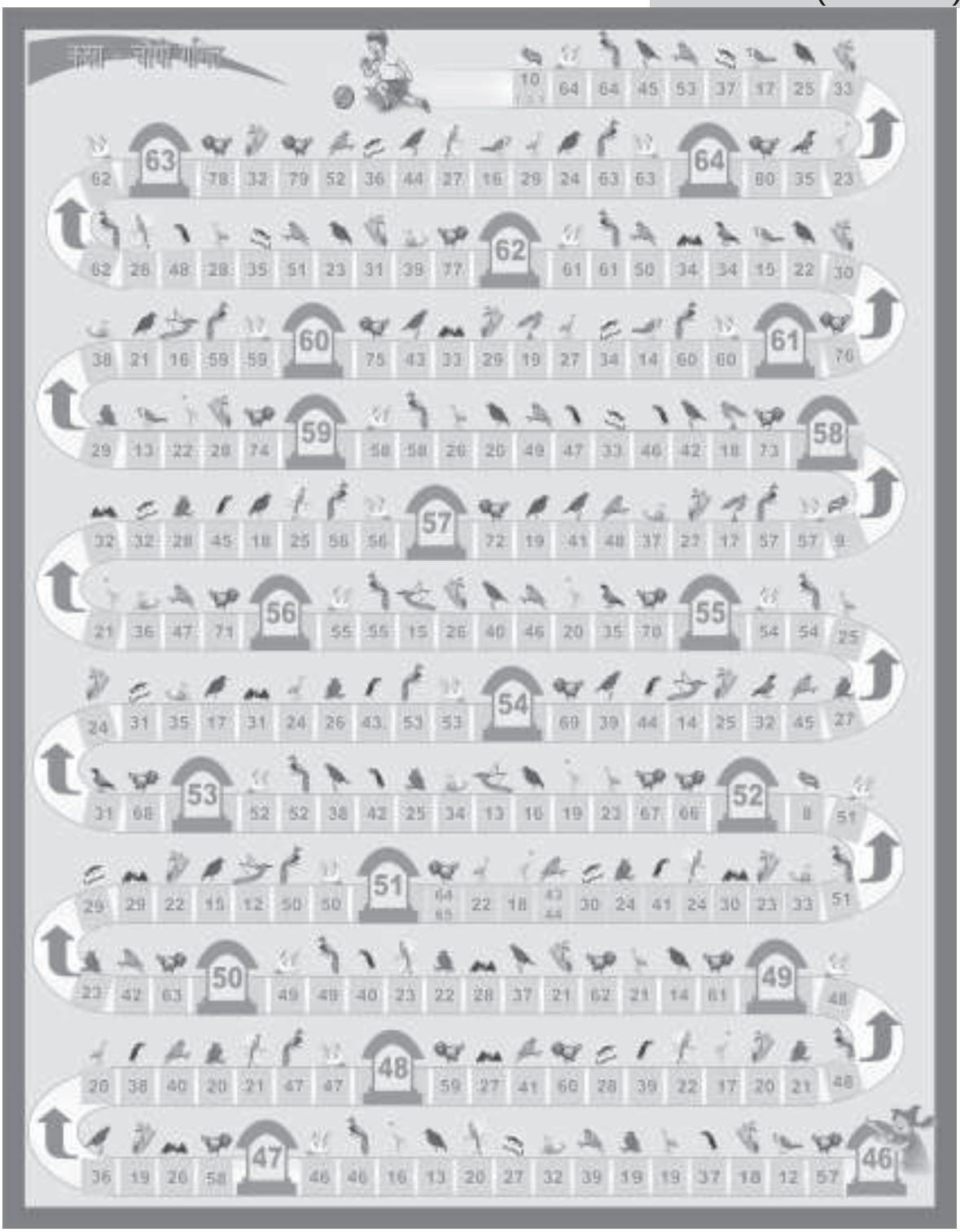
63
64
62
60
61
59
58
57
56
55
54
53
52
51
50
49
48
47
46

कथा तीसरी-हिन्दी

कक्षा – चौथी हिन्दी

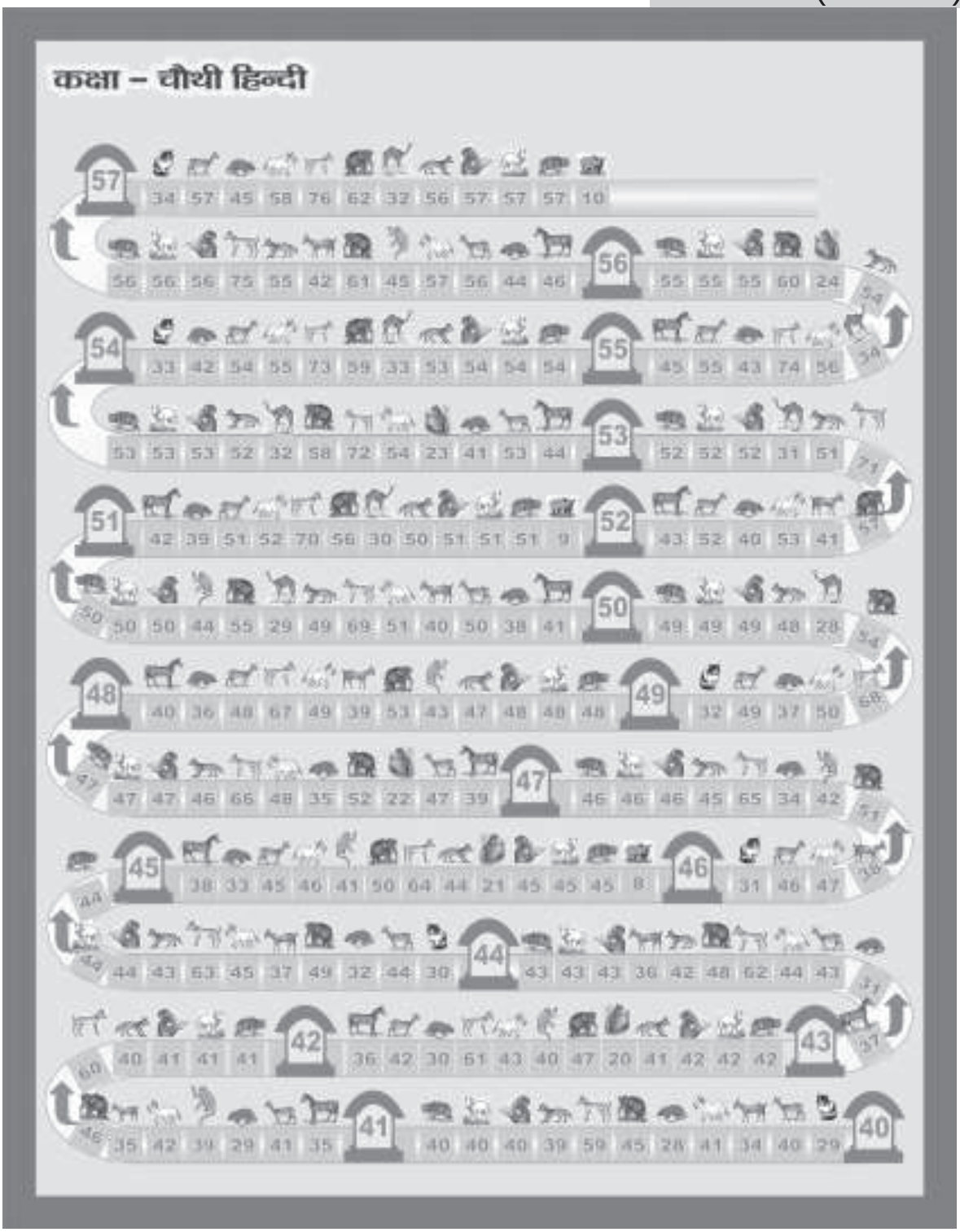
57
34 57 45 58 76 62 32 56 57 57 57 10
56
56 56 56 75 55 42 61 45 57 56 44 46
55 55 55 60 24
54
33 42 54 55 73 59 33 53 54 54 54
55
45 55 43 74 56
53
53 53 53 52 32 58 72 54 23 41 53 44
52 52 52 31 51
51
42 39 51 52 70 56 30 50 51 51 51 9
52
43 52 40 53 41
50
50 50 44 55 29 49 69 51 40 50 38 41
49 49 49 48 28
48
40 36 48 67 49 39 53 43 47 48 48 48
49
32 49 37 50
47
47 47 46 66 48 35 52 22 47 39
46 46 46 45 65 34 42
45
38 33 45 46 41 50 64 44 21 45 45 45 8
46
31 46 47
44
44 43 63 45 37 49 32 44 30
43 43 43 36 42 48 62 44 43
42
40 41 41 41
36 42 30 61 43 40 47 20 41 42 42 42
43
41
35 42 39 29 41 35
40 40 40 39 59 45 28 41 34 40 29
40

प्रक्रिया

MGML की कक्षा ऐसे शुरू करें –

1 कक्षा 1 से 4 के बच्चों की मिश्रित कक्षा होगी।(आदर्श कक्ष में बच्चों की संख्या लगभग 40)

2 50 से अधिक बच्चे होने पर दूसरा मिश्रित कक्ष बनाएँ।

3 शिक्षक अपनी निजी डायरी में सभी बच्चों का नाम लिखें।

4 विषयवार माइल स्टोन को ध्यान से पढ़ें। जो सृजन हस्तपुस्तिका के परिशिष्ट में दिए गए हैं। पढ़कर बच्चों का अनुमानित माइलस्टोन निकालें।

5 अनुमानित माइलस्टोन निकालने के बाद बच्चों का अस्थायी समूह बनाकर प्रत्येक बच्चे का मूल्यांकन कार्ड द्वारा वास्तविक माइल स्टोन ज्ञात करें।

वास्तविक माइलस्टोन ऐसे निकालें – राम का अनुमानित माइलस्टोन 5 है, उसे माइलस्टोन 5 का मूल्यांकन कार्ड दिया गया। जिसे उसने पूरा कर लिया। अब उसे माइलस्टोन 6 का मूल्यांकन कार्ड दिया गया। जिसे वह नहीं कर पाया। तब उसका वास्तविक माइलस्टोन 6 होगा।

राधा का अनुमानित माइलस्टोन 9 है। माइलस्टोन 9 का मूल्यांकन कार्ड देने पर वह नहीं कर पाई। अब उसे 8 माइलस्टोन का मूल्यांकन कार्ड देंगे। वह इसे भी नहीं कर पाई। फिर माइलस्टोन 7 का मूल्यांकन कार्ड देने पर उसने पूरा कर लिया। अतः उसका वास्तविक माइलस्टोन 8 होगा।

1 बच्चों को लोगो, लेडर, समूह थाली से परिचय करावें और उन्हें उनके उपयोग पर प्रशिक्षित करें।

2 प्रशिक्षित करने के लिये उनके वास्तविक माइलस्टोन से 1–2 माइलस्टोन नीचे की गतिविधि वाले कार्ड दें। (अवधारणा व मूल्यांकन कार्ड न दें।)

3 उक्त माइलस्टोन की गतिविधि को पूरा करके बच्चे अपने वास्तविक माइलस्टोन में प्रवेश करेंगे।

4 शिक्षक बच्चे के वास्तविक माइलस्टोन के अवधारणा कार्ड से सीखाना प्रारंभ करें।

इस प्रकार MGML की प्रक्रिया का संचालन सुचारू रूप से प्रारंभ हो जाएगा।

कुछ प्रश्न जो मन में आएँगे –

प्रश्न – समूह निर्माण की प्रक्रिया क्यों ?

उत्तर :–
1. सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को सरल करने के लिए।
2. कक्ष को स्वनियंत्रित गति से चलाने के लिए।
3. बच्चों में MGML की संपूर्ण प्रक्रिया पर समझ बनाने के लिए।
4. सभी बच्चों का गतिविधि में सहभागिता के लिये।

5. बच्चों के स्तर की सही जानकारी हेतु।
6. स्तरानुरूप सीखने की प्रक्रिया प्रारंभ करने के लिये।

प्रश्न :– अनुमानित माइलस्टोन कैसे ज्ञात करेंगे ?

उत्तर – सृजन हस्त पुस्तिका में दिए गए परिशिष्ट से माइलस्टोन का बिन्दुवार अध्ययन करें तथा इसके आधार पर बच्चों का अनुमानित माइलस्टोन तय करें।

प्रश्न :– वास्तविक माइलस्टोन क्यों ?

उत्तर :– बच्चे का वास्तविक स्तर ज्ञात कर अध्यापन कार्य प्रारंभ करने के लिए वास्तविक माइलस्टोन निकालना आवश्यक है।

प्रश्न :– बच्चों को लोगो, लेडर से परिचय कराना क्यों आवश्यक है ?

उत्तर :– बच्चों को लोगो, लेडर से परिचित कराने के बाद ही MGML की कक्षाएँ संचालित होती हैं। बच्चे लेडर देखकर ही लोगो एवं नंबर के अनुसार कार्ड निकालते हैं व निर्धारित समूह में बैठकर गतिविधि पूरी करते हैं। लोगो, लेडर के परिचय से ही समूह का निर्माण होता है। परिचय कराने के लिए बच्चों को कार्ड छूने दें, लेडर पर उँगली फिराकर उन्हें उनके वास्तविक माइलस्टोन का ज्ञान करायें।

प्रश्न :– अनुमानित माइलस्टोन के बाद अस्थायी समूह बनाना क्यों आवश्यक है ?

उत्तर :–1. प्रत्येक बच्चे का वास्तविक माइलस्टोन निकालने के लिए।
2. सभी बच्चों का एक साथ वास्तविक मूल्यांकन नहीं किया जा सकता।
अतः कक्षा को व्यवस्थित करने के लिए अस्थायी समूह बनाना आवश्यक है।

प्रश्न :– अस्थायी समूह के बच्चों को कौन–कौन सी गतिविधियाँ कराएँगे ?

उत्तर :–

गीली मिट्टी के कार्य, चित्रकारी, कंकड़ से चित्र बनाना, चित्रों पर कंकड जमाना कागज से खिलौने बनाना, विभिन्न वस्तुओं का संकलन, परिवेशीय अवलोकन कर रिपोर्टिंग करना पूर्व के माइलस्टोन के खेल, कार्डों का खेल,बिल्लस का खेल आदि।

प्रश्न :– अवधारणा क्या है ?

उत्तर :– विषय वस्तु के अंतर्गत कुछ प्रमुख बिन्दु जो संपूर्ण विषय वस्तु की समझ बनाते हैं।

प्रश्न :– अवधारणा कार्ड को कैसे स्पष्ट करेंगे ?

उत्तर :– **हिन्दी –**

1. अवधारणा कार्ड कराने के पूर्व उस माइलस्टोन के सभी कार्डों की जानकारी रखें एवं अवधारणा स्पष्ट करते समय अन्य गतिविधि कार्डों का उपयोग अवश्यक करें। जैसे – चूहा कार्ड, हिरण कार्ड आदि।
2. सबसे पहले शिक्षक अवधारणा कार्ड के चित्रों पर चर्चा कराएँ।
3. कविता/कहानी को हाव–भाव के साथ सुनाएँ।
4. रंगीन शब्दों पर जोर देते हुए कविता को सुनाएँ।
5. चित्र व शब्दों का मिलान कराएँ।
6. शिक्षक शब्द के प्रथम वर्ण की ध्वनि की पहचान कराएँ।
7. शिक्षक द्वारा शब्दों को बोलने पर बच्चे शब्द को पहचान सकें।
8. कविता/कहानी को हावभाव के साथ दोहरा सकें एवं अपने शब्दों में व्यक्त कर सकें।
9. शिक्षक यह सुनिश्चित कर लें कि बच्चा रंगीन शब्दों को अच्छी तरह पहचान गया है । तभी अगली गतिविधि के लिए बच्चे को निर्देशित करें।
10. कक्षा 3 व 4 में अवधारणा स्पष्ट करने से पूर्व उस माइलस्टोन का उपचारात्मक कार्ड (भालू) का अध्ययन करना अति आवश्यक है।
11. शिक्षक यह सुनिश्चित कर लें कि बच्चे को अवधारणा पूर्ण रूप से स्पष्ट हो गई है, तभी अगली गतिविधि के लिए बच्चे को निर्देशित करें।

गणित :–

1. अवधारणा स्पष्ट करने से पहले दैनिक जीवन से संबंधित मौखिक प्रश्न पूछें। जैसे – जोड़ की अवधारणा से पहले हम पूछें कि आपके पास दो पेन है और आपके दोस्त के पास तीन पेन है। कुल कितने पेन हुए ?
2. मौखिक प्रश्न के बाद कंकड़, बीज, माचिस की तीली, कंचे, बटन, मोती आदि विभिन्न सहायक सामग्री से उन्हें अवधारणा स्पष्ट कराएँ।
3. अवधारणा स्पष्ट करते समय उस माइलस्टोन के अन्य कार्डों का उपयोग अवश्य करें। जैसे – कबूतर कार्ड, बतख कार्ड आदि।
4. शिक्षक यह सुनिश्चित कर लें कि बच्चा अवधारणा से संबंधित सवाल हल कर सकता है, तभी उसे अगले कार्ड की गतिविधि के लिए भेजें।

पर्यावरण : –

1. सर्वप्रथम शिक्षक सर्वे कार्ड का अवलोकन करें। संकलित जानकारियों पर बच्चों के साथ चर्चा करें ।
2. कहानी/कविता को समझाते हुए अवधारणा को स्पष्ट करें।
3. अवधारणा स्पष्ट कराने के लिए उस विषय वस्तु से संबंधित अन्य कार्डों का उपयोग अवश्य करें। जैसे – केला कार्ड, अनार कार्ड, पपीता कार्ड आदि।
4. शिक्षक यह सुनिश्चित कर लें कि अवधारणा पूर्ण रूप से स्पष्ट हो गई है, तभी बच्चे

को अगली गतिविधि के लिए निर्देशित करें।

अंग्रेजी :–

1. शिक्षक हाव–भाव के साथ कविता को सुनाएँ।
2. कार्ड में दी गयी क्रियाओं को स्वयं करके बताएँ।
3. अवधारणा को स्पष्ट करने के लिए अन्य गतिविधि कार्डों का उपयोग करें।
4. यदि बच्चे क्रियाओं के साथ कविता को सुना पाते हैं तभी अगले कार्ड की गति–विधि कराएं।
5. शिक्षक के द्वारा की गयी क्रियाओं को बच्चे कर पाएँ एवं बोल पाएँ, तभी उन्हें अगला कार्ड दें।

अवधारणा स्पष्ट करने के लिए शिक्षक को MGML के सभी कार्डों का गहन अध्ययन करना आवश्यक है।

प्रश्न :– बच्चा अगले लोगो का कार्ड कब उठाएगा ?

उत्तर :– जिस कार्ड पर गतिविधि हो रही है उस कार्ड की पक्की समझ ही अगले लोगो की गतिविधि के लिए सहायक होगी। जब तक बच्चा दक्ष न हो जाए तब तक गति–विधि दोहराएँ। ध्यान रखें कि गतिविधि कार्ड के निर्देश के अनुरुप ही हो। यदि बच्चा कार्ड की गतिविधि नहीं कर पा रहा है, तो इसका अर्थ यह होगा कि उसने पिछली गतिविधि को अच्छी तरह नहीं किया है।

प्रश्न :– शिक्षक सभी समूहों पर कैसे ध्यान रखें ?

उत्तर :–

1. शिक्षक समर्थित समूह में प्रत्येक कार्ड को शिक्षक ही कराएँ।
2. आंशिक शिक्षक समर्थित समूह प्रथम समूह के पास हो, जिससे शिक्षक आवश्यकतानुसार सहयोग कर सके।
3. सहपाठी समर्थित समूह के बच्चे यदि आपसी सहयोग से गतिविधि पूर्ण नहीं कर पा रहे हैं तो शिक्षक स्वयं बच्चों के साथ गतिविधि करके बताएँ।
4. आंशिक सहपाठी समर्थित समूह में बच्चे अन्य साथी के निर्देश/सहयोग से कार्य कर पा रहे हैं, यदि नहीं तो शिक्षक उनकी सहायता करें व स्वयं कार्य करने हेतु प्रेरित करें।
5. स्वअधिगम समूह में बच्चे स्वयं कार्य कर रहे हैं, यदि नहीं तो शिक्षक उन्हें स्वयं करने हेतु प्रेरित करें।
6. मूल्यांकन समूह में बच्चों द्वारा किये गये कार्य एवं दिये गये उत्तरों की जाँच शिक्षक स्वयं करें।

शिक्षक सभी समूहों में एक सुविधादाता के रूप में कार्य करें।

प्रश्न :– बच्चे मूल्यांकन कार्ड को कैसे हल करेंगे ?

उत्तर :–बच्चे भू–श्यामपट, स्लेट, कॉपी पर मूल्यांकन कार्डों के प्रश्नों को हल करेंगे। शिक्षक उत्तरों की जाँच करें।

प्रश्न :– कार्डों पर दिये गये अभ्यास कार्य को कहॉ करायें ?

उत्तर :– कार्डों पर दिये गये अभ्यास कार्य को भू–श्यामपट, स्लेट, कॉपी में करायें। बच्चों को स्पष्ट निर्देश दें कि कार्डों पर न लिखें।

प्रश्न :– भू–श्यामपट पर कार्य करना क्यों जरूरी है ?

उत्तर :–

1. कक्षा से लगाव बढ़ता है। कक्षा अपनी लगती है।
2. बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है।
3. एक–दूसरे के कार्यों की जाँच कर सकते हैं। शिक्षक भी उनके कार्यो का अवलोकन कर सकते हैं।
4. लिखावट सुन्दर होती है।
5. गलती की संभावना नगण्य हो जाती है।

प्रश्न :–शिक्षक का जमीन पर बैठकर अध्ययन कराना क्यों आवश्यक है?

उत्तर :–

1. बच्चे और शिक्षक के बीच मित्रता बढ़ेगी।
2. बच्चे, शिक्षक को अपने बीच पाकर सहजता के साथ अपनी बात रख सकते हैं।
3. बच्चों की समस्याओं को सुलझाने में आसानी होगी।
4. जमीन पर बैठने से मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है।

प्रश्न :– पासे व अन्य सामग्री का प्रबंधन कैसे करें ?

उत्तर :–

1. गतिविधि के अनुसार बच्चों को पासा दें।
2. पासा के फलक पर स्वयं मार्कर पेन या पेंट से चित्र, अंक, शब्द, वर्ण लिखें।
3. पासा खेल हेतु अलग–अलग रंगों के बटनों के पैकेट रखें।
4. गणित विषय में विभिन्न अवधारणाओं एवं उनके अभ्यास हेतु मोती, कंकड़, बीज,

कंचे, स्ट्रापाइप माचिस की तीलियॉ, उनके बंडल आदि का अनिवार्य रूप से उपयोग करें।

प्रश्न :–लेखन कार्य बच्चों से कब–कब करायें ?

उत्तर :– कार्डों के निर्देश के अनुरूप ही लेखन कार्य करायें (अनावश्यक लेखन कार्य न करवायें)। घोड़ा एवं बिल्ली कार्ड अवधारणा से संबंधित हैं, लिखने से नहीं यह ध्यान रखें। किन्तु शिक्षक प्रायः बच्चों को लिखने का कार्य दे देते हैं।

प्रश्न :– कछुआ, कुत्ता, कबूतर लोगो पर कार्य कैसे करें ?

उत्तर :– कछुआ – पहले मात्रा वाले कार्ड के चिन्हांकित भाग को काटें। माइलस्टोन में आये वर्णों व मात्राओं का उपयोग करें। जैसे – माइलस्टोन 1 में र,क,ल,ह, वाला कार्ड लें जिसमें 'ा' की मात्रा वाले कार्ड लगाकर इन वर्णों का उच्चारण करवायें।

उदाहरण – [र] + [ा] = [रा]

कुत्ता :–

1. कार्ड में शब्दपट्टी व वाक्यपट्टी का अभ्यास है।
2. स्टेपल करते समय नंबर को ध्यान में रखा जाये व काटते समय कैंची के निशान तक ही काटें।
3. शब्द बनाने, वाक्य बनाने एवं व्याकरण में इसका अधिक–से–अधिक उपयोग करें।

कबूतर :–

1. यह संख्या एवं अंक कार्ड है।
2. इसका उपयोग माइलस्टोन में आये अंकों के अनुरूप करें।
3. अंक पहचान कर छोटा–बड़ा, घटते–बढ़ते क्रम, पहले, मध्य, बाद की संख्या, जोड़ना–घटाना आदि गतिविधियों हेतु इन कार्डों का उपयोग अनिवार्य रूप से करें।
4. कबूतर कार्ड का उपयोग गणितीय खेल में अवश्य करें।

भेड़, चूहा, हिरण, बतख एवं सीताफल कार्डों को नंबर व संख्या के अनुसार रबर लगाकर, बांधकर व्यवस्थित रखें।

प्रश्न–सभी बच्चों को शून्य माइलस्टोन से ही अध्यापन प्रारंभ क्यों नहीं करना चाहिए?

उत्तर –प्रत्येक बच्चे का स्तर अलग–अलग होता है, अतः उनके स्तरानुरूप अध्यापन कराना आवश्यक ही नहीं अनिवार्य है।

प्रश्न –MGML प्रक्रिया लागू करने से शिक्षक व जनसमुदाय को क्या लाभ होगा?

उत्तर – **शिक्षक को लाभ –**

1. शिक्षक में सभी बच्चों को सीखा पाने का आत्मविश्वास जागृत होगा।
2. शिक्षण कार्य आसान होगा क्योंकि बड़े बच्चे छोटे बच्चों को सीखने में सहयोग करते हैं।
3. शिक्षक में प्रबंधन के गुणों का विकास होगा।
4. शिक्षक अपनी रचनात्मक ऊर्जा का अधिक से अधिक प्रयोग कर सकेंगे।
5. समस्याओं के समाधान की क्षमता विकसित होगी।
6. शिक्षक प्रत्येक बच्चे का स्तर, गति एवं रूचि को समझकर उसके अनुरूप विकास में मदद कर सकेंगे।
7. बच्चे और प्रक्रिया का सतत और समग्र मूल्यांकन कर सकेंगे।

समुदाय को लाभ –

1. समुदाय को आत्मविश्वासी एवं स्वावलम्बी नागरिक मिलेगा।
2. विद्यालय और समुदाय के बीच मधुर संबंध स्थापित होगा।
3. समुदाय के सभी बच्चे सीखेंगे।
4. कुशल नेतृत्व करने वाले नागरिक मिलेंगे।

प्रश्न – कक्षा भवन के अभाव में एम.जी.एम.एल. कैसे संचालित करें ?

उत्तर – भवन के अभाव में एम.जी.एम.एल. की कक्षा संचालित करने के लिए निम्न वैकल्पिक व्यवस्था की जा सकती है –

1. किसी पेड़ के नीचे या किसी छायादार जगह में एम.जी.एम.एल. प्रक्रिया के अनुसार छः खूँटे गाड़कर थाली समूह को टांग कर कक्षा का संचालन करें।

   जिस विषय का अध्यापन किया जाना है, उस विषय के लेडर, ट्रे एवं कार्ड को रखकर एम.जी.एम.एल. प्रक्रिया संचालित कर सकते हैं।
2. समुदाय के सहयोग से पर्णकुटी या झोपड़ी (शेल्टर) निर्मित करके भी एम.जी.एम.एल. कक्षा आसानी से संचालित की जा सकती है।

टीप – इस तरह की वैकल्पिक व्यवस्था राजनांदगाँव जिले के विकासखंड चौकी तथा सरगुजा जिले के विकासखंड रामानुजगंज एवं प्रतापपुर में की गई है।

प्रश्न – एक सेट किट (चारों विषय) में कितने बच्चे अध्ययन कर सकते हैं ?

उत्तर – एक सेट किट की सहायता से लगभग 160 बच्चे एक साथ अध्ययन कर सकते हैं। चार कक्षाओं में अलग–अलग विषय का अध्यापन किया जाएगा।

जैसे –

कक्ष क्रमांक	बच्चों की संख्या					विषय
	1ली	2री	3री	4थी	योग	
1	10	10	10	10	40	हिन्दी
2	10	10	10	10	40	गणित
3	10	10	10	10	40	अंग्रेजी
4	10	10	10	10	40	पर्यावरण

प्रत्येक कक्ष में अलग–अलग विषय के कार्ड रखे होंगे। चारों कक्ष में विषयों का अध यापन एक साथ प्रारंभ होगा। काल खंड के अनुसार बच्चे बदलते रहेंगे।

प्रश्न – क्या एम.जी.एम.एल. में लेखन अभ्यास कम है ?

उत्तर – भाषा सीखने के चार कौशल होते हैं – सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना। सुनना और पढ़ना कौशल ज्ञान को ग्रहण करने के लिए और बोलना एवं लिखना कौशल अभिव्यक्ति के लिए है। लिखना भाषा का सबसे अंतिम कौशल है अर्थात् बच्चा जब सुनना, बोलना और पढ़ना सीख जाए, तभी उसे लिखने की दक्षता सिखायी जाए। लिखना कौशल का मतलब यह है कि बच्चा अपने विचारों को स्वतंत्रता पूर्वक लिखकर व्यक्त कर सके न कि केवल दी गई सामग्री को उतार दे अथवा वर्णों के चित्र बना दे।

एम.जी.एम.एल. के कार्डों में लेखन के पर्याप्त अभ्यास दिए गए है। जैसे – हिन्दी में हाथी, गणित में मैना, पर्यावरण में अनानास, अंग्रेजी में कूलर कार्ड पूर्णतः लेखन पर आधारित है। बच्चे कार्ड में दिए गए निर्देशानुसार अपने कापी, स्लेट और भूस्तर श्यामपट में लेखन कार्य करेंगे। ज्यों–ज्यों बच्चे का स्तर बढ़ता जाता है त्यों–त्यों लेखन का अभ्यास बढ़ता जाता है।

प्रश्न – बच्चे कार्ड ले जाते हैं या फाड़ देते हैं। क्या करें ?

उत्तर – यदि बच्चे कार्ड ले जाते हैं या फाड़ देते हैं तो बच्चे का यह कार्य सीधा–सीधा शिक्षकों की लापरवाही और कक्षा कुप्रबंधन को प्रदर्शित करता है।

शिक्षक द्वारा बच्चों को बार–बार निर्देश देना होगा कि यह कार्ड सभी बच्चों का है, हमारे विद्यालय का है, इन्हीं कार्डों द्वारा पढ़ाई होती है इसलिए आप इन कार्डों को सुरक्षित रखें। ऐसा संस्कार विकसित करने से बच्चे कार्ड नहीं ले जाएंगे। यदि कार्डों की आवश्यकता हो तो विकासखंड में उपलब्ध सी.डी. से फोटोकापी करवा लें।

प्रश्न – MGML में गृहकार्य की क्या व्यवस्था है ?

उत्तर – परिषद द्वारा गृहकार्य करने के लिए सभी विषयों की अभ्यास पुस्तिका दी जा रही है। जिसमें स्तरानुरूप पर्याप्त अभ्यास कार्य दिया गया है।

प्रश्न – बस्ते का बोझ हटाने का क्या अर्थ है ?

उत्तर – बस्ते का बोझ हटाने का कुछ लोगों ने कुछ का कुछ अर्थ निकाल लिया और बच्चों से बस्ता मंगवाना ही बंद करा दिया। **एम.जी.एम.एल. कक्षा में बच्चा अपने बस्ते में केवल पाठ्य पुस्तक नहीं लाएगा।** अन्य शिक्षण सामग्री जैसे – स्लेट, कापी, पेन, अभ्यास पुस्तिका आदि अवश्य लेकर आएगा।

प्रश्न – स्क्रैप बुक क्या है ? इसका उपयोग कैसे करें ?

उत्तर – बच्चे अपने मनपसंद चित्रों का कटिंग करके कापी में चिपकाते हैं, उसे ही स्क्रैप बुक कहते हैं। यह बच्चों के कौशल को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। इस कार्ड

में निम्न गतिविधि की जा सकती हैं –

1. मनपसंद चित्र कापी में चिपकाकर उनका नाम बोले एवं लिखें।
2. चित्र के नाम में त्रुटि होने पर शिक्षक उसमें सुधार करेगा।
3. चित्र के संबंध में बच्चा अपने शब्दों में लिखित एवं मौखिक वर्णन करेगा।
4. उच्च स्तर वाले बच्चे चित्र के संबंध में निबंध/कहानी/कविता आदि लिखेंगे।

प्रश्न – MGML कक्षा के बेहतर संचालन के लिए शिक्षक क्या करें ?

उत्तर – 1. बच्चे के व्यक्तिगत लेडर को बच्चों के हाथों में सौंप दें।

2. वास्तविक माइलस्टोन निकालने के समय मूल्यांकन ठीक से करें।
3. जब तक बच्चे को अवधारणा समझ में नहीं आता तब तक उसे अवधारणा स्पष्ट कराएँ।
4. अवधारणा स्पष्ट कराते समय सहायक सामग्री का अनिवार्य रूप से उपयोग करें।
5. बच्चे किस माइलस्टोन के किस कार्ड पर कार्य कर रहा है उसकी जानकारी हेतु निजी डायरी संधारित करें।
6. धीमी गति से सीखने वाले बच्चे पर ध्यान दें।
7. शिक्षक बच्चों की दिनभर की गतिविधि में आने वाली समस्या, उपलब्धि, नवाचार का रिकार्ड रखें।
8. मूल्यांकन पत्रक को संधारित करते हुए बच्चों की पहुँच में रखें।
9. शिक्षक अपने स्टाफ से नियमित विचार–विमर्श करें।
10. शिक्षक ध्यान रखें कि बच्चा अपने कार्ड पर कितने समय तक काम कर रहा है।
11. बच्चों को कहानी सुनाने के लिए माता–पिता, अभिभावक को बुलाएँ।
12. बेहतर कक्ष संचालन हेतु योजना बनाकर कार्य करें।
13. शिक्षक बच्चों को पाठ्यपुस्तक न मंगाए और न ही अध्यापन कराएं।
14. MGML प्रशिक्षित शिक्षक की अनुपस्थिति में MGML कक्ष में अध्यापन बंद न करें।

अंग्रेजी कैसे सीखाएँ –

1. अंग्रेजी एक भाषा है। जिसमें सीखने का क्रम है – सुनना, बोलना, पढ़ना एवं लिखना।
2. कक्षा 1ली व 2री में सीखने के क्रम में सुनने व बोलने पर जोर दिया गया है।
3. अंग्रेजी विषय में केवल Conversation (चर्चा) ही करें।
4. सबसे पहले शिक्षक कार्ड को पढ़ें एवं उसमें दिए गए Action को करते हुए बच्चों को कविता सुनाएँ
5. बच्चों को Action करते हुए कविता दोहराने को कहें अर्थात प्रत्येक शब्द को बच्चा बोलेगा एवं Action करेगा।
6. अंग्रेजी शब्दों के हिन्दी मायने नहीं बताएं।
   जैसे :– Eye मतलब आँख न बताकर, Eye बोलें एवं आँख पर उँगली रखें।

7. शिक्षक सामान्य बोलचाल में अंग्रेजी के शब्दों का अधिक से अधिक प्रयोग करें।
8. बच्चों को अंग्रेजी में बोलकर छोटे–छोटे निर्देश दें। साथ ही उन्हें भी अंग्रेजी बोलने का अवसर प्रदान करें।
9. कक्षा 1 व 2 के बच्चों से Spelling न पूछें।
10. 1 ली एवं 2 री में केवल मौखिक मूल्यांकन किया जाए।
11. कक्षा 3 व 4 के बच्चों को सुनने व बोलने के साथ साथ पढ़ने व लिखने पर विशेष ध्यान दें।
12. शब्दों को पढ़ने, नये शब्द बनाने, वाक्यों में प्रयोग करने एवं चर्चा करने पर विशेष जोर दें।
13. बच्चों को अंग्रेजी में लेखन एवं वर्णन करने हेतु प्रेरित करें।

पर्यावरण :– पर्यावरण विषय में अवलोकन, संकलन,/वर्गीकरण, विश्लेषण, प्रयोग और निष्कर्ष कैसे ?

1. अवलोकन – माइलस्टोन 5 फल संबंधी अवलोकन

(a) सर्वेक्षण कार्ड की कॉपी करें और बच्चों को दें।

(b) बच्चे अपने आस–पास (परिवेश) का प्रत्यक्ष अवलोकन कर निर्देशानुसार कार्ड को पूर्ण करें।

2. संकलन/वर्गीकरण –

(a) सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी को संकलित एवं वर्गीकृत करें।

जैसे :– खट्टा और मीठा स्वाद के आधार पर वर्गीकरण कराएँ।

(b) सर्वेक्षण एवं वर्गीकरण के आधार पर यह निष्कर्ष निकालने का प्रयास करें कि किस फल को किस रूप में ग्रहण किया जाता है।

1. प्रयोग – विभिन्न फल के स्वाद जानने संबधी प्रयोग बच्चे स्वयं करें।

पर्यावरण के समूह :–

- पर्यावरण में 6 समूहों में कार्य होगा। छः समूह इस प्रकार है।
- कक्षा 1 व 2 के बच्चों को उनकी रूचि के माइलस्टोन पर कार्य करने की स्वतंत्रता दें।
- कक्षा 1 व 2 के बच्चे मौखिक रूप से पर्यावरण के कार्यों को करेंगे।
- कक्षा 1 व 2 के लगभग 30–40 बच्चों को 4 या 5 समूह में बाँटें।
- प्रत्येक समूह के बच्चे को अलग–अलग माइलस्टोन में कार्य देवें।
- सर्वप्रथम सर्वे कार्ड पूरा कराएँ इसके लिए कार्ड की फोटो कापी बच्चों को दें।

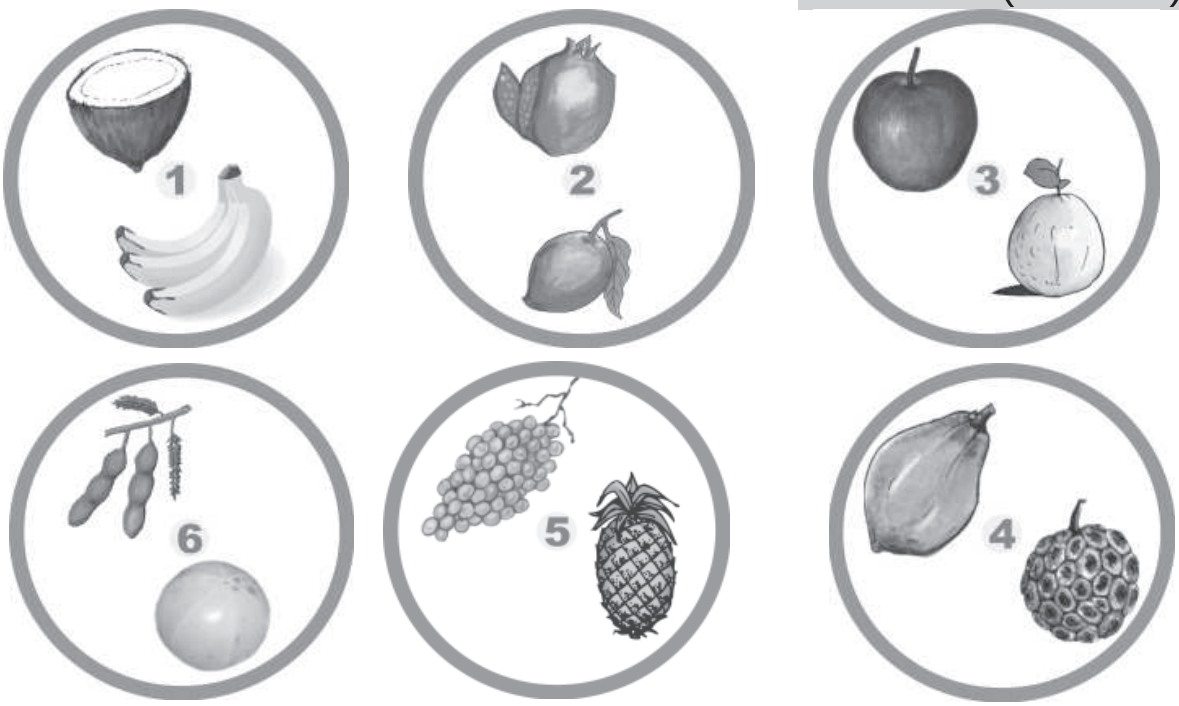

- पहले सर्वे कर आने वाले समूह के कार्यों का अवलोकन करें। पूरे होने की स्थिति में उनकी अवधारणा स्पष्ट करते हुए वर्गीकरण कार्य पूरा कराएँ।
- पहला समूह के अवधारणा पूर्ण होने के बाद उस समूह को आगे कार्ड की गतिविधि हेतु निर्देशित करें। अब दूसरे समूह के सर्वे कार्ड का अवलोकन करें। पूर्ण होने की स्थिति में अवधारणा स्पष्ट कर आगे का कार्ड पूरा कराएँ।
- इसी प्रकार क्रमशः सभी समूह के सर्वे एवं संबंधित अवधारणा स्पष्ट करते जावें।
- धीरे–धीरे बच्चे अपने समूह के साथ कार्य करते हुए आगे बढ़ते हुए लोगो में कार्य करते हुए अपना माइलस्टोन पूर्ण करते जायेंगे।
- एक कक्ष में 1 से 4 तक 40 बच्चे है जिसमें कक्षा 1 एवं 2 के 20 बच्चे तथा कक्षा 3 एवं 4 के 20 बच्चे होंगे।
- 1 एवं 2 के बच्चे उपरोक्त विधि से कार्य करेंगे तथा कक्षा 3 एवं 4 के बच्चे किसी एक थीम वेब पर कार्य करेंगे। जब तक सभी माइलस्टोन पूर्ण नहीं हो जाते तब तक दूसरे थीम वेब पर कार्य नहीं करेंगे।
- कक्षा 3 एवं 4 के बच्चे अपनी रूचि के अनुरूप माइलस्टोन का चयन करेंगे।
- शिक्षक प्रत्येक बच्चों को अवधारणा स्पष्ट करेगा।
- इस प्रकार कक्षा 3 एवं 4 के बच्चे हिन्दी और गणित के अध्ययन की तरह पर्यावरण का अध्ययन लेडर के सहारे करते जाएंगे।
- पर्यावरण में वास्तविक माइलस्टोन का निर्धारण हिन्दी के माइलस्टोन के अनुसार होगा। यदि कोई बच्चा हिन्दी का 21 माइलस्टोन पूरा कर लेता है तो वह पर्यावरण के कक्षा 3 के माइलस्टोन से कार्य प्रारंभ करेगा।

- दीर्घकालीन प्रयोजना हेतु कार्ययोजना बनाकर कार्य करें। जैसे – शरीर की सफाई हेतु कक्षा में चार्ट लगाएँ।
- शिक्षक आँवला कार्ड स्वयं बनाएँ एवं बच्चों का मूल्यांकन करें।

थीम वेब – विषय पर्यावरण

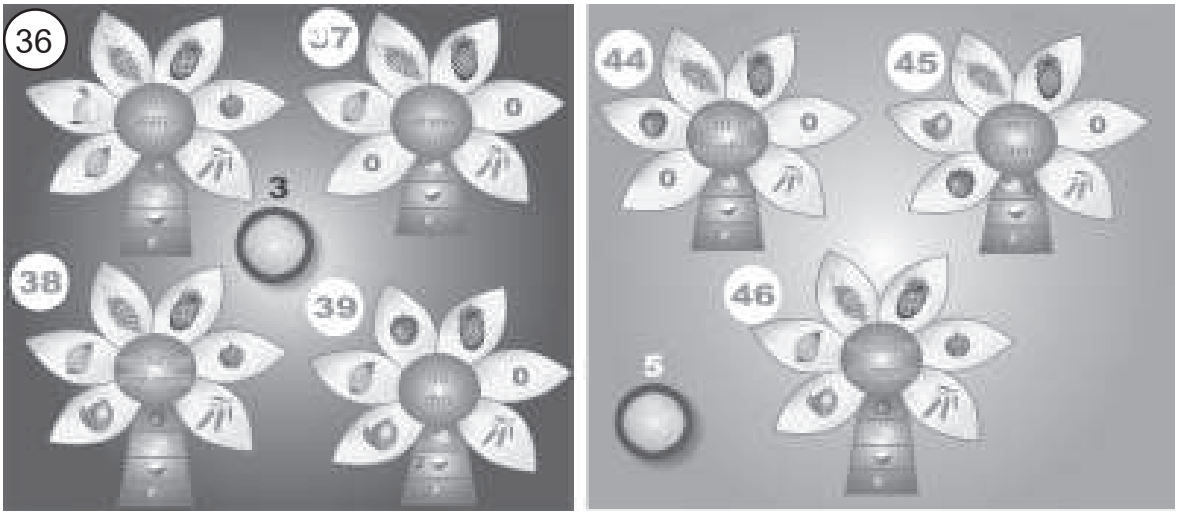

अध्याय–2

मॉनीटरिंग टूल्स

1. मॉनिटरिंग की अवधारणा – मॉनिटरिंग से तात्पर्य कक्षा अवलोकन से है। कक्षा में जो हो रहा है, उसे वैसा ही देखना, पहचानना, विवरण व विश्लेषण प्रस्तुत करना आदि मॉनिटरिंग के तत्व हैं। मॉनटिरिंग निरीक्षण नहीं है बल्कि यह एक फीडबैक लेने की प्रक्रिया है। साथ ही मॉनटरिंग सुधारात्मक दृष्टिकोण से होना चाहिए। जो प्रक्रिया चल रही है उसमें किन बिन्दुओं पर शिक्षकों, बच्चों को समस्या आ रही है। बच्चों को कहाँ सफलता नहीं मिल रही है। उन्हें चिन्हांकित कर विश्लेषण के आधार पर इन समस्याओं का समाधान देना चाहिए। जिन समस्याओं का समाधान नहीं हो पाता उन्हें उच्च स्तर पर अग्रेषित करना चाहिए। विश्लेषण कर निष्कर्ष निकालना एवं समाधान प्रस्तुत करना आदि मॉनीटरिंग के अंग हैं।

2. एम.जी.एम.एल. मॉनिटरिंग क्यों– एम.जी.एम.एल. की प्रक्रिया को सतत जारी रखने एवं गति प्रदान करने के लिए व मार्ग दर्शन के लिए मॉनिटरिंग आवश्यक है। चूँकि यह नई प्रणाली है प्रत्येक चरण में छोटी–छोटी शिक्षण तकनीकों का उपयोग किया गया है। जिसे भली भांति समझना आवश्यक है। एम.जी.एम.एल. मॉनिटरिंग निम्न तत्वों के लिए आवश्यक है–

1. एम.जी.एम.एल. नई प्रणाली है इसलिए शिक्षकों को निरंतर मदद की आवश्यकता है।
2. प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए।
3. प्रक्रिया में आने वाली कमियों, समस्याओं को ढूँढ़ने के लिए।
4. प्रक्रिया में आने वाले कमियों का विश्लेषण करने के लिए।
5. कमियों का विश्लेषण के आधार पर निदान के लिए।
6. बच्चों/शाला की गुणवत्ता स्तर में सुधार करने के लिए।
7. शाला, संकुल, विकास खंड, जिला एवं राज्य के मध्य सूचना के प्रवाह का आदन–प्रदान के लिए।
8. शाला, संकुल विकास खंड, जिला व राज्य के मध्य समन्वय स्थापित करने के लिए।
9. कमियों का प्रत्येक स्तर पर समाधान करने के लिए।
10. विशेष कमियों को उच्च स्तर तक पहुँचाने एवं समाधान कर शाला तक पहुँचाने के लिए।
11. शिक्षकों की समझ विकसित करने के लिए।
12. राज्य स्तर पर विश्लेषण कर कमियों की पूर्ति के लिए।

3. सूचना तंत्र – शाला से मात्र कमियों का चिन्हांकन नहीं किया जाना चाहिए। बल्कि कमियों एवं उपलब्धियों का विश्लेषण कर इसे शाला से संकुल, संकुल से विकास खंड, विकास खंड से जिला, जिला से राज्य तक पहुँचना आवश्यक है। लेकिन यह

सम्पूर्ण मॉनीटरिंग नहीं होगा। बल्कि उन कमियों का निराकरण कर वापस राज्स से शाला तक पहुँचना चाहिए, ऐसा नहीं होने पर प्रक्रिया त्रुटिपूर्ण हो जाती है।

हमारा लक्ष्य है बालक का विकास, बालक के मस्तिष्क में आनंददायी ढंग से उद्देश्यों को स्थापित करना है। इस हेतु इनकी भूमिका को भली भांति समझना आवश्यक है। आइये निम्नलिखित चित्र का अध्ययन करें–

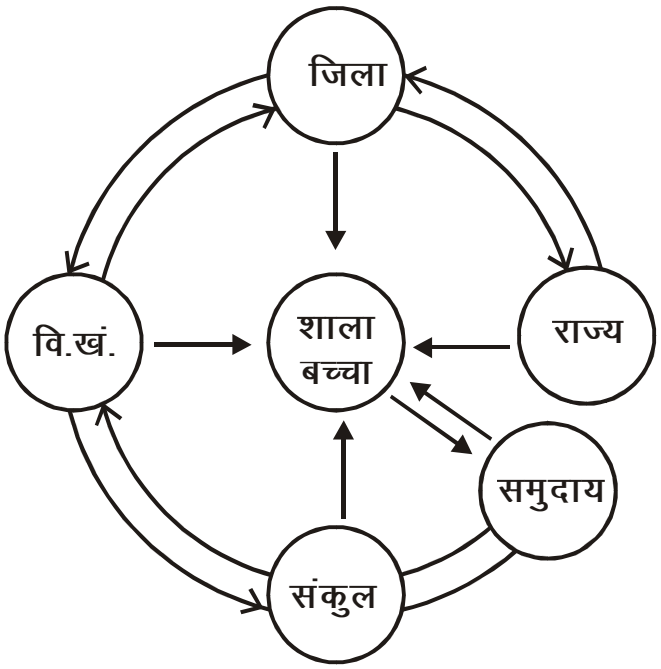

उपरोक्त चित्र से स्पष्ट है कि बालक की मॉनिटरिंग हेतु सूचनाओं का बालक से राज्य तक पहुँचना व वापस राज्य से बालक तक पहुँचना है लेकिन प्रत्येक इकाई से सीधे बालक के साथ सूचना का अदान–प्रदान हो सकता है। यहाँ अपनी–अपनी भूमिका का निर्धारण करना होगा।

4. **समीक्षा बैठकः** मॉनीटरिंग के साथ–साथ बैठकों का आयोजन महत्वपूर्ण होता है। विभिन्न स्तर पर एम.जी.एम.एल. की बैठक आयोजित कर मॉनीटरिंग में किए गए विश्लेषण का प्रस्तुतीकरण कर अगले इकाई की कार्ययोजना का निर्धारण किया जाना चाहिए। निम्नलिखित चार्ट से विभिन्न इकाईयों की बैठकों की स्थिति स्पष्ट होती है।

क्र.	स्तर	भाग लेने वाले इकाई	समय दिवस	एजेंडा	कार्ययोजना
1.	शाला स्तर	जनभागीदारी समिति, समस्त शिक्षक		बच्चों,शिक्षक की कठिनाईयाँ जनभागदारी से सहयोग	जनभागीदारी से कठिनाईयों का निराकरण कैसे होगा।

2.	संकुल	MGMLशिक्षक / सी.ए.सी. / सी.आर.सी.		मॉनीटरिंग का विश्लेषण शिक्षकों की उपलब्धि कमियों पर चर्चा।	संकुलवार
3.	वि.ख.	C.A.C., C.R.C., B.R.C.			
4.	जिला	B.A.C.,B.R.C., D.P.C.			

5. विभिन्न इकाईयों के कर्त्तव्य

1. सी.ए.सी. / बी.आर.जी.

अ. प्रत्येक सी.ए.सी. अपने स्कूलों की सतत् मॉनीटरिंग करेंगे। मॉनीटरिंग के द्वारा वे शाला की उपलब्धियों एवं कमियों का चिह्नांकित करेंगे। कमियों का विश्लेषण कर उनका उपचार करेंगे।

ब. यदि किसी कमी का निदान उनके पास नहीं है अथवा किसी विद्यालय की विशेष उपलब्धि है, तो इनकी सूचनाएँ विकास खंड को प्रेषित करेंगे।

स. विकास खंड से प्राप्त हल या सूचनाओं को स्कूल तक पहुँचना है।

2. बी.ई.ओ., बी.आर.सी.–

अ. प्रत्येक संकुल से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर उपलब्धियों एवं कमियों को चिह्नांकित करेंगे। कमियों का विश्लेषण कर उसका उचित निदान करेंगे।

ब. किसी विद्यालय / संकुल की विशेष उपलब्धि है या कोई कमी है, जिनका निदान वे नहीं कर पाए हैं तो इन सूचनाओं को जिलों को प्रेषित करेंगे।

स. जिलों से प्राप्त सूचनाओं को संकुलों तक प्रेषित करेंगे।

द. स्कूलों में जाकर मॉनीटरिंग करेंगे।

3. डी.पी.सी., डी.ई.ओ. –

अ. विकास खंड से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर शाला की उपलब्धियों एवं कमियों को चिह्नांकित करेंगे।

ब. किसी विद्यालय / विकास खंड की विशेष उपलब्धि है या कोई कमी है जिसका निदान जिले में नहीं हो पा रहा है, उसे राज्य को प्रेषित करेंगे।

स. राज्य से प्राप्त सूचनाओं को विकास खंड को प्रेषित करेंगे।

द. स्कूल की मॉनीटरिंग करेंगे।

4. एस.सी.ई.आर.टी. –

अ. समस्त जिलों से प्राप्त सूचनाओं का विश्लेषण करेंगे। जिला– विकास खंड–संकुल–स्कूल की उपलब्धियों के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया जायेगा। साथ ही उनकी कमियों का

त्वरित निदान कर उन्हें भेजा जाएगा।

ब. राज्य में प्रसारित सभी सूचनाओं को जिलों में प्रसारित किया जाएगा।

स. सीधे ही स्कूलों की मॉनीटरिंग कर सकते हैं।

6. त्वरित निराकरण हेतु योजना

आवश्यक सूचना शीघ्र पहुँचाने एवं मॉनीटिरिंग हेतु कुछ टूल्स बनाए गए हैं–

1. **एजूसेट–** इसके माध्यम से राज्य सीधे ही शाला स्तर पर बातचीत करेंगे। शाला की सूचनाओं से संबंधित सीधे ही प्रश्नोत्तर करेंगे।
2. **राज्य में ऑन लाइन सेवा** उपलब्ध कराया जाने का प्रस्ताव है। जिसके माध्यम से शिक्षक द्वारा सीधे ही प्रश्न राज्य स्तर पर किया जायेगा। इस तरह प्रश्नों का संकलन कर सही निराकरण किया जायेगा।
3. **पत्रिका का प्रकाशन –** एम.जी.एम.एल. से संबंधित समस्त क्रियाकलापों उपलब्धियों, कमियों आदि का उल्लेख करने हेतु राज्य स्तर पर पत्रिका का प्रकाशन किया जाना प्रस्तावित है। जिसके माध्यम से अपनी बात एक दूसरे तक पहुँचाया जा सकेगा।
4. **नवाचार –** नवाचार के माध्यम से शिक्षक एम. की प्रणाली को और अधिक गुणवत्त युक्त बनाए जा सकते है।

— अध्याय–3 —
मॉनिटरिंग की रणनीति

1. मॉनीटरिंग कैसे करें–

अवलोकनकर्ता सर्व प्रथम एम.जी.एम.एल. प्रणाली को भलीभांति समझ लें। चूंकि यह प्रणाली नवीन है। अतः प्रारंभिक चरणों में प्रक्रिया की शुरूआत से संबंधित मॉनीटरिंग पर ध्यान देंगे। इसके अंतर्गत कक्षा सजावट से लेकर समूह निर्माण की प्रक्रिया पर बारीकि से ध्यान दिया जायेगा। जिसे कक्षा में अनिवार्यतः लागू करने के लिए सघन मॉनीटरिंग अनिवार्य है। अतः इस चेकलिस्ट के माध्यम से प्रथम तीन माह इन्हीं प्रक्रिया पर मॉनीटरिंग होगी जिसके कक्षा की सजावट से लेकर ग्रुप निर्माण की प्रक्रिया तक बारीकी से ध्यान देना होगा –

जैसे –

- बच्चे किसी लोगो के गतिविधि को अपने समूह में बैठकर स्वतंत्रता पूर्वक, खुशनुमा माहौल में कार्य करते हैं। बच्चे शिक्षक के साथ सहज प्रश्न कर पाता है। कार्ड स्वयं रख व निकाल पाता है आदि।
- कक्षा का नियमित (मासिक) मॉनीटरिंग चेकलिस्ट एम.जी.एम.एल. प्रक्रिया पर कक्षा में संचालित गति विधि का मॉनीटरिंग किया जाना है। इसके अंतर्गत बच्चे अपने स्तर अनुसार अपने सीखने की गति के अनुसार सीखते है। इसके लिए निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार मॉनीटरिंग होगा। इसमें मॉनीटरिंगकर्ता समूह में बैठे बच्चों का लोगो के अनुसार पूर्व की गतिविधि का आकंलन करेगा जिससे बच्चे की समझ, स्तर व गति व उपलब्धि के साथ–साथ कमियाँ भी चिन्हांकित होगा। विश्लेषण के आधार पर कमियों का शिक्षकों के साथ चर्चा व प्रदर्शन के साथ कक्षा में ही निदान करना होगा।
- मूल्यांकनकर्ता एम.जी.एम.एल. कक्ष में लगे मूल्यांकन पत्रक से 2 बच्चे शीघ्र सीखने वाले 2 सामान्य स्तर के तथा 2 बच्चे धीमे गति से सीखने वाले बच्चों का चयन करेंगे। उन बच्चों का अलग समूह बनाकर समस्त दक्षताओं को चेकलिस्ट के अनुसार मूल्यांकन लेंगे। मूल्यांकन करते समय जिस माइल स्टोन , लोगो में गतिविधि कर रहा है उसके पिछले माइल स्टोन, लोगो का मूल्यांकन किया जाएगा। मूल्यांकन सम्पन्न करने के पश्चात् विश्लेषण किया जाएगा। इसके आधार पर बच्चे व शाला पर टिप्पणी लिखी जाएगी तथा सूचना शालावार संकुल का, संकुलवार विकास खण्ड का विकासखण्ड वार जिले का जिले वार राज्यपर संकलन पश्चात् विश्लेषण होगा तथा विश्लेषण निष्कर्ष के आधार पर कार्य योजना तैयार किया जावेगा।

2. प्रपत्रों का विवरण

प्रपत्र –1 समान्य प्रक्रिया

। समान्य प्रक्रिया चेकलिस्ट B समान्य प्रक्रिया वश्लेषण पत्रक

प्रपत्र –2

A भाषा का चेकलिस्ट

B भाषा का विश्लेषण पत्रक

प्रपत्र – 3

A गणित का चेकलिस्ट

B गणित का विश्लेषण पत्रक

प्रपत्र –4

A अंग्रेजी का चेकलिस्ट

B अंग्रेजी का विश्लेषण पत्रक

प्रपत्र –5

A पर्यावरण का चेकलिस्ट

B पर्यावरण का विश्लेषण पत्रक

प्रपत्र –6

A त्रैमासिक मूल्यांकन कक्षा – 1ली सम्पूर्ण विषय

B. त्रैमासिक मूल्यांकन कक्षा – 2री सम्पूर्ण विषय

प्रपत्र–7

A अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन कक्षा – 1ली सम्पूर्ण विषय

B अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन कक्षा – 2री सम्पूर्ण विषय

प्रपत्र–8

A वार्षिक मूल्यांकन कक्षा – 1ली सम्पूर्ण विषय

B वार्षिक मूल्यांकन कक्षा – 2री सम्पूर्ण विषय

प्रपत्र–9

C.A.C. द्वारा संकलित जानकारी

प्रपत्र–10

विकास खंड द्वारा संकलित जानकारी

प्रपत्र–11

जिला द्वारा संकलित जानकारी

प्रपत्र–12

मूल्यांकन विश्लेषण पत्रक

3.चेकलिस्ट– (1से 5)

प्रपत्र 1 (A) सामान्य प्रक्रिया के लिए है।

प्रपत्र 2 (A) भाषा विषय के लिए है।

प्रपत्र 3 (A) गणित विषय के लिए है।
प्रपत्र 4 (A) अंग्रेजी विषय के लिए है।
प्रपत्र 5 (A) पर्यावरण के लिए है।

उपयोग विधि –

अ. सर्वप्रथम मॉनीटरिंग कक्ष में जाकर मित्रतापूर्ण वातावरण बनाएंगे। उसके बाद चेकलिस्ट में दी गई दक्षताओं के अनुसार प्रत्येक समूह का अवलोकन करेंगे। अवलोकन अनुसार ही चेकलिस्ट में अपना अभिमत प्रकट करेंगे।

3. इसे भरने का तरीका इस प्रकार होगा –
   - बिल्ली लोगो के अंतर्गत 6 बच्चे हैं। इनमें से 4 बच्चे कविता को हावभाव से सुना पा रहे हैं। तो आपका चिह्न ( ) हाँ में लगेगा।
   - यदि 6 में से 2 ही बच्चे कविता में आए रंगीन शब्दों को बता रहे हैं। तो आपका चिह्न ( ) नहीं में लगेगा।
   - इसके अलावा भी मॉनीटिरिंग अपने विवेक से चेकलिस्ट को भर सकते हैं।

4. मॉनीटरिंग कक्षा में जिस विषय पर कार्य हो रहा है उसी विषय का अवलोकन करेंगे। यह भी जरूरी नहीं है कि एक ही समय में चेकलिस्ट के पूरे कॉलमों को भरा जाए। मॉनीटिरिंग अपनी सुविधानुसार किंतु सही–सही अवलोकन प्रपत्र को भरेंगे।

सामान्य प्रक्रिया हेतु चेकलिस्ट

अवलोकनकर्ता का नाम ..... पद ..... दिनांक .....
शाला का नाम ..... संकुल ..... वि.खं. .....
कक्षा 1+2 की दर्ज संख्या बालक .....बालिका ..... कुल .....
..... उप. संख्या .....

क्र.	प्रक्रियाएँ	हाँ/नहीं
1.	कीट/कार्ड उपलब्ध हैं।	
2.	सभी कार्ड ट्रे में रखे हुए हैं।	
3.	रैक की व्यवस्था है।	
4.	तार की जाली लगी है।	
5.	चटाई/दरी की व्यवस्था है।	
6.	बच्चे समूह में बैठते हैं।	
7.	बच्चे की ऊँचाई वाले श्यामपट्ट का उपयोग हो रहा है।	
8.	ट्रे में कार्ड लोगोवार रखा है अथवा नहीं।	
9.	लेडर/समूह थाली/मूल्यांकन पत्रक बच्चों की पहुँच में है।	
10.	बच्चे लेडर देखकर कार्ड निकालते व रखते है।	
11.	बच्चे अपने ही समूह में बैठकर गतिविधि करते है।	
11.	मूल्यांकन पत्रक भरा जा रहा है।	
12.	बच्चे कार्ड के अनुरूप गतिविधि कर रहे हैं।	
13.	कार्ड में दिए गए निर्देशों को पढ़कर गतिविधि कर पा रहे हैं।	
14.	बच्चों द्वारा निर्मित सामग्री मिट्टी, कागज, चित्र, मॉडल प्रदर्शित की जा रही है।	

क्र.	प्रक्रियाएँ	हाँ / नहीं
15.	तार से निकाली गई सामग्री का उपयोग हो पा रहा है।	
16.	वाल पेपर का प्रकाशन हो रहा है।	
17.	शिक्षक अवधारणा एवं मूल्यांकन समूह के साथ–साथ अन्य सभी समूहों का मार्गदर्शन करते है।	
18.	माताओं द्वारा कहानी सुनाई जाती है। उसके द्वारा सुनाई गई कहानी को कक्ष में लगाना होता है।	
19.	गाँव के कामगार शाला में आ कर अपने व्यवसाय की जानकारी देते है।	
20.	SMC, PTA, MTA, VEC की बैठकों में MGML पर चर्चा होती है।	
21.	MGML एडेप्ट्स के अनुसार शिक्षक अपनी शाला का स्वमूल्यांकन करते हैं।	
	शिक्षक द्वारा कोई नवाचार किया गया है।	
22.	समुदाय की सोच सकारात्मक है।	
23.	शिक्षक व बच्चों की उपस्थिति नियमित है।	
	टीप :	

'अवलोकन प्रपत्र'

विषय– हिन्दी

कक्षा – (1से4)

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	?	
1.	बिल्ली	✡ बच्चे कविता को पढ़ने के पश्चात् कविता से संबंधित प्रश्नों का उत्तर दे पाते हैं। ✡ कविता में आए विशेष रंगों वाले शब्दों को पहचान पाते हैं। ❁ कविता एवं पहेली में आये शब्दों को पढ़कर भाव व्यक्त कर लेता है।				
2.	घोड़ा	✡ सुनी हुई कहानी को अपने शब्दों में बोल पाते हैं। ✡ कहानी में आए विशेष रंगों वाले शब्दों को पहचान पाते हैं। ❁ हिन्दी की विधा को समझ पाता है। जैसे – आत्मकथा, नाटक, जीवनी, संस्मरण,रचनावर्णन,पत्र लेखन,निबंध, व्याकरण आदि।				
3.	हिरण	✡ माइल स्टोन में आये वर्णों/मात्राओं से बने शब्द को पढ़ पाते हैं। ❁ घोड़ा, बिल्ली कार्ड में आये नये शब्द के अर्थ जान पाते हैं। ❁ नये शब्द के अर्थ जानने के लिए शब्द कोष का प्रयोग करता है।				
4.	शेर	✡ आदेश व निर्देश का पालन करते समय आदरसूचक शब्दों जैसे– आप, श्रीमान्, कृपया आदि शब्दों का मौखिक एवं लिखित रूप में प्रयोग कर पा रहे हैं। ❁ बच्चे सामान्य वाक्य एवं आदरसूचक वाक्य में अंतर को समझकर वाक्य में प्रयोग कर पा रहा है।				

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	?	
5.	गिलहरी	✡ पासा खेल के माध्यम से संबंधित माइल स्टोन के वर्णों एवं मात्राओं को पहचान पाते हैं। ❁ पासा में आये हुए वर्ण व मात्रा से संबंधित शब्द को पहचान पाते हैं।				
6.	बंदर	✡❁ दैनिक जीवन के क्रियाकलापों को अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत कर पा रहा हैं। वर्णन कर पाता है।				
7.	कुत्ता	✡ शब्द तथा वाक्य पट्टी को पढ़ एवं लिख सकता है। ❁ कार्ड में दिए गए व्याकरण को समझ पाता है। जैसे – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, प्रत्यय, उपसर्ग, क्रिया और वचन।				
8.	भेड़	✡❁ रेलगाड़ी कार्ड के माध्यम से चित्र से चित्र, चित्र से शब्द, शब्द से शब्द, वर्ण से वर्ण को पहचान सकता हैं।				
9.	बकरी	✡ वर्ग पहेली के माध्यम से वर्णों एवं मात्राओं को जोड़कर नए शब्द बना लेते हैं। ❁ शब्द अंताक्षरी खेल के माध्यम से शब्द भंडार में वृद्धि कर पा रहा है।				
10.	ऊँट	✡❁ कक्षा के बाहर के खेल को समझते हैं एवं भाग लेते हैं।				
11.	चूहा	✡ चित्रों और शब्दों के मध्य संबंध स्थापित करना व शब्द के प्रथम वर्ण को पहचानता है। ✡ शब्दों के वर्णों को अलग–अलग पहचानता है। ❁ हिन्दी के विधाओं का भाव एवं आरोह–अवरोह के साथ पठन कर पाता है।				

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	?	
12.	कछुआ	✡.खिड़की कार्ड का उपयोग करके वर्णों को मात्राओं के साथ पढ़ व लिख सकता हैं।				
13.	लोमड़ी	✡ परिवेशीय वस्तुओं पशु–पक्षियों आदि का चित्र स्क्रैप बुक में चिपकाकर संकलन कर रहा हैं। ❁ चित्र को देखकर उसके बारे में अपने शब्दों में वर्णन करता है।				
14.	हाथी	✡ पढ़े हुए वर्ण, शब्द एवं वाक्य को लिखना, ऊँगली फिराना, बिन्दु मिलाना या चित्र बना लेते हैं। ✡❁ भू–श्यामपट का उपयोग कर पाता है। ❁ पढ़े हुए गद्यांश का श्रुत लेखन कर लेता है।				
15.	बैलजोड़ी	✡ खाली स्थान भरना। ✡ किए हुए गतिविधियों से जोड़ी मिलाना। ❁ प्रश्नों के उत्तर, मौखिक एवं लिखित रूप से दे सकते हैं। ❁ गद्यांश को पढ़कर प्रश्नावाचक वाक्य बना लेता है। ❁ हिन्दी के साहित्यिक विधा को समझते हुए उनके अनुरूप लिख पता है।				
16.	पुस्तक पढ़ता बंदर	✡ रीडर्स की कहानी को अपने शब्दों में व्यक्त कर देता हैं। ✡ रीडर्स को पढ़ सकते हैं।				

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	?	
17.	गाय	✡ बच्चा अपना मूल्यांकन स्वयं कर पा रहा हैं। ✡☸ बच्चों द्वारा किए गए मूल्यांकन कार्य की जाँच शिक्षक द्वारा की जा रही है।				
18.	भालू	✡☸ मूल्यांकन कार्ड पूर्ण न कर सकने वाले बच्चों के लिए शिक्षक द्वारा उपचारात्मक गतिविधि अपनाई जा रही है। आवश्यकतानुरूप शिक्षक द्वारा उपराचारात्मक कार्ड निर्माण किया जाता है।				
19.	गैंडा	✡☸ बच्चे मध्य व अंतिम मूल्यांकन को पूर्णरूपेण कर पा रहे हैं। ✡☸ यदि नहीं तो शिक्षक द्वारा उपचारात्मक गतिविधियाँ करायी जाती है।				

निर्देश – ✡ का चिन्ह कक्षा 1 व 2 तथा ☸ का चिन्ह कक्षा 3 व 4 की गतिविधि के लिए है।

प्रधान पाठक के हस्ताक्षर
दिनांक .....

अवलोकन कर्ता का हस्ताक्षर
नाम .....
पद .....
संस्था / विभाग.....

विश्लेषण पत्रक

विषय – हिन्दी

क्र.	लोगो	उद्देश्य		निष्कर्ष	उपचार
			हाँ/नहीं	यदि हाँ तो उपलब्धि लिखें यदि नहीं तो कारण स्पष्ट करें।	
1.	बिल्ली	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	कविता का अर्थ बताते समय चित्रों एवं शब्दों पर यथोचित चर्चा/प्रश्नोत्तर नहीं किया गया	अवलोकन कर्ता स्वयं शिक्षक को कक्षा में चित्रों,शब्दों पर चर्चा करें व प्रश्नोत्तर बनाकर बताएँ।
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	विशेष रंगों वाले शब्दों के चित्र दिखाकर शब्दों पर विशेष जोर नहीं दिया गया है।	विशेष रंगों वाले शब्दों को चित्र दिखाते हुए पहचान कराएं।
		03	हाँ	.....	.....
			नहीं	कविता एवं पहेली में आए शब्दों के भाव स्पष्ट नहीं किया गया है।	शब्दों का भाव स्पष्ट बताई जावे।
2.	घोड़ा	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	बच्चों की सहभागिता के बिना कहानी सुनाई गई।	कहानी सुनाते समय बच्चों की सहभागिता का ध्यान रखते हुए, सहायक सामग्री जैसे– मुखौटा आदि का उपयोग करें तथा आवश्यकतानुसार क्षेत्रीय भाषा का भी प्रयोग करें। तथा बीच–बीच में प्रश्न करते रहें।
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	विशेष रंगों वाले शब्दों के चित्र दिखाकर शब्दों पर विशेष जोर नहीं दिया गया है।	चित्र दिखाकर रंगीन शब्दों पर जोर देते हुए पहचान कराया जाए।
		03	हाँ	.....	.....
			नही	आत्मकथा, नाटक, जीवनी, संस्मरण, निबंध, पत्र लेखन आदि हिन्दी की विधा की अवधारणा स्पष्ट नहीं की गई है।	गद्य पठन कराते समय उपरोक्त विधाओं की उचित जानकारी के साथ पर्याप्त अवसर प्रदान करें।

क्र.	लोगो	उद्देश्य	हाँ/नहीं	निष्कर्ष यदि हाँ तो उपलब्धि लिखें यदि नहीं तो कारण स्पष्ट करें।	उपचार
3.	हिरण	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	वर्णों एवं मात्राओं की समझ का अभाव।	वर्णों की समझ के लिए चूहा, कछुआ, भेड़ कार्ड का पर्याप्त अभ्यास करायें।
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	घोड़ा, बिल्ली कार्ड में आए नये शब्दों का अर्थ नहीं बताया गया है।	नये शब्द का अर्थ बताने के लिए समानार्थी शब्द का प्रयोग कराएँ।
		03	हाँ	.....	.....
			नहीं	नये शब्द का अर्थ जानने के लिए हिरण कार्ड के शब्दकोष प्रयोग नहीं करवाया गया है।	शब्दकोष में शब्द ढूँढ़ने का तरीका बताएँ।
4.	शेर	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	कुछ ही आदेश/निर्देशों तक सीमित हैं।	शेर कार्ड में दिए गए आदेश/निर्देश के अतिरिक्त बच्चों के स्तर के अनुरूप अन्य गतिविधि कराएं।
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	आदरसूचक वाक्य एवं सामान्य वाक्य का प्रयोग दैनिक जीवन में करके नहीं बताया है और सामान्य वाक्य एवं आदरसूचक वाक्य के क्रियाओं में होने वाले परिवर्तन को स्पष्ट नहीं किया गया है।	दैनिक जीवन में प्रयोग करके बताएँ एवं सामान्य वाक्य और आदरसूचक वाक्य के क्रिया में होने वाले परिवर्तन को स्पष्ट करें। जैसे – आओ–आइए। बैठो–बैठिए।
5.	गिलहरी	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	पासा में दिये गये निर्देशों का पूर्णरूपेण पालन नहीं किया गया है।	पासा में दिये गये निर्देशों का पूर्णरूपेण पालन करें। जैसे – पासा में आये वर्णों एवं शब्दों को बोलकर ही अपनी गोली को उस खाने में रखें।

क्र.	लोगो	उद्देश्य	हाँ/नहीं	निष्कर्ष यदि हाँ तो उपलब्धि लिखें यदि नहीं तो कारण स्पष्ट करें।	उपचार
6.	बंदर	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	अभिनय एवं वर्णन का अवसर नहीं मिल पाया।	कार्ड में दिए गए चित्र के संबंध में अभिनय/वर्णन करने के पूर्व वास्तविक परिस्थिति को देखने के लिए प्रेरित करें एवं उससे संबंधित अभिनय/वर्णन कराएँ।
7.	कुत्ता	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	1. शब्द तथा वाक्य पट्टी को व्यवस्थित नहीं किया गया है। 2. शब्द तथा वाक्य पट्टी को पढ़ने का तरीका नहीं बताया गया है।	1. शब्द तथा वाक्य पट्टी को व्यवस्थित करने का तरीका बताएँ। 2. शब्द तथा वाक्य पट्टी पढ़ने का तरीका बताएँ। तीन कार्डों से बने वाक्य पट्टी में 3 X 3 X 3.= 27 वाक्य बनते है और चार कार्डों से बने वाक्य पट्टी से 64 वाक्य बनते है। जिसका भरपूर अभ्यास कराएँ।
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	1. व्याकरण को दैनिक जीवन से जोड़कर अभ्यास नहीं कराया गया है।	1.दैनिक जीवन से जोड़कर पर्याप्त अभ्यास कराये जाने की आवश्यकता है। 2. बाल पुस्तकों या बच्चों के मन पसंद पुस्तकों में से संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि शब्द ढूँढ़ने का अभ्यास कराएँ। 3. घोड़ा कार्ड से अवधारणा कराते समय व्याकरण के पर्याप्त अभ्यास कराएँ।
8.	भेड़	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	आकृति मिलान संबंधी पर्याप्त अभ्यास नहीं किया गया है।	एक जैसी आकृतियों का मिलान करवायें एवं वस्तुओं, चित्रों, वर्णों, शब्दों के मध्य तुलना एवं अंतर करवायें।
9.	बकरी	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	वर्णों को मिलाकर नये शब्द ढूँढ़ना	आड़ा–खड़ा व तिरछा जोड़ जोड़कर पढ़ते जाये और सार्थक

क्र.	लोगो	उद्देश्य	हाँ / नहीं	निष्कर्ष यदि हाँ तो उपलब्धि लिखें यदि नहीं तो कारण स्पष्ट करें।	उपचार
				या बनाने का स्पष्ट निर्देश नहीं दिया गया है।	शब्द बनाते जायें
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	शब्द अंताक्षरी खेल खेलने के नियम नहीं बताए गए हैं।	शब्द अंताक्षरी खेल के नियम बताएँ। यदि बच्चे को किसी भी वर्ण से शब्द याद नहीं आ रहा है तो वह अपने साथियों से सहयोग लें या मनपसंद पुस्तक से शब्द खोजें।
10.	ऊँट	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	खेल के नियम बच्चों को स्पष्ट नहीं हैं।	कार्ड में लिखे नियमों को पुनः बताया जावे व खेल का अभ्यास कराएं।
11.	चूहा	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	1. कार्ड में दिए गए नाम के बजाय चित्र का स्थानीय नाम बोलता है। 2. शब्द के प्रथम ध्वनि पर ध्यान केन्द्रित नहीं किया गया है। 3. शब्द तोड़ने की प्रक्रिया से अवगत नहीं हैं।	1. कार्ड में दिए गए नाम से ही चित्र को संबोधित करें। 2. कोई भी नाम बोलते समय प्रथम ध्वनि पर ध्यान केन्द्रित कराएँ। 3. शब्द तोड़ने की प्रक्रिया करने के लिए कार्ड में दिए गए डिब्बों की संख्या पर ध्यान दें।
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	विराम चिन्हों एवं उसके उपयोग की जानकारी नहीं है।	लिखते एवं पढ़ते समय विराम चिन्हों का उचित उपयोग करके बताएँ।
12.	कछुआ	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	मात्रा(खिड़की) कार्ड में वर्ण कार्ड को जमाने का तरीका मालूम नहीं है।	खिड़की कार्ड पर वर्ण लगाकर स्पष्ट उच्चारण के साथ पढ़ावें। पॉकेट बोर्ड का उपयोग करें।
13.	लोमड़ी	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	स्पष्ट निर्देश नहीं दिया गया है।	स्क्रैप बुक का उपयोग शिक्षक स्वयं करके दिखाएँ एवं बच्चों को प्रेरित करें।

क्र.	लोगो	उद्देश्य	हाँ / नहीं	निष्कर्ष यदि हाँ तो उपलब्धि लिखें यदि नहीं तो कारण स्पष्ट करें।	उपचार
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	चित्र का वर्णन करने की विधि नहीं बताई गई है।	शिक्षक मौखिक एवं लिखित वर्णन करने की विधि बताएँ एवं बच्चों से अभ्यास कराएँ।
14.	हाथी	01	हाँ		
			नहीं	लेखन कौशल का पर्याप्त अभ्यास नहीं हुआ है।	रबर कार्ड, रेत, जमीन, हवा में ऊँगली फिराना व स्वतंत्र रूप से चित्र बनाने व भूमि स्तर श्यामपट्ट पर लेखन क्रिया का पर्याप्त अभ्यास कराएं।
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	भू–श्यामपट पर लेखन हेतु निर्देशित नहीं किया गया।	भू–श्यामपट पर कार्ड में दिये गये निर्देशानुसार पर्याप्त अभ्यास करने हेतु प्रेरित करें।
		03	हाँ	.....	.....
			नहीं	अभ्यास का अभाव है।	श्रुतिलेखन का पर्याप्त अभ्यास करायें।
15.	बैलजोड़ी	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	1. बच्चों को दक्षता से संबंधित अभ्यास नहीं कराया गया। 2. अभ्यास का पूर्ण अवसर प्रदान नहीं किया गया। 3. शिक्षक द्वारा बच्चे के अभ्यास कार्य पर ध्यान नहीं दिया गया।	बैलजोड़ी कार्ड अभ्यास कार्ड है, शिक्षक इस कार्ड के माध्यम से प्रत्येक गतिविधियों / प्रश्नों पर पर्याप्त अभ्यास करवायें।
16.	पुस्तक पढ़ता बंदर	01	हाँ नहीं	..... रीडर्स पढ़ने की विधि नहीं बताई गई है।	..... रीडर्स में शिक्षक के पन्ने की कहानी अवश्य बताएँ तथा अपने भाषा में पुनः दोहराने के लिये प्रेरित करें।
17.	गाय	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	संबंधित दक्षता प्राप्त नहीं कर पाया है।	उपचारात्मक गतिविधि करावें।
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	बच्चों के उत्तर पुस्तिका की जॉच शिक्षक द्वारा नहीं की जा रही है।	इस प्रक्रिया में प्रत्येक माइलस्टोन में मूल्यांकन है, जिसकी जाँच करना

क्र.	लोगो	उद्देश्य	हाँ / नहीं	निष्कर्ष यदि हाँ तो उपलब्धि लिखें यदि नहीं तो कारण स्पष्ट करें।	उपचार
					आवश्यक है।शिक्षक इसे प्राथमिकता प्रदान करें।
18.	भालू	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	शिक्षक सक्रिय नहीं है।	शिक्षक अपने कार्यक्षमता को बढ़ाये और नवाचारी बनकर शैक्षिक कार्य में पूर्ण सहभागिता दें।

विशेष : –

- सीखने–सीखाने में मुख्य कठिनाई के क्षेत्र :–
  1. .....
  2. .....
- उल्लेखित उपलब्धि (नवाचार) के क्षेत्र
  1. .....
  2. .....

प्रधान अध्यापक का
नाम एवं हस्ताक्षर

विश्लेषणकर्ता के हस्ताक्षर
नाम .....
पद .....
संस्था / विभाग .....

'अवलोकन प्रपत्र'

विषय– गणित कक्षा – (1से 4)

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	प्र.चिन्ह	
1.	मुर्गा	✡❁ शिक्षक द्वारा स्पष्ट की गई अवधारणा को बच्चे समझ पा रहे है।				
2.	कौआ	✡❁ क्या बच्चे कक्षा के बाहर विषय से संबंधित खेल को समूह में या अकेले खेल पा रहे हैं–				
3.	बतख	✡❁ क्या बच्चे कक्षा के अंदर का खेल जैसे– सांपसीढ़ी, रेलगाड़ी, रास्ता ढूंढों, पासे का खेल, खेल पा रहे हैं।				
4.	बगुला	✡❁ क्या बच्चे दो वस्तुओं की तुलना कर अंतर व समानता को समझ पा रहे हैं।				
5.	तोता	✡ क्या बच्चे जोड़ना से संबंधित सवाल हल कर पा रहे हैं। ❁ बच्चे हासिल का उपयोग करके जोड़ पाते हैं।				
6.	चील	✡ क्या बच्चे घटाना से संबंधित सवाल हल कर पा रहे हैं। ❁ बच्चे हासिल का उपयोग करके जोड़ पाते हैं।				
7.	उल्लू	✡ क्या बच्चा मापन से संबंधित प्रश्न हल कर पा रहे है। ❁ मानक इकाई से हल कर पा रहे है।				

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	प्र.चिन्ह	
8.	सारस	✡ क्या बच्चा ज्यामितीय आकृतियों को बना पाता है। ❁ क्या बच्चा ज्यामितीय आकृतियों का मापन (परिमाप) कर पाते हैं।				
9.	कठफोड़वा	✡ क्या बच्चा एक अंक का गुणा से संबंधित सवाल हल कर पा रहा हैं। ❁ बच्चे दो एवं तीन अंकों से हासिल युक्त गुणा कर पाते हैं। ❁ गुणा से संबंधिम इबारती प्रश्न हल कर पाते हैं।				
10.	बया	✡ क्या बच्चे एक अंक के भाग से संबंधित सवाल हल कर पा रहे हैं। ❁ बच्चे दो एवं तीन अंकों से संबंधित सवाल हल कर पाते हैं। ❁ बच्चे चार अंकीय संख्याओं को दो अंको की संख्या से भाग कर पाते हैं।				
11.	चमगादड़	✡❁ क्या बच्चे घटते व बढ़ते क्रम, पहले बीच व बाद की संख्या की पहचान कर पा रहे हैं। ✡ क्या बच्चे मुद्रा की पहचान कर पाते हैं।				
12.	उड़ती चिड़िया	❁ मुद्रा से संबंधित सवाल हल कर पा रहे है। ✡ क्या बच्चे समय, दिन, सप्ताह,माह, वर्ष को समझ पा रहे है।				
13.	गोरैया					

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	प्र.चिन्ह	
		❁ क्या बच्चे घड़ी के माध्यम से समय जान पाते हैं। ❁ क्या बच्चे समय, दिन, माह, सप्ताह से संबंधित सवाल हल कर पाते हैं।				
14.	मैना	✡❁ ~~क्या बच्चों में लेखन क्षमता का~~ विकास हो पा रहा है। ✡ क्या बच्चे संख्याओं को गिनना और				
15.	किंग फिशर	समूह बना पा रहे है। ❁ क्या बच्चे पहाड़ा बनाना, बोलना, लिखना सीख पा रहे हैं। ✡ क्या बच्चे दिए हुए रिक्त स्थान को				
16.	तीतर	समझकर हल कर पाते हैं।				
17.	कबूतर	✡❁ ~~क्या बच्चे अंकों की पहचान कर~~ बोल पा रहे है।				
18.	नीलकंठ	✡❁ क्या बच्चे सम, विषम व स्थानीयमान, बंडल, इकाई, दहाई, सैकड़ा को पहचान कर प्रश्न हल कर पा रहे हैं। ✡❁ क्या बच्चे अपना मूल्यांकन स्वयं कर				
19.	मोर	पा रहे है। ❁ क्या शिक्षक बच्चे द्वारा किये गये मूल्यांकन की जाँच करते है। ✡❁ क्या शिक्षक द्वारा आवश्यकतानुसार उपचारात्मक कार्य किया जाता है।				

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	प्र.चिन्ह	
20.	हंस	✡ ☸ बच्चे मध्य एवं अंतिम मूल्यांकन को पूर्ण कर पा रहे हैं।				
21.	गिद्ध	✡ ☸ यदि नहीं तो शिक्षक द्वारा उपचारात्मक गतिविधि करायी जाती है।				

निर्देश – ✡ का चिन्ह कक्षा 1 व 2 तथा ☸ का चिन्ह कक्षा 3 व 4 की गतिविधि के लिए है।

प्रधान पाठक का हस्ताक्षर
दिनांक .....

मॉनीटरिंगकर्ता का हस्ताक्षर
नाम .....
पद .....
संस्था / विभाग.....

'अवलोकन प्रपत्र'

विषय– अंग्रेजी कक्षा – (1+4)

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	?	
1.	रेडियो	✡ क्या बच्चे कविता को सुनकर सही उच्चारण कर पाते हैं। ✡ बच्चे कविता में आये कुछ शब्दों को जान पाते हैं। ☸ क्या बच्चे कविता के कुछ शब्दों को पढ़ पाते हैं। ☸ क्या बच्चे कविता को समझकर समझ पाते हैं।				
2.	हीटर	✡ चित्र देखकर शब्दों को पहचान पाते हैं। ✡ शब्दों के प्रथम वर्ण को पहचान कर वर्णों को बोल पाते हैं। ☸ फोनोटिक्स को देखकर शब्दों को पढ़ पाते हैं।				
3.	कैमरा	✡ क्रिया शब्द जैसे – Coming, out, play etc. को समझना। ☸ क्रिया शब्दों को पढ़कर समझ पाते हैं एवं क्रिया कर पाते हैं।				
4.	कम्प्यूटर	✡ संख्याओं को अंग्रेजी में बोल पाते हैं जैसे– One, two.... ☸ 100 तक की संख्याओं को अंग्रेजी में बोल पाते हैं।				

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	प्र.चिन्ह	
		❁ संख्याओं को पढ़ पाते है।				
5.	बल्ब	✡ बच्चे अपने परिचय दे पा रहे हैं। ❁ क्या बच्चे अपने परिवार व अन्य लोंगो का परिचय दे पा रहे हैं। ❁ बच्चे आपस में अंग्रेजी मे चर्चा कर पा रहे हैं।				
6.	टेलीविजन	✡ चित्र में दिए वस्तुओं के अंग्रेजी नाम को जान पाते हैं। ❁ क्या बच्चे दिए गए चित्र का अभिनय कर अंग्रेजी में वर्णन कर पाते हैं।				
,7.	मिक्सी	✡ Dice game में आए चित्रों/शब्दों को पहचान पाते हैं। ✡ लूडो के चित्र, शब्द से चार्ट में मिलान करके बोल पाते हैं। ❁ Dice game में आएशब्दों को पढ़ पाते हैं। नए शब्द बना पाते हैं।				
8.	टेलीफोन	✡ कार्ड में आए वाक्यों को समझ कर संवाद कर पाते हैं। ✡ वाक्यों के भावों के अनुरूप अभिनय कर पाते हैं। ❁ वार्तालाप को पढ़कर समझ पाते हैं।				
9.	फ्रीज	✡ A,B,C कार्ड में आए शब्दों पर रबर/कार्ड को जमाना।				

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति		विशेष	
			हाँ	नहीं	प्र.चिन्ह	
		❁ शब्दों को सही क्रम में जमाकर वाक्य बना पाते हैं।				
10.	कूलर	✡ सीखे हुए वर्णों को बच्चे लिख पा रहे है। ❁ बच्चे प्रश्नों के उत्तर एवं गद्यांश का श्रुतिलेखन कर सकते हैं। ❁ किसी व्यक्ति अथवा वस्तु के बारे में लिखित वर्णन कर सकते है।				
11.	मोबाईल	✡ खेल गतिविधि के माध्यम से yes/no, colour etc. जान पाते हैं। ❁ वर्णों एवं शब्दों को बिल्लस के माध्यम से समझ पाते हैं।				
12.	ट्यूबलाईट	✡ बच्चे चित्र में रंग भरते समय चित्र का अंग्रेजी नाम जानते है। ❁ बच्चे चित्र बनाकर नाम अंग्रेजी में लिख पाते है।				
13.	टेबल लैम्प	✡ बच्चों स्वयं का मूल्यांकन कर पाते हैं। ✡❁ शिक्षक बच्चे द्वारा किये गये कार्यों की जाँच करते है।				
14.	माइक	✡ वर्णों से संबंधित मूल्यांकन कर पाते हैं। ❁ शब्दों से संबंधित मूल्यांकन कर पाते हैं।				
15.	रोबोट	✡ बच्चे रीडर्स को समझकर पढ़ सकता है।				

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	प्र.चिन्ह	
16.	फेन	✡ ☸ बच्चे चित्र बनाते समय, चित्र बनाने के पूर्व एवं बनाने के बाद स्वयं अपने कार्यों के बारे में बात कर पाते है।				
17.	एंटीना	✡ ☸ मूल्यांकन कार्ड नहीं कर पाने वाले बच्चों के लिए शिक्षक द्वारा उपयुक्त गतिविधि करायी जा रही है।				
18.	आयरन	✡ ☸ क्या बच्चे अंतिम व मध्य मूल्यांकन कर पा रहे हैं।				

निर्देश – ✡ का चिन्ह कक्षा 1 व 2 तथा ☸ का चिन्ह कक्षा 3 व 4 की गतिविधि के लिए है।

प्रधान पाठक का हस्ताक्षर
दिनांक .....

अवलोकनकर्ता का हस्ताक्षर
नाम .....
पद .....
संस्था / विभाग.....

'अवलोकन प्रपत्र'

विषय– पर्यावरण कक्षा – (1+4)

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	प्र.चिन्ह	
1.	आम	✡ बच्चे सर्वेक्षण हेतु परिवेश में ग्रुप अनुसार स्वयं जाकर जानकारी एकत्र करते हैं। ❁ क्या बच्चे सर्वेक्षण प्रपत्र बनाकर भर पा रहे हैं।				
2.	नारियल	✡ कविता/कहानी में बच्चे मुखौटा का उपयोग करते हैं। ❁ माइलस्टोन के अनुरुप दक्षता बच्चों में विकसित हो पा रही है। ❁ बच्चे कविता/कहानी को सुनकर प्रश्नों का उत्तर देते हैं।				
3.	केला	✡ बच्चे चित्रों को देखकर चर्चा में भाग लेते हैं। ❁ बच्चे प्रश्नों का उत्तर दे पा रहे हैं। ❁ संकलित सामग्री का उपयोग बच्चों द्वारा चर्चा के दौरान किया जाता है।				
4.	सेब	✡ बच्चे कक्षा में खेल गतिविधि कर पा रहे है। ✡ सभी बच्चों को खेलने का अवसर मिलता है। ❁ क्या बच्चों में खेल के माध्यम से अपेक्षित दक्षताएँ अर्जित हो रही है।				

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	प्र.चिन्ह	
5.	अनार	✡ क्या बच्चे संकलित वस्तुओं का वर्गीकरण कर पाते हैं। ✡ बच्चों में वस्तुओं की विशेषताओं के आधार पर वर्गीकरण करने की समझ है। ❁ बच्चे संकलित वस्तुओं को सुरक्षित रख पा रहे हैं।				
6.	अनानास	✡ बच्चे प्राकृतिक रंगों के अनुरूप चित्रों में रंग भर पा रहे हैं। ✡ बच्चों में कुछ हस्तकलाओं का विकास हुआ है। ❁ क्या बच्चे द्वारा बनाये गये हस्त कलाओं को सुरक्षित रखा गया है?				
7.	अंगूर	✡ बच्चे दो वस्तुओं में तुलना कर पाते है। ✡ क्या बच्चे संबंधित माइलस्टोन के अभ्यास कर पा रहे हैं ?				
8.	सीताफल	✡ क्या बच्चे रुचिपूर्णक अभिनय कर पा रहे है। ❁ बच्चे माइलस्टोन संबंधित वस्तुओं का वर्णन कर पा रहे हैं।				
9.	पपीता	✡ क्या बच्चे उत्साहपूर्वक प्रायोगिक कार्य कर पा रहे हैं। ✡ क्या दीर्घकालिक प्रायोगिक कार्य में				

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	प्र.चिन्ह	
		सहभागी होते है। ❁ क्या बच्चे प्रायोगिक कार्य करके निष्कर्ष निकाल पाते हैं।				
10.	इमली	✡ ❁ क्या बच्चा अपना मूल्यांकन स्वयं कर पाते हैं। ✡ ❁ क्या शिक्षक बच्चों के कार्य का जाँच करते हैं।				
11.	अमरूद	✡ ❁ खेल गतिविधि हेतु उचित व्यवस्था हैं। ✡ ❁ सभी बच्चों को खेल के अवसर मिलते हैं। ✡ ❁ क्या बच्चे खेल के माध्यम से सीख पा रहे हैं।				
12.	आँवला	✡ ❁ क्या शिक्षक द्वारा मध्य एवं अंतिम मूल्यांकन हेतु कार्ड बनाकर मूल्यांकन किया जा रहा है।				

टीप : पर्यावरण का अवलोकन पत्रक माइल स्टोनवार पृथक–पृथक बनेगा।

निर्देश – ✡ का चिन्ह कक्षा 1 व 2 तथा ❁ का चिन्ह कक्षा 3 व 4 की गतिविधि के लिए है।

प्रधान पाठक का हस्ताक्षर
दिनांक .....

अवलोकनकर्ता का हस्ताक्षर
नाम .....
पद .....
संस्था / विभाग.....

विषय – हिन्दी

कक्षा–1

मूल्यांकन – प्रथम तिमाही (माइल स्टोन– 1,2,3)

वर्ण : (र, क, ल, ह, आ, ा, न, ज, स, त, ए, े, म, प, ग, य, इ, ई, ि, ी)

समय – अक्टूबर प्रथम सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	सरल परिचित कविता / कहानी को सुनकर समझता है एवं हाँ / नहीं वाले प्रश्नों के उत्तर देता है।	बिल्ली / घोड़ा		
2.	कविता को सुनकर दोहराता है।	बिल्ली		
3.	पहचाने हुए वर्ण से बने शब्दों को पढ़ता है।	हिरण		
4.	पहचाने हुए शब्दों से बने सरल वाक्य को पढ़ता है।	कुत्ता		
5.	पहचाने हुए परिवेशीय चित्रों के शब्दों को पढ़ता है।	लोमड़ी		
7.	पढ़े हुए वर्णों एवं मात्राओं को पहचानता है।	कछुआ		
8.	पढ़े हुए अक्षर पर ऊँगली चलाता है।	हाथी		
9.	शब्दावली नियंत्रण। (लगभग– 200 शब्द)	पुस्तक पढ़ता बंदर		

विषय – हिन्दी

कक्षा–1

मूल्यांकन – द्वितीय तिमाही (माइल स्टोन– 4,5,6)

वर्ण : (द, च, ब, ख, अ, ऐ, ै, भ, ट, ध, व, उ, ऊ, ु, ू थ, ठ, फ, झ, छ, ओ, औ, ो, ौ मात्रा)

समय – जनवरी द्वितीय सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	प्रचलित कविता / कहानी को सुनकर हाव–भाव के साथ सुनाता है।	बिल्ली / घोड़ा		
2.	कब, क्यों, कहाँ के प्रश्नों के उत्तर देता है।	घोड़ा		
3.	पहचाने हुए वर्णों व मात्राओं को जोड़कर नये शब्द बनाता है।	हिरण		
4.	पहचाने हुए शब्दों से बने सरल वाक्य को पढ़ता है।	कुत्ता		
5.	स्वतंत्र चित्र बनाता है।	हाथी		
6.	सरल व छोटे वाक्यों का प्रयोग करता है।	बैलजोड़ी		
7.	शब्दावली नियंत्रण।(लगभग–500 शब्द)	पु. प. बंदर		

विषय – हिन्दी

कक्षा–1

मूल्यांकन – तृतीय तिमाही (माइल स्टोन– 7,8,9,10)

वर्ण : (ध, ड, ढ, ण, श, अं, ँ, त्र, ज्ञ, ड़, अः, :, ष, ऋ, श्र, ढ़)

समय – अप्रैल प्रथम सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	कविता / कहानी को सुनकर अपने शब्दों में व्यक्त करता है।	बिल्ली / घोड़ा		
2.	कब, क्यों, कहाँ, कौन का प्रयोग करते हुए प्रश्न पूछता है।	घोड़ा		
3.	अपने से बड़े के लिए आदर सूचक शब्दों का प्रयोग करता है।	शेर		
4.	पढ़े हुए शब्दों से बने सरल वाक्यों को पढ़ता है।	कुत्ता		
5.	पहचाने हुंए वर्णों व मात्राओं को भिन्न परिस्थितियों में पढ़ता है।	कछुआ		
6.	दिए गए चित्रों के बारे में अपने शब्दों में वर्णन करता है।	लोमड़ी / बंदर		
7.	छपे हुए छोटे व सरल अंशों को पढ़ता है।	पु.पढ़ता बंदर		
8.	पढ़ चुके वर्णों या शब्दों को सुनकर लिख लेता है।	हाथी		
9.	पढ़े हुए अक्षरों से नये शब्द बनाना व शब्द भण्डार अर्जित करना।	पु.पढ़ता बंदर		

विषय – हिन्दी

कक्षा–2

मूल्यांकन – प्रथम तिमाही (माइल स्टोन– 11,12,13,14)

समय – अक्टूबर प्रथम सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	कविता / कहानी को सुनकर समझता है एवं अपने शब्दों में प्रश्नों के उत्तर देता है।	बिल्ली / घोड़ा		
2.	कविता / कहानी को पढ़ लेता है।	बिल्ली / घोड़ा		
3.	स्वजातीय व विजातीय अर्द्धाक्षर को पहचानकर लिखता है।	हाथी		
4.	कहानी / कविता में आए कठिन शब्दों के अर्थ को जानता है।	हिरण		
5.	कविता / कहानी में आए पात्रों का सरल रोचक अभिनय करता है।	बंदर		
6.	देखी / सुनी / लिखी हुई संक्षिप्त घटनाक्रम को क्रमिक ढंग से पुनः स्मरण कर अभिव्यक्त करता है।	बंदर		
7.	' ् ' को शब्दों के साथ उपयोग कर पढ़ता है।	कछुआ		

विषय – हिन्दी

कक्षा–2

मूल्यांकन – द्वितीय तिमाही (माइल स्टोन– 15,16,17)

समय – जनवरी द्वितीय सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	कविता / कहानी / वार्तालाप को सुनकर व्यक्त करता है एवं प्रश्नों के उत्तर देता है।	बिल्ली / घोड़ा		
2.	कविता / कहानी / वार्तालाप को पढ़ पाता है।	बिल्ली / घोड़ा		
3.	परिचित परिस्थितियों या सुने हुए घटनाक्रम को समझकर क्यों, कैसे शब्दों का प्रयोग करते हुए प्रश्न पूछ पाता है।	बैलजोड़ी		
5.	सरल वाक्यों का श्रुति लेखन करता है।	हाथी		
7.	सरल आदेश निर्देश का पालन करता है।	शेर		
8.	अर्द्धाक्षर से बने शब्दों एवं वाक्यों को पढ़ सकता है।	हिरण		
9.	परिवेशीय चित्रों का संकलन करके नाम बताता है।	लोमड़ी		

विषय – हिन्दी

कक्षा–2 **मूल्यांकन – तृतीय तिमाही (माइल स्टोन– 18,19,20,21)**

समय – अप्रैल प्रथम सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	कविता / कहानी को अपने शब्दों में व्यक्त करता है।	बिल्ली / घोड़ा		
2.	चित्र कार्ड को देखकर अपना विचार व्यक्त करता है।	बंदर / लोमड़ी		
3.	समान अंतिम ध्वनि वाले शब्द बना पाता है।	कुत्ता		
4.	'स', 'श' एवं 'ष' की ध्वनियों के अंतर को समझकर शुद्ध उच्चारण करता है।	ऊँट		
5.	निर्देशानुसार सरल वाक्यों में लिखकर वर्णन करता है।	हाथी		
6.	अनुरोधपूर्वक अपनी बात किसी को कह सकता है। जैसे– आइए, बैठिए, चलिए आदि।	शेर		
7.	शब्दों को मिलाकर वाक्य बना सकना। (रेलगाड़ी कार्ड के माध्यम से)	भेड़		

विषय – हिन्दी

कक्षा–3

मूल्यांकन – प्रथम तिमाही (माइल स्टोन– 22,23,24,25,26,27)

समय – अक्टूबर प्रथम सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	सुने हुए कविता / कहानी / वार्तालाप / आत्मकथा / संवाद को हाव–भाव के साथ बोल पाता है।	बिल्ली / घोड़ा		
2.	श, ष, ं, ः, ँ, ़, ं, संयुक्ताक्षर द्य, द्ध, क्ष, त्र, छ, झ, ऋ, श्र, ड, ड़, ढ, ढ़ वाले अक्षर व शब्दों को शुद्ध उच्चारण के साथ बोल पाता है।	बिल्ली / घोड़ा		
3.	शब्दकोष से प्राप्त समानार्थी शब्द का वाक्यों में प्रयोग कर पाता है।	चूहा / हिरण		
4.	पढ़े गये कार्डों में से कहानी / वार्तालाप / संवाद / आत्मकथा को पहचान पाता है।	चूहा		
5.	सामान्य, आदर सूचक एवं आदेश वाक्य में अंतर को समझ पाता है।	शेर		
6.	कारक – ने, को, में, पर, के ऊपर, से, के लिए, का, के, की का प्रयोग कर पाता है।	कुत्ता		
7.	चित्र देखकर स्वतंत्र रूप से अपना विचार लिखित में व्यक्त करता है।	बन्दर / लोमड़ी		
8.	व्यक्ति, स्थान, वस्तु आदि के नामों को पहचानकर अलग अलग करता है।	कुत्ता		
9.	कविता / कहानी / वार्तालाप / आत्मकथा / संवाद आदि कां श्रुतिलेखन कर पाता है।	हाथी		
10.	कविता / कहानी / वार्तालाप / आत्मकथा / संवाद से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दे पाना एवं प्रश्न बना पाता है।	बैलजोड़ी		

विषय – हिन्दी

कक्षा–3

मूल्यांकन – द्वितीय तिमाही (माइल स्टोन– 28,29,30,31,32,33)

समय – जनवरी द्वितीय सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	परिचित / अपरिचित कविता / कहानी / यात्रावृतांत / महापुरूषों की जीवनी / चित्रकथा को सुनकर समझकर अपने शब्दों में व्यक्त कर पाता है।	बिल्ली / घोड़ा		
2.	कविता / कहानी / यात्रावृतांत / महापुरूषों की जीवनी / चित्रकथा आदि का श्रुतिलेखन कर पाता है।	हाथी		
3.	अपने परिवार के पूर्वजों का जीवनी लेखन कर पाता है।	हाथी		
4.	शब्दकोष से प्राप्त समानार्थी शब्द का वाक्यों में प्रयोग कर पाता है।	चूहा / हिरण		
5.	कविता / कहानी / यात्रावृतांत / महापुरूषों की जीवनी / चित्रकथा को पहचान पाता है।	चूहा		
6.	कविता / कहानी / यात्रावृतांत / महापुरूषों की जीवनी / चित्रकथा से संबंधित प्रश्नों का उत्तर दे पाना।	बैलजोड़ी		
7.	शब्द खेल – विरूद्धार्थी शब्द, लिंग, वचन, अंतिम ध्वनि से संबंधित अंताक्षरी से संबंधित एवं वाक्य में प्रयोग खेल पाना	हाथी		
8.	गद्यांश में से ऐसे शब्दों को छाँट पाना जो किसी नाम के स्थान पर प्रयोग हुआ हो।	कुत्ता		
9.	चित्र देखकर स्वतंत्र रूप से अपना विचार लिखित में व्यक्त करता है।	बंदर / लोमड़ी		

विषय – हिन्दी

कक्षा–3

मूल्यांकन – तृतीय तिमाही (माइल स्टोन– 34,35,36,37,38,39)

समय – अप्रैल प्रथम सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	परिचित एवं अपरिचित परिस्थिति में लिखे कविता , कहानी, पत्र, डायरी लेखन, निबंध, पहेलियाँ आदि को सुनकर समझता है एवं बोलकर व्यक्त करता है।	बिल्ली / घोड़ा		
2.	शब्द कोष से प्राप्त समानार्थी शब्द का वाक्यों में प्रयोग करना।	हिरण		
3.	पढ़े हुए कविता, कहानी, पत्र, डायरी लेखन, निबंध में से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दे पाता है एवं प्रश्न बना लेता है।	बैलजोड़ी		
4.	विभिन्न प्रकार के पत्र, पहेलियाँ, बाल पत्रिकाएँ का संकलन करता है।	लोमड़ी		
5.	सामान्य वाक्य, आदर सूचक, आदेशात्मक वाक्य में अंतर समझ पाता है।	शेर		
6.	कविता / कहानी / यात्रावृत्तांत / महापुरूषों की जीवनी / चित्रकथा के अनुच्छेद का श्रुतिलेखन करता है।	हाथी		
7.	चित्र देखकर स्वतंत्र रूप से अपना विचार लिखित में व्यक्त करता है।	लोमड़ी / बंदर		
9.	दिये गये वाक्यांश के बदले एक शब्द बना पाता है।	कुत्ता		
10.	शाब्दिक पहेली से सार्थक शब्द लिख लेता है।	बकरी		

विषय – हिन्दी

कक्षा–4

मूल्यांकन – प्रथम तिमाही (माइल स्टोन– 40,41,42,43,44,45)

समय – अक्टूबर प्रथम सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	कविता , कहानी, नाटक, वर्णन, यात्रावृतांत, वार्तालाप को पढ़कर समझता एवं हावभाव साथ ही अभिव्यक्त करता है।	बिल्ली / घोड़ा		
2.	उपरोक्त विधाओं से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दे पाता है तथा नये प्रश्न बना पाता है।	बैलजोड़ी		
3.	निर्देशानुसार स्वतंत्र चित्रों का वर्णन, यात्रा वर्णन कर पाता है।	बंदर / लोमड़ी		
4.	संबंधित विधाओं पर आये शब्दों का समानार्थी शब्द बताता है	हिरण		
5.	प्रश्न वाचक, सकारात्मक, नकारात्मक वाक्य के प्रकारों को समझता है।	शेर		
6.	वाक्य में वर्तमानकाल, भूतकाल, भविष्यकाल आदि को पहचानकर प्रयोग कर पाता है।	कुत्ता		
7.	विराम चिन्हों का प्रयोग कर निर्देशानुसार श्रुति लेखन करता है।	हाथी		
8.	वार्तालाप की शैली में अपने दैनिक जीवन में घटित घटना के अंश लिख कर प्रस्तुत कर पाता है।	हाथी		
9.	अपने द्वारा किये गये यात्रा का वर्णन लिखकर व्यक्त करता है।	हाथी		

विषय – हिन्दी

कक्षा–4 **मूल्यांकन – द्वितीय तिमाही (माइल स्टोन– 46,47,48,49,50,51)**

समय – जनवरी द्वितीय सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	पहेलियाँ, आत्मकथा, चित्रकथा, अनमोल वचन, संस्मरण एवं जीवनी पढ़कर समझता है एवं अपने शब्दों में व्यक्त करता है।	बिल्ली / घोड़ा		
2.	उपरोक्त विधाओं पर क्योंकि, चूँकि का प्रयोग मौखिक एवं लिखित में प्रश्नों का उत्तर दे पाता है।	बैलजोड़ी		
3.	उपरोक्त विधाओं में आये कठिन शब्दों का अर्थ शब्दकोष से ढूँढ़कर जान पाता है।	हिरण / शब्दकोष		
4.	उपसर्ग, प्रत्यय, योजक चिन्ह का प्रयोग करता है।	कुत्ता		
5.	वाक्य में आये संज्ञा शब्दों को पहचानता है।	कुत्ता		
6.	स्वयं / अपने परिवार के किसी एक सदस्य का जीवनी लेखन करता है।	हाथी		
7.	अपने द्वारा संकलित चित्रों के बारे में वर्णन करता है।	लोमड़ी		

विषय – हिन्दी

कक्षा–4

मूल्यांकन – तृतीय तिमाही (माइल स्टोन– 52,53,54,55,56,57)

समय – अप्रैल प्रथम सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	लघुकथा, निबंध, प्रेरक प्रसंग, पत्र लेखन, डायरी लेखन, प्रतिवेदन को सुनकर समझता है। शब्दों को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ व बोल पाता है।	घोड़ा		
2.	उपरोक्त लेखों में आये शब्दों का भावार्थ जानता है।	बैलजोड़ी		
3.	संबंधित लेखों के वाक्यों में विराम चिन्हों का प्रयोग करता है एवं श्रुतिलेखन कर पाता है।	हाथी		
4.	संबंधित विधा में आये मौखिक एवं लिखित प्रश्नों के उत्तर दे पाता है एवं नये प्रश्नों का निर्माण करता है।	बैलजोड़ी		
5.	वाक्य में आये सर्वनाम एवं विशेषण शब्दों को पहचानता है।	कुत्ता		
6.	निबंध एवं पत्र लेखन करता है।	हाथी		
7.	पुनरूक्त शब्द लिखना।(जैसे – घर–घर, पल–पल, कभी–कभी, छुक–छुक)	कुत्ता		

विषय – गणित

कक्षा–1

मूल्यांकन – प्रथम तिमाही (माइल स्टोन– 1,2,3,4,5)

समय – अक्टूबर प्रथम सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	1 से 9 तक की संख्याओं का गणन अभ्यास।	किंगफिशर		
2.	1 से 9 तक की संख्याओं का उल्टे व सीधे क्रम में बोल पाना।	चमगादड		
3.	1 से 9 तक की संख्याओं को ठोस वस्तु से मिलान करना।	बगुला		
4.	1 से 9 तक की संख्याओं का पठन, लेखन एवं श्रुतिलेखन।	मैना		
5.	घटाने की क्रिया के माध्यम से 0 को कुछ नहीं के रूप में जानना।	चील		
6.	जोड़ने का अभ्यास जिनका योगफल 9 तक हो।	तोता		
7.	अमानक इकाई द्वारा लम्बाई का मापन।	उल्लू		
8.	9 + 1 = 10 (दहाई) के रूप में परिचय।	नीलकंठ		

विषय – गणित

कक्षा–1

मूल्यांकन – द्वितीय तिमाही (माइल स्टोन– 6,7,8,9,10)

समय – जनवरी द्वितीय सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
	1. 1 से 50 तक की संख्याओं को 10–10 के बंडल एवं खुली तिलियों के माध्यम से गिनना।	किंगफिशर		
	2. 1 से 50 तक की संख्याओं का गणन, पठन, लेखन अभ्यास।	मैना		
	3. 1 से 50 तक की संख्याओं को घटते–बढ़ते क्रम में लिखना।	चमगादड		
	4. बिना हासिल का जोड़ (योगफल 50 से अधिक न हो)	तोता		
	5. 1 से 50 तक की संख्याओं को घटाना बिना हासिल का	चील		
	6. अमानक इकाई (लाठी, बालिश्त, गिलास, कप आदि) द्वारा लंबाई एवं धारिता मापन अनुमान सहित / अनुमान रहित।	उल्लू		
	7. सप्ताह के दिनों का नाम जानना।	गौरेया		
	8. इकाई, दहाई की पहचान।			
	9. ज्यामितीय आकृतियाँ वृत्त व त्रिभुज की पहचान।	सारस		

विषय – गणित

कक्षा–1

मूल्यांकन – तृतीय तिमाही (माइल स्टोन–11,12,13,14)

समय – अप्रैल प्रथम सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
	1. 1 से 100 तक की संख्याओं को पढ़ना व लिखना।	मैना		
	2. 1 से 100 तक की संख्याओं का घटते / बढ़ते क्रम में जानना।	चमगादड़		
	3. दो अंकों तक की संख्याओं को जोड़ना। (बिना हासिल)	तोता		
	4. दो अंकों तक की संख्याओं का घटाना। (बिना हासिल)	चील		
	5. 1 से 99 तक की संख्याओं का स्थानीय मान।	नीलकंठ		
	6. वजन (अनुमान लगाना) हल्का–भारी (अमानक वस्तुओं से)	उल्लू		
	7. ज्यामितीय आकृतियाँ पुस्तक, कमरा, दरवाजा, खिड़की से परिचय	सारस		

विषय – गणित

कक्षा–2

मूल्यांकन – प्रथम तिमाही (माइल स्टोन–15,16,17,18)

समय – अक्टूबर प्रथम सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	1 से 100 तक की संख्याओं को बढ़ते व घटते क्रम में पढ़ना व लिखना।	चमगादड़		
2.	1 से 99 तक की संख्याओं के स्थानीयमान को जानना।	नीलकंठ		
3.	1 से 50 तक की अंकों को शब्दों तथा अंकों में लिखना।	मैना		
4.	1 से 99 तक की संख्याओं का योगफल ज्ञात करना।	तोता		
5.	1 से 100 तक की संख्याओं को घटाना।	चील		
6.	अमानक इकाई से लंबाई, छोटी–बड़ी की तुलना करना।	उल्लू		

विषय – गणित

कक्षा–2

मूल्यांकन – द्वितीय तिमाही (माइल स्टोन–19,20,21,22,23)

समय – जनवरी द्वितीय सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	1 से 70 तक की संख्याओं को सम, विषम के रूप पहचानना।	चमगादड़		
2.	हासिल वाले जोड़ का अभ्यास।	तोता		
3.	जोड़ विधि से 5 तक की पहाड़े का निर्माण।	गौरेया		
4.	समय का ज्ञान, सप्ताह के दिनों व माह के नाम को जानना।	सारस		
5.	1 से 100 तक की नोटों से परिचय।	उड़ती		
6.	इबारती प्रश्न हल कर पाना।	चिड़िया		
		बगुला		

विषय – गणित

कक्षा–2

मूल्यांकन – तृतीय तिमाही (माइल स्टोन–24,25,26,27)

समय – अप्रैल प्रथम सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	भाग की क्रिया जो केवल एक ही बार में भाग चला जाए।	बया		
2.	2 से 10 तक की पहाड़े का निर्माण।	किंगफिशर		
3.	पहाड़े की सहायता से सरल गुणा (2 से 10 तक)	कठफोड़वा		
4.	1 से 100 तक के नोट को पहचान कर उपयोग कर पाना।	उड़ती चिड़िया		
5.	ज्यामितीय आकृति (आयत,वर्ग,त्रिभुज,वृत्त) को पहचानना।	सारस		
6.	विभिन्न वजन वाले वस्तुओं को अमानक रूप से वजन कर पाना, तौलकर तुलना (कम–ज्यादा) कर पाना।	उल्लू		
7.	1 से 100 तक की संख्या को अंकों में व शब्दों में लिखना।	मैना		
8.	1 से 100 तक की संख्याओं में घटते–बढ़ते क्रम में जमा पाना।	चमगादड़		

विषय – गणित

कक्षा–3

मूल्यांकन – प्रथम तिमाही (माइल स्टोन–28,29,30,31,32,33)

समय – अक्टूबर प्रथम सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	1 से 500 तक की संख्या को पहचान पाता है। (गिनना, पढ़ना, लिखना)	चमगादड़		
2.	क्रमसूचक शब्दों को जान पाता है।	चमगादड़ तोता		
3.	इबारती प्रश्नों में जोड़ की संक्रियाएँ कर पाता है।			
4.	इबारती प्रश्नों के माध्यम से घटाने की संक्रियाएँ कर पाता है।	चील		
5.	ज्यामितीय आकृतियों को पहचान पाता है।	सारस		
6.	घड़ी देखकर समय बता पाता है।	गौरेया		
7.	2 से 10 तक पहाड़ा को जानता है एवं 11 से 15 तक पहाड़ा निर्माण कर पाता है।	किंगफिशर		
8.	500 अंक तक की संख्या को 1 अंक की संख्या से भाग दे पाता है।	बया		

विषय – गणित

कक्षा–3

मूल्यांकन – द्वितीय तिमाही (माइल स्टोन–34,35,36,37,38,39)

समय – जनवरी द्वितीय सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	1 से 1000 तक की संख्याओं को गिनना, पढ़ना, लिखना जानता है।	चमगादड़		
2.	2 अंको की संख्याओं का 1 अंक की संख्या से हासिल के साथ गुणा कर पाता है।	कठफोड़वा		
3.	घटाना से संबंधित इबारती प्रश्नों को हल कर पाता है।	चील		
4.	जोड़ना से संबंधित इबारती प्रश्नों को हल कर पाता है।	तोता		
5.	2 अंको की संख्या का 1 अंक की संख्या से भाग कर पाता है। (शेष रहित)	बया		
6.	मापन की इकाई को जानता है।	उल्लू		
7.	आयताकार, वर्गाकार, त्रिभुज, वृत्त आदि आकृतियों को पहचानता है।	सारस		
8.	विभिन्न मुद्राओं की मानक नोटों को पहचानता है।	उड़ती चिड़िया		

विषय – गणित

कक्षा–3

मूल्यांकन – तृतीय तिमाही (माइल स्टोन–40,41,42,43,45)

समय – अप्रैल प्रथम सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	ग्राम, किलोग्राम संबंधित सरल प्रश्नों को जोड़कर हल कर पाता है।	तोता		
2.	1000 तक की संख्याओं को हासिल के साथ घटाना जानता है।	चील		
3.	भिन्न में अंश और हर को पहचानता है।	किंगफिशर		
4.	मीटर को सेन्टीमीटर और सेन्टीमीटर को मीटर में बदल लेता है।	उल्लू		
5.	3 अंको वाली संख्या को 1 अंक वाली संख्या से गुणा कर पाता है।	कठफोड़वा		
6.	3 अंको वाली संख्या को 1 अंक वाली संख्या से भाग दे पाता है।	बया		
7.	3 अंको वाली संख्याओं का स्थानीय मान निकाल कर लिख पाता है।	नीलकंठ		
8.	घंटा को मिनट और मिनट को घंटा में परिवर्तित कर पाता है।	गौरेया		

विषय – गणित

कक्षा–4

मूल्यांकन – प्रथम तिमाही (माइल स्टोन–46,47,48,49,50,51)

समय – अक्टूबर प्रथम सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	चाँदे की सहायता से कोणों को मापकर न्यूनकोण, समकोण, अधिककोण में नामकरण कर पाता है।	उल्लू		
2.	आयत, वर्ग, त्रिभुज का परिमाप ज्ञात कर सकता है।	उल्लू		
3.	धारिता के मानक इकाई लीटर, मिलीलीटर के बीच के संबंध को जानता है।	उल्लू		
4.	10 से 12 तक के पहाड़े का उपयोग कर 3 अंको की संख्या का गुणा कर पाता है।	कठफोड़वा		
5.	1 से 3500 तक के संख्याओं को पहचानकर अंको व शब्दों में लिख पाता है।	चमगादड़		
6.	4 अंको तक की संख्याओं को हासिल के साथ जोड़ पाता है।	तोता		
7.	4 अंकों तक की संख्याओं को हासिल के साथ घटा पाता है।	चील		
8.	1 से 100 तक की अभाज्य संख्याओं को समझ कर लिख पाता है।	बया		

विषय – गणित

कक्षा–4

मूल्यांकन – द्वितीय तिमाही (माइल स्टोन–52,53,54,55,56,57)

समय – जनवरी द्वितीय सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	3500 से 6500 तक की संख्याओं को पहचानकर पढ़ व लिख पाता है।	चमगादड़		
2.	6500 तक की संख्याओं में स्थानीय मान को पहचानता है, व विस्तारित रूप से लिख पाता है।	नीलकंठ		
3.	गुणनखंड को हल कर पाता है।	कठफोड़वा		
4.	1 अंक की संख्या का गुणज ज्ञात करना।	कठफोड़वा		
5.	लाभ–हानि, क्रयमूल्य, विक्रयमूल्य से संबंधित प्रश्नों को हल कर पाता है।	चील		
6.	लंबाई के मानक इकाईयों से वस्तुओं और छोटी दूरियों की लंबाई को मीटर और सेन्टीमीटर से माप सकता है।	उल्लू		
7.	भार की मानक इकाई, किलोग्राम व ग्राम के बीच संबंध को जान पाता है।	उल्लू		
8.	सममित आकृतियों की पहचान कर पाता है।	बतख		

विषय – गणित

कक्षा–4

मूल्यांकन – तृतीय तिमाही (माइल स्टोन–24,25,26,27)

समय – अप्रैल प्रथम सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	सम भिन्न, विषम भिन्न व मिश्र भिन्न को समझता है।	चमगादड़		
2.	वृत्त की अवधारणा को समझता है तथा अलग–अलग त्रिज्या से वृत्त बना लेता है।	सारस		
3.	समान हर वाले भिन्नों को बढ़ते(आरोही) क्रम व घटते(अवरोही) क्रम में रख पाता है।	चमगादड़		
4.	क्षेत्रफल की अवधारणा को समझता है।	कठफोड़वा		
5.	तुल्य भिन्न की समझ विकसित हो गया है।	मैना		
6.	समान हर वाले सम भिन्न में जोड़ एवं घटाने से संबंधित सवाल को हल कर पाता है।	तोता / चील		
7.	किसी कार्य के समय को पूर्वान्ह एवं अपरान्ह के रूप में व्यक्त कर पाता है।	गौरेया		
8.	1 से 9999 तक की संख्याओं को पहचानकर, अंकों एवं शब्दों में लिख लेता है।	चमगादड़		
9.	आकृति के माध्यम से भिन्नों को छोटे–बड़े के रूप में पहचानता है।	बगुला		

विषय – अंग्रेजी

कक्षा–1

मूल्यांकन – प्रथम तिमाही (माइल स्टोन–0,1,2,3,4)

समय – अक्टूबर प्रथम सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	बच्चे कुछ कविता दोहरा सकते है।	रेडियो		
2.	माइल स्टोन में आए हुए (Verb) को समझ कर गतिविधि करना।	कैमरा		
3.	दी गई अंकों को अंग्रेजी शब्द के माध्यम से पहचान कर बोल पाना। अंग्रेजी अंकों को सुनकर दोहराना।	कम्प्यूटर		
4.	परिवेशीय वस्तुओं का नाम अंग्रेजी में जानना। अंग्रेजी के 10–14 शब्दों को पहचानना।	टेलीविजन		
5.	सीखे हुए अंग्रेजी शब्दों का सही चित्रों में मिलान कर पाना।	मिक्सी		
6.	सरल एवं छोटे निर्देशों को सुनकर उसका पालन करना। Please, thankyou को समझना व उपयोग करना। छोटे प्रश्न जैसे What, Who का उत्तर दे पाना। कुछ अंग्रेजी वार्तालाप शब्दों का उपयोग कर पाना।	टेलीफोन		
7.	लेखन कला का विकास चित्र में रंग भरना।	कूलर		

विषय – अंग्रेजी

कक्षा–1

मूल्यांकन – द्वितीय तिमाही (माइल स्टोन–5,6,7,8,9)

समय – जनवरी द्वितीय सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	कविता को हाव–भाव सहित दोहराना।	रेडियो		
2.	(Verb) को समझकर गतिविधि कर पाना।	कैमरा		
3.	1–10 अंकों को अंग्रेजी में बोलना। 1 –10 अंकों को पहचान कर बोलना।	कम्प्यूटर		
4.	परिवेशीय वस्तुओं का नाम अंग्रेजी में जानना। 15–45 शब्दों को पहचान पाना। 40–45 शब्दों को चित्र शब्द सूची द्वारा पहचानना। सीखे हुए सरल शब्दो को स्वतंत्र परिस्थिति में पहचान पाना।	टेलीविजन		
5	पहचाने हुए अंग्रेजी शब्दों का सही चित्रों से मिलान कर पाना। सही और गलत शब्दो पर चिन्ह लगा पाना।	मिक्सी		
6	What, this, my, your, what who आदि प्रश्नों के उत्तर दे पाना। सीखे हुए छोटे वाक्यों को बोलपाना। परिचित परिस्थिति में दिए अंग्रेजी के आदेशों को समझना।	टेलीफोन		
7	सीखे हुए कम से कम 8–9 वर्णों को लिख पाना। लेखन कला का विकास।	कूलर		
8.	A से J तक अक्षर को छोटे–बड़े रूप में पहचान पाना।	माइक		

विषय – अंग्रेजी

कक्षा–1

मूल्यांकन – तृतीय तिमाही (माइल स्टोन–10,11,12,13)

समय – अप्रैल प्रथम सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	कविता को हाव–भाव सहित दोहरा पा रहा है?	रेडियो		
2.	Thin, fat, hard, soft, come, here, go, there को समझ रहा है। (Adjective,Verb से परिचित होना।)	कैमरा		
3.	1 से 10 अंकों को अंग्रेजी में बोल सकता है। जैसे– One, two.....	कम्प्यूटर		
4.	परिवेशीय वस्तओं का नाम अंग्रेजी में जान पा रहा है। शब्द भण्डार में 55–110 शब्दों को जान पा रहा है?	टेलीविजन		
5.	शब्दों एवं चित्रों का मिलान करना। सही एवं गलत शब्दों के साथ मिलानकर चिन्ह लगा पा रहा है?	मिक्सी		
6.	who, what, how, many के द्वारा प्रश्नों के उत्तर दे पाता है।	टेलीफोन		
7.	बिन्दुओं को मिलाकर लेखन अभ्यास कर पा रहा है? 26 वर्णों को लिख पा रहा है?	कूलर		
8.	K से Z को छोटे एवं बड़े रूप में पहचान पा रहा है।	माइक		

विषय – अंग्रेजी

कक्षा–2

मूल्यांकन – प्रथम तिमाही (माइल स्टोन–14,15,16,17)

समय – अक्टूबर प्रथम सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	अपरिचित कविता को हाव–भाव सहित दोहराना।	रेडियो		
	कविता के माध्यम से कुछ वस्तु को जानना।			
2.	Verb- Pickup, Bath, listen, say, come, like, dress, write, learn, dance, draw, का प्रयोग करना।	कैमरा		
3.	Big, Small, fat, thin, hot, cold, tall, short का प्रयोग कर पाना।	बल्ब		
4.	May, who, what, may, can, how, where का प्रयोग कर पूछ पाना।	टेलीविजन		
	He, she, his, her, it, my का प्रयोग कर पाना।			
	Prepostion- in,out, on,under, near, for,to, from का प्रयोग कर पाना।			
5.	अंग्रेजी के अक्षर A से O तक छोटे–बड़े रूप को पहचानना व (लिखना) मूल्यांकन।	माइक		

विषय – अंग्रेजी

कक्षा–2

मूल्यांकन – द्वितीय तिमाही (माइल स्टोन–18,19,20,21)

समय – जनवरी द्वितीय सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	अपरिचित कविता को हाव–भाव सहित दोहराना।	रेडियो		
2.	Verb- smile, cry, sleep, pull, push, throw, love, cut, suim, sing sleep का प्रयोग कर पाना।	कैमरा		
3.	Adjective, some, different, new, old, wet, dry का प्रयोग कर पाना।	बल्ब		
4.	Whose, how, many, which, when का प्रयोग कर पाना।			
	We, they, our, your का प्रयोग कर पाना।	टेलीफोन		
	Preposition - After, before, top, bottom का प्रयोग कर पाना।			
5.	अंग्रेजी में सीखे शब्दों को लिख पाना।	कूलर		
6.	अंग्रेजी के A से Z को छोटे बड़े रूप में पहचानना व लिखना।	माइक		

विषय – अंग्रेजी

कक्षा–2

मूल्यांकन – तृतीय तिमाही (माइल स्टोन–22,23,24,25)

समय – अप्रैल प्रथम सप्ताह

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	अपरिचित कविता को हाव–भाव के साथ दोहराना।	रेडियो		
2.	Verb- walk, read, cook, show, want, think, dry का प्रयोग करना।	कैमरा		
3.	Adjective का प्रयोग करना।	बल्ब		
4.	What, how, whose, howmany, want का प्रयोग कर पाना।	टेलीफोन		
	अंग्रेजी मे ंसीखे शब्दों का प्रयोग वाक्यों में कर पाना व लिखना।			
	Pronoun- she, her, it, my, we, they,our, your का प्रयोग कर पाना।			
	Singular, plural का प्रयोग कर पाना।			
	चित्रों पर पांच पंक्ति अंग्रेजी में बोलपाना।			

संकुल स्तरीय रिपोर्टिंग फार्मेट

1. एम.जी.एम.एल. संचालित शालाओं की संख्या .....
2. एम.जी.एम.एल. कक्ष ....
3. एम.जी.एम.एल. शाला के कक्षा 1+2 की दर्ज संख्या बालक.....बालिका.....कुल.....
4. एम.जी.एम.एल. में प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या .....
5. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ बच्चों द्वारा निर्मित चित्र, चार्ट, कविता, कहानी आदि कक्ष में लगाए गए हैं।
6. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ, माताएं शाला में आकर कहानी सुनाती हैं .....
7. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ, गांव के कामगार शाला में आकर अपने व्यवसाय की जानकारी देते हैं। .....
8. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ रैक व ट्रे की व्यवस्था है .....
9. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ मूल्यांकन चार्ट/लेडर बच्चों की पहुँच में हैं। .....
10. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ बच्चे ही कार्डों को उठाकर गतिविधि करते हैं एवं गतिविधि पश्चात् कार्डों को वापस ट्रे में रखते हैं। .....
11. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ जनभागीदारी से सहयोग प्राप्त हुआ है .....
12. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ एम.जी.एम.एल. की गतिविधियाँ अच्छी तरह चल रही हैं ...

अ. अच्छी चलने का कारण	ब. अच्छी चलने वाले शालाओं का नाम
(1)	(1) .....
(2)	(2) .....
(3)	(3) .....

13. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ एम.जी.एम.एल. की गतिविधियाँ अच्छी तरह नहीं चल रही है ....

अ. अच्छी न चलने का कारण	ब. अच्छी न चलने वाले शालाओं का नाम
(1) शिक्षक अनुमानित/ वास्तविक मूल्यांकन नहीं कर पा रहे हैं।	(1) .....
(2) शिक्षक को कार्डों की गतिविधियों की जानकारी नहीं है।	(2) .....
(3) शिक्षक समूह का निर्माण सही प्रकार से नहीं कर पा रहे हैं।	(3) .....
(4) शिक्षक सभी समूहों पर सही प्रकार से ध्यान नहीं दे पा रहे हैं।	(4) .....
(5) कार्डों की गतिविधियों में लगने वाले समय के प्रति शिक्षक का उदासीन होना।	

(6) लेडर और समूह थाली के अनुरूप कक्षा का संचालन नहीं हो पा रहा है।

(7) अन्य .....

.....

14. ऐसी शालाओं की संख्या जो कमजोर/समस्या ग्रस्त हैं – .....

अ. कमजोर समस्याग्रस्त शाला होने के कारण :–

1. शिक्षक एम.जी.एम.एल. प्रशिक्षित नहीं है।
2. प्रशिक्षित शिक्षक द्वारा एम.जी.एम.एल. कक्षा को संचालित नहीं करना।
3. शाला में एम.जी.एम.एल. हेतु कक्षा का न होना।
4. अधिक दर्ज संख्या वाली शाला में शिक्षक एवं किट का अभाव है।

ब. कमजोर/समस्याग्रस्त शालाओं का नाम :–

1. .....
2. .....
3. .....
4. .....
5. .....

15. अच्छा न चलने वाली/कमजोर/समस्याग्रस्त शालाओं के लिए किया गया प्रयास .....

.....

16. समस्या को दूर करने के लिए अपेक्षाएँ :– .....

.....

.....

17. मूल्यांकन विश्लेषण पत्रक से प्राप्त कमियों की सूची .....

.....

हस्ताक्षर
सी.आर.सी.

हस्ताक्षर
सी.ए.सी.

विकास खंड स्तरीय रिपोर्टिंग फार्मेट

1. एम.जी.एम.एल. संचालित शालाओं की संख्या .....
2. एम.जी.एम.एल. कक्ष ....
3. एम.जी.एम.एल. शाला के कक्षा 1+2 की दर्ज संख्या बालक.....बालिका.....कुल.....
4. एम.जी.एम.एल. में प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या .....
5. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ बच्चों द्वारा निर्मित चित्र, चार्ट, कविता, कहानी आदि कक्ष में लगाए गए हैं।
6. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ, माताएं शाला में आकर कहानी सुनाती हैं .....
7. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ, गांव के कामगार शाला में आकर अपने व्यवसाय की जानकारी देते हैं। .....
8. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ रैक व ट्रे की व्यवस्था है .....
9. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ मूल्यांकन चार्ट/लेडर बच्चों की पहुँच में हैं। .....
10. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ बच्चे ही कार्डों को उठाकर गतिविधि करते है एवं गतिविधि पश्चात् कार्डों को वापस ट्रे में रखते हैं। .....
11. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ जनभागीदारी से सहयोग प्राप्त हुआ है .....
12. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ एम.जी.एम.एल. की गतिविधियाँ अच्छी तरह चल रही है ...

अ. अच्छी चलने का कारण	संकुल का नाम	शाला की संख्या
(1)		
(2)		
(3)		

13. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ एम.जी.एम.एल. की गतिविधियाँ अच्छी नहीं चल रही है ....

अ. अच्छी न चलने का कारण

(1) शिक्षक अनुमानित/ वास्तविक मूल्यांकन नहीं कर पा रहे हैं।
(2) शिक्षक को कार्डों की गतिविधियों की जानकारी नहीं है।
(3) शिक्षक समूह का निर्माण सही प्रकार से नहीं कर पा रहे हैं।
(4) शिक्षक सभी समूहों पर सही प्रकार से ध्यान नहीं दे पा रहे हैं।
(5) कार्डों की गतिविधियों में लगने वाले समय के प्रति शिक्षक का उदासीन होना।

संकुल का नाम	शाला की संख्या

(6) लेडर और समूह थाली के अनुरूप कक्षा का संचालन नहीं हो पा रहा है।

(7) अन्य .....

.....

14. ऐसी शालाओं की संख्या जो कमजोर/समस्या ग्रस्त है – .....

अ. कमजोर समस्याग्रस्त शाला होने के कारण :–

1. शिक्षक एम.जी.एम.एल. प्रशिक्षित नहीं है।

2. प्रशिक्षित शिक्षक द्वारा एम.जी.एम. एल. कक्षा को संचालित नहीं करना।

3. शाला में एम.जी.एम.एल. हेतु कक्षा का न होना।

4. अधिक दर्ज संख्या वाली शाला में शिक्षक एवं किट का अभाव है।

संकुल का नाम	शाला की संख्या

15. अच्छा न चलने वाले/कमजोर/समस्याग्रस्त शालाओं के लिए किया गया प्रयास .....

.....

16. समस्या को दूर करने के लिए अपेक्षाएँ :– .....

.....

.....

17. मूल्यांकन विश्लेषण पत्रक से प्राप्त कमियों की सूची .....

.....

टीपः उपरोक्त सामान्य प्रक्रिया वाले चेकलिस्ट का प्रयोग सभी स्तर के मॉनीटर करेंगे।

हस्ताक्षर
बी.आर.सी.सी.

हस्ताक्षर
विकास खंड शिक्षा अधिकारी

जिलास्तरीय रिपोर्टिंग फार्मेट

1. एम.जी.एम.एल. संचालित शालाओं की संख्या .....
2. एम.जी.एम.एल. कक्ष ....
3. एम.जी.एम.एल. शाला में कक्षा 1+2 की दर्ज संख्या बालक.....बालिका.....कुल.....
4. एम.जी.एम.एल. में प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या .....
5. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ बच्चों द्वारा निर्मित चित्र, चार्ट, कविता, कहानी आदि कक्ष में लगाए गए हैं।
6. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ, माताएं शाला में आकर कहानी सुनाती है .....
7. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ, गांव के कामगार शाला में आकर अपने व्यवसाय की जानकारी देते हैं। .....
8. ऐसे शालाओं की संख्या जहाँ रैक व ट्रे की व्यवस्था है .....
9. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ मूल्यांकन चार्ट/लेडर बच्चों की पहुँच में हैं। .....
10. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ बच्चे ही कार्डों को उठाकर गतिविधि करते हैं एवं गतिविधि पश्चात् कार्डों को वापस ट्रे में रखते हैं। .....
11. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ जनभागीदारी से सहयोग प्राप्त हुआ है .....
12. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ एम.जी.एम.एल. की गतिविधियाँ अच्छी तरह चल रही है ...

अ. अच्छी चलने का कारण	वि.ख. का नाम	संकुल संख्या	शाला संख्या
(1) ..... (2) ..... (3)			

13. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ एम.जी.एम.एल. की गतिविधियाँ अच्छी नहीं चल रही है ....

अ. अच्छी न चलने का कारण

(1) शिक्षक अनुमानित/ वास्तविक मूल्यांकन नहीं कर पा रहे हैं।
(2) शिक्षक को कार्डों की गतिविधियों की जानकारी नहीं है।
(3) शिक्षक समूह का निर्माण सही प्रकार से नहीं कर पा रहे हैं।
(4) शिक्षक सभी समूहों पर सही प्रकार से ध्यान नहीं दे पा रहे हैं।
(5) कार्डों की गतिविधियों में लगने वाले समय के प्रति शिक्षक का उदासीन होना।

वि.ख. का नाम	संकुल संख्या	शाला संख्या

(6) लेडर और समूह थाली के अनुरूप कक्षा का संचालन नहीं हो पा रहा है।

(7) अन्य .....

.....

14. ऐसी शालाओं की संख्या जो कमजोर/समस्या ग्रस्त हैं – .....

अ. कमजोर समस्याग्रस्त शाला होने के कारण :–

1. शिक्षक एम.जी.एम.एल. प्रशिक्षित नहीं है।
2. प्रशिक्षित शिक्षक द्वारा एम.जी.एम.एल. कक्षा को संचालित नहीं करना।
3. शाला में एम.जी.एम.एल. हेतु कक्षा का न होना।
4. अधिक दर्ज संख्या वाली शाला में शिक्षक एवं किट का अभाव है।

वि.ख. का नाम	संकुल संख्या	शाला संख्या

15. अच्छा न चलने वाले/कमजोर/समस्याग्रस्त शालाओं के लिए किया गया प्रयास .....

.....

16. समस्या को दूर करने के लिए अपेक्षाएँ :– .....

.....

.....

17. मूल्यांकन विश्लेषण पत्रक से प्राप्त कमियों की सूची .....

.....

टीपः उपरोक्त सामान्य प्रक्रिया वाले चेकलिस्ट का प्रयोग सभी स्तर की मॉनीटर करेंगे।

हस्ताक्षर
डी.पी.सी.

हस्ताक्षर
प्राचार्य डाइट

मूल्यांकन विश्लेषण पत्रक (शाला स्तर)

शाला का नाम – ..... संकुल केन्द – ..... विकास खंड – .....

विषय – ..... दर्ज संख्या – ..... उपस्थिति – .....

क्र.	नाम	सीखने की गति	दक्षता लोगो	1		2		3		4		5		6		7		8		9		10		11		12	
				हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं
		★																									
		✓																									
		✓																									
		△																									
		△																									
	कुलयोग																										

मूल्यांकनकर्ता का टिप्पणीः शाला की उपलब्धि ★.....

.....

सुधार हेतु सुझाव .....

.....

टीप : – मूल्यांकनकर्ता विशेष रूप से ध्यान देंगे कि सीखने की गति △ वाले बच्चों का मूल्यांकन उसके द्वारा अर्जित माइल स्टोन की दक्षताओं से ही करेंगे।

संस्था प्रमुख का हस्ताक्षर
दिनांक .....

मूल्यांकनकर्ता का हस्ताक्षर
नाम .....
पद .....
संस्था / विभाग .....

मूल्यांकन विश्लेषण पत्रक (संकुल स्तर)

संकुल केन्द – ..... विकास खंड – .....

विषय – ..... दर्ज संख्या – ..... उपस्थिति – .....

क्र.	शाला का नाम	सीखने की गति	दक्षता	1		2		3		4		5		6		7		8		9		10		11		12	
			लोगो																								
				हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं
	कुलयोग																										

मूल्यांकनकर्ता का टिप्पणीः संकुल की उपलब्धि .....

.....

संकुल ऐसी कमियाँ जिससे संकुल स्तर दूर की जा सकती है। .....

संकुल की ऐसी कमियाँ जिसे दूर करने के लिए उच्च कार्यालय के मदद की आवश्यकता है।

विश्लेषणकर्ता का हस्ताक्षर

दिनांक .....

मूल्यांकन विश्लेषण पत्रक (विकासखंड स्तर)

विकास खंड – .....

विषय – ..... दर्ज संख्या – ..... उपस्थिति – .....

क्र.	नाम	सीखने की गति	दक्षता लोगो	1		2		3		4		5		6		7		8		9		10		11		12	
				हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं
	कुलयोग																										

मूल्यांकनकर्ता का टिप्पणीः विकास खंड की उपलब्धि .....

.....

विकास खंड ऐसी कमियाँ जिससे विकास खंड स्तर दूर की जा सकती है। .....

विकास खंड की ऐसी कमियाँ जिसे दूर करने के लिए उच्च कार्यालय के मदद की आवश्यकता है।

टीप : – विकास खंड की ऐसी कमियाँ जिसे विकास खंड स्तर पर हल नहीं की जा सकती उसे राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, रायपुर हेतु सूचीबद्ध करके भेजें।

विश्लेषणकर्ता का हस्ताक्षर

दिनांक .....

शालाओं का ग्रेडिंग

क्र.	एडेप्ट्स के प्राप्तांक (कुल 390 में से)	प्रतिशत	विस्तार	ग्रेड
1.	97	25%	0 से 97 तक	डी
2.	195	50%	98 से 195 तक	सी
3.	292	75%	195 से 292 तक	बी
4.	351	75% से 90% तक	291 से 351 तक	ए
5.	351 से अधिक	90% से अधिक	351 से अधिक	ए +

एडेप्ट्स – समग्र मूल्यांकन

क्र.	पहलू का नाम	स्तर 0	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 4	योग
1.	भौतिक	28	27	29	27	21	131
2.	सामाजिक	11	13	17	23	14	68
3.	संज्ञानात्मक	22	22	25	27	26	122
4.	संगठनात्मक	11	13	15	14	15	68
	योग	72	75	86	81	76	390
	क्रमिक योग	72	147	233	314	390	390
	प्रतिशत	18.46%	37.69%	59.74%	80.51%	100%	100%

संज्ञानात्मक पहलू

क्र.	घटक का नाम	स्तर 0	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 4	योग
9.	बच्चों की समझ	2	1	2	1	3	9
10.	बच्चों की सहभागिता	2	1	1	2	1	7
11.	बच्चों की स्वाध्याय प्रवृत्ति	2	1	1	1	1	6
12.	शारीरिक शिक्षा(खेल / योग)	3	3	2	2	1	11
13.	विषयवस्तु	2	3	5	5	5	20
14.	कक्षा प्रबंधन	1	3	3	4	4	15
15.	शिक्षण अनुभव निर्मिती	1	1	3	3	4	12
16.	अधिगम प्रक्रिया की योजना	2	2	1	1	1	7
17.	अधिगम अनुभवों की सृजनशीलता	1	1	1	1	1	5
18.	सभी हेतु कक्ष का निर्माण	1	1	1	1	1	5
19.	बच्चों की अकादमिक प्रगति	3	3	3	3	2	14
20.	मूल्यांकन	2	2	2	3	2	11
	योग	22	22	25	27	26	122

संगठनात्मक पहलू

क्र.	घटक का नाम	स्तर 0	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 4	योग
21.	शिक्षकों का स्वउन्मुखीकरण प्रयास	3	3	3	3	3	15
22.	विद्यालय में कार्य विभाजन	2	4	4	4	4	18
23.	विद्यालय के प्रति सदस्यों का दृष्टिकोण	1	1	1	1	1	5
24.	विद्यालय प्रबंधन	2	2	4	3	3	14
25.	अभिलेख संधारण	2	2	2	2	3	11
26.	वित्तीय प्रबंधन	1	1	1	1	1	5
	योग	11	13	15	14	15	68

मूल्यांकन हेतु मापांक

भौतिक पहलू

क्र.	घटक का नाम	स्तर 0	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 4	योग
1.	भवन	15	11	10	13	7	56
2.	मानवीय संसाधन	3	2	1	2	3	11
3.	स्वच्छता एवं सौन्दर्यीकरण	1	7	8	3	5	24
4.	संसाधन एवं शैक्षिक उपकरण	4	4	6	5	4	23
5.	अन्य	5	3	4	4	2	18
	योग	28	27	29	27	21	132

सामाजिक पहलू

क्र.	घटक का नाम	स्तर 0	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 4	योग
6.	बच्चों के संबध में	5	4	5	4	3	21
7.	शिक्षकों के संबंध में	1	2	3	2	2	10
8.	सहयोगियों एवं समुदाय से संबंध एवं कार्य	5	7	9	7	9	37
	योग	11	13	17	13	14	68

(संगठनात्मक Organisational)

क्रमांक	संगठनात्मक पहलू Organisational Dimention	अनिवार्य मानक Level -0	मापन योग्य मानक Level -1	Level -2	Level -3	Level -4
25.	अभिलेख संधारण	1. समय सारणी, पाठकान, बालकान, परीक्षाफल, पंजी, शिक्षकों का आवागमन पंजी, दाखिल खारिज पंजी आदि सभी संधारित है। 2. मूल्यांकन पत्रक भरा जाता हैं।	1. सभी पंजी में साफ–सुथरा जिल्द है, पृष्ठांकन है। 2. दीवाल में मूल्यांकन पत्रक चस्पा है।	1. पंजियों में प्रविष्टि पूर्ण है, गुणवत्ता संतोषप्रद है। 2. मूल्यांकन पत्रक अपडेट है।	1. पंजियों में बिना काट–छाँट के प्रविष्ट है, गुणवत्ता अच्छी है। 2. मूल्यांकन पत्रक को शिक्षक व बच्चे दोनों अपडेट करते है।	1. गुणवत्ता सभी प्रकार से उत्कृष्ट है। 2. मूल्यांकन पत्रक का रिकार्ड पंजी में संधारित है। 3. शिक्षक डायरी/नवाचार पंजी संधारित करता है।
26.	वित्तीय प्रबंधन	1. कैशबुक, पासबुक, व्हाउचर पंजी संधारित है।	1. वार्षिक प्रविष्टि की जाती है, व्यय विवरण सही है।	1. मासिक प्रविष्टि की जाती है, व्यय विवरण सही है।	1. दैनिक प्रविष्टि की जाती है, व्यय विवरण सही है।	1. गुणवत्ता सभी प्रकार से उत्कृष्ट है।

(संगठनात्मक Organisational)

क्रमांक	संगठनात्मक पहलू Organisational Dimention	अनिवार्य मानक Level -0	मापन योग्य मानक Level -1	Level -2	Level -3	Level -4
21.	शिक्षकों का स्वउन्मुखीकरण हेतु प्रयास	1. शिक्षक कार्ड/पाठ्य पुस्तक का नियमित अध्ययन करते है। समय समय पर प्रशिक्षणों, कार्यशालाओं में सहभागिता करते है। 3 अंक	1. कार्ड/पाठ्यपुस्तकों के अतिरिक्त अन्य संदर्भ ग्रंथों का नियमित अध्ययन करते है। 3 अंक	1. बच्चों के साथ नये नये प्रयोग कर निष्कर्षों के आधार पर सीखने सीखाने के नये तरीके ढूँढ लेते है। 3 अंक	1. शिक्षक अन्य शिक्षकों के साथ अनुभव बाँटते है और उनमें समय समय पर सलाह भी प्राप्त करते है। 3 अंक	1. शिक्षक इंटरनेट का नियमित उपयोग करते है। 2. स्त्रोत व्यक्तियो से संपर्क कर एम.जी.एम.एल. पर समझ विकसित करता है। 3 अंक
22.	विद्यालय में कार्य विभाजन	1. विद्यालय के कार्य की जवाबदारी सुनिश्चित करें। 2 अंक	1. कार्य विभाजन के समय समता का ध्यान रखा गया है। 2. शिक्षक तथा प्रधान पाठक के कार्य विवरण उपलब्ध है। 4 अंक	1. कार्य विभाजन के प्रति शिक्षकों के मतभिन्नता नहीं है। 2. प्रधान पाठक एवं सभी शिक्षकों को अपने कार्य का स्पष्ट ज्ञान है। 4 अंक	1. प्रधान पाठक तथा शिक्षक कम से कम वर्ष में 3 बार एकत्र बैठकर शैक्षिक कार्यों के प्रगति की समीक्षा करते है। 2. कठिनाइयों का मिलकर समाधान निकालते है। 4 अंक	1. प्रत्येक प्रधान पाठक व शिक्षक अपनी व्यक्तिगत तथा कार्य संबंधित कठिनाईयों का आदान–प्रदान करते है। 2. कठिनाइयों के हल हेतु टीम का उपयोग करते है। 4 अंक
23.	विद्यालय के प्रति, सदस्यो का दृष्टिकोण	1. विद्यालय के सभी शिक्षकों के मध्य समान रूप से कार्य विभाजन होता है।	1. संस्था प्रमुख एवं सभी शिक्षकों को अपनी कर्तव्यो का स्पष्ट ज्ञान है।	1. कनिष्ठ शिक्षक, वरिष्ठ शिक्षक के मार्गदर्शनानुसार कार्य करते है।	1. सभी सदस्य टीम की भावना से कार्य करते है।	1. सभी सदस्य संस्था के अच्छे अथवा बूरे उपलब्धि स्तर के लिए स्वयं को जिम्मेदार मानते है।
24.	विद्यालय प्रबंधन	1. विद्यालय प्रबंधन शासकीय दिशा निर्देशों के अनुसार किये जाते है। 2. विद्यालय प्रबंधन बाबत् कोई शिकायत नहीं है।	1. विद्यालय प्रबंधन संस्थागत योजना के आधार पर किया जाता है। 2. विद्यालय के बेहतरी के बारे में शिक्षक सोचते है।	1. विद्यालय प्रबंधन में छात्रों की सहभागिता सुनिश्चित की जाती है। 2. विद्यालय मे भौतिक सुधार की कार्ययोजना बनाई गई है। 3. विद्यालय में शैक्षिक सुधार की कार्ययोजना बनाई गई है। 4. उक्त योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाता है।	1. विद्यालय प्रबंधन हेतु ग्राम शिक्षा समिति से सहयोग लिया जाता है। 2. विद्यालय के भौतिक तथा शैक्षिक सुधार की कार्ययोजना के क्रियान्वयन में समुदाय का सहभागिता लिया जाता है। 3. उक्त योजना के क्रियान्वयन में बाल पंचायत/मीना मंच की सहभागिता ली जाती है।	1. विद्यालय के उत्तम प्रबंधन के अवलोकन हेतु अन्य विद्यालय के सदस्य आते है एवं अनुकरण करते है। 2. विद्यालय के भौतिक तथा शैक्षिक सुधार की कार्ययोजनाओं के क्रियान्वयन में समुदाय का सहभाग लिया जाता है। 3. उक्त योजना के क्रियान्वयन में बाल पंचायत/मीना मंत्र की सहभागिता ली जाती है।

शिक्षकों हेतु (संज्ञानात्मक पहलू Cognitive Dimention)

क्रमांक	संज्ञानात्मक पहलू Cognitive Dimention	अनिवार्य मानक Level -0	मापन योग्य मानक Level -1	Level -2	Level -3	Level -4
19.	बच्चों की अकादमिक प्रगति	1. 3री कक्षा के ऊपर के सभी बच्चों को देवनागरी के अक्षर तथा अंक लिखना पढ़ना आता है। 2. 60 प्रतिशत से अधिक बच्चे को पाठ्यक्रम पर आधारित मूल्यांकन में 50 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये है। 3. एम.जी.एम.एल. में सभी बच्चे अपनी गति के अनुरूप दक्षता ग्रहण कर रहें है।	1. 2री कक्षा के ऊपर के सभी बच्चों को देवनागरी के वर्ण, अंक लिखना, पढ़ना आता है। 2. 60 प्रतिशत से अधिक बच्चे पाठ्यक्रम पर आधारित मूल्यांकन में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये है। 3. 70 प्रतिशत बच्चे निर्धारित समय से पहले माइलस्टोन पार कर लेते है।	1. 70प्रतिशत से अधिक बच्चे पाठ्यक्रम पर आधारित मूल्यांकन में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये है। 2. बच्चे वास्तविक माइलस्टोन से आगे कार्य कर रहे है। 3. 80 प्रतिशत बच्चे निर्धारित समय के पहले माइलस्टोन को पार कर लेते है।	1. 80 प्रतिशत से अधिक बच्चे पाठ्यक्रम पर आधारित मूल्यांकन मे 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये है। 2. माइलस्टोन के निर्धारित मूल्यांकन कार्ड कर लेते है। 3. 90 प्रतिशत बच्चे निर्धारित समय के पहले माइलस्टोन को पार कर लेते है।	1. 80 प्रतिशत से अधिक बच्चे पाठ्यक्रम पर आधारित मूल्यांकन में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये है। इनका रिकार्ड संधारित किया जा रहा है। 2. सभी बच्चे समय सीमा के अंदर माइलस्टोन पार कर रहे है।
20.	मूल्यांकन	1. शिक्षक बच्चों का सतत मूल्यांकन करते हैं। 2. शिक्षक प्रत्येक दक्षता पर निरंतर एवं समग्र मूल्यांकन करते है।	1. मूल्यांकन के आधार पर भविष्य की योजना बनाते है तथा तद्नुरूप शिक्षण विधि क्रियाकलाप एवं गतिविधियाँ निर्धारित करते है। 2. मूल्यांकन के साथ उपचारात्मक शिक्षण कर पुनः मूल्यांकन किया जाता है।	1. बच्चों के लिए मूल्यांकन भयमुक्त व दबावमुक्त एवं आनंददायी होता है। 2. पिछड़ते बच्चों के लिए विशेष प्रयास किया जाता है।	1. मूल्यांकन इस प्रकार होता है कि बच्चे प्रत्येक छोटी सफलता का आनंद सतत् रूप से एवं सहजता से अनुभूत करते है। 2. मूल्यांकन में पालकों का सहभागि ता लेता है। 3. बच्चों के ज्ञान एवं समझ का स्तर का समुदाय में प्रदर्शन करता हो	1. मूल्यांकन बच्चे में आत्म विश्वास पैदा करता है। 2. बच्चे अपना मूल्यांकन स्वयं करते हैं।

शिक्षकों हेतु (संज्ञानात्मक पहलू Cognitive Dimention)

क्रमांक	संज्ञानात्मक पहलू Cognitive Dimention	अनिवार्य मानक Level -0	मापन योग्य मानक Level -1	Level -2	Level -3	Level -4
15.	शिक्षण अनुभव निर्मित	1. गतिविधि आधारित शिक्षण करते है।	1. शिक्षक सामग्री का उपयोग करता है।	1. विभिन्न प्रकार के शैक्षिक क्रियाकलापों का ज्ञान है उसका सही उपयोग करता है। 2. बच्चों के ज्ञान निर्माण के उद्देश्य से कभी छोटे तो कभी बड़े समूह अथवा पूर्ण कक्षा के लिए एक साथ क्रियाकलाप करता है। 3. बच्चो को वाचन हेतु पुस्तकें देता है।	1. कक्षा में परिवेश के ज्ञान का उपयोग करता है। 2. समूह कार्य का सीखने में उपयोग करता है। 3. सामान्य स्तर के बच्चों के लिए सहपाठी शिक्षण का उपयोग करता है।	1. शिक्षक सुविधादाता की भूमिका निभाता है। 2. सभी बच्चों की सीखने में सहभागिता सुनिश्चित करता है। 3. अलग अलग स्तर के बच्चे एक दूसरे से सीखता है। 4. बच्चों को संदर्भ पुस्तकें दी जाती है। इसका ये उपयोग करते है।
16.	अधिगम प्रक्रिया की योजना	1. प्रधान पाठक एवं शिक्षक कार्य योजना बनाते है। 2. शिक्षक आकस्मिक एवं सुनियोजित योजना हेतु कार्ययोजना बनाते है।	1. शिक्षक पाठ्यांश की समझ बनाने के लिए गतिविधि/टी.एल.एम. या क्रियाकलाप की सहायता लेते है। 2. योजना के क्रियान्वयन हेतु शिक्षक समुदाय/बच्चों एवं अन्य सहायक सामग्री का सहयोग लेते है।	1. गतिविधि या क्रियाकलाप छात्र स्वयं करते है।	1. शिक्षक छात्रों को निष्कर्ष निकालने हेतु प्रेरित करते है एवं सुविधादाता की भूमिका निभाते है।	1. शिक्षक सीखने की प्रक्रिया में सभी बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करते है।
17.	अधिगम अनुभवों की सृजनशीलता	1. कार्डो/पाठ्य पुस्तकों के अतिरिक्त पाठ्येत्तर गतिविधियों को समझते हैं।	1. शिक्षक पाठ्येत्तर गतिविधियों (पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त) का संग्रहण करते हैं।	1. शिक्षक अपने विद्यालय से बाहर के शिक्षकों को बच्चों के साथ अपने अनुभव बाँटने हेतु प्रेरित करते हैं।	1. अधिगम प्रक्रिया हेतु समाज/समुदाय के विशेषज्ञों को आमंत्रित कर बच्चों से वार्तालाप कराते हैं।	1. शिक्षक दूसरे स्थान पर हो रहे उत्कृष्ठ कार्यों को सीखने के लिये प्रवास कर अवलोकन करते हैं।
18.	सभी हेतु कक्षा का निर्माण	1. शिक्षक कक्षा के वातावरण को भयमुक्त, आनंददायी एवं मनो–रंजक बनाते हैं।	1. बच्चें कक्षा में निःसंकोच प्रश्न पूछते हैं।	1. विषय वस्तु के संबंध में बच्चे कक्षा में स्वयं चर्चा करते हैं।	1. कक्षा की प्रत्येक गतिविधि में प्रत्येक बच्चें की सहभागिता सुनिश्चित की जाती है।	1. बच्चे घर और खेल की मैदान की तरह कक्षा के वातावरण को पसंद करते हैं।

शिक्षकों हेतु (संज्ञानात्मक पहलू Cognitive Dimention)

क्रमांक	संज्ञानात्मक पहलू Cognitive Dimention	अनिवार्य मानक Level -0	मापन योग्य मानक Level -1	Level -2	Level -3	Level -4
13.	पाठ्यक्रम एवं विषय वस्तु की समझ	1. शिक्षक डेली डायरी लेखन करते है। 2. शिक्षक पाठ्य वस्तु को समझता है।	1. विषय वस्तु कौन सी दक्षता/कौशल विकसित करती है। इसकी समझ शिक्षक को है। 2. शिक्षक समझता है कि केवल कार्ड/पाठ्य पुस्तक बच्चो के अध्ययन के लिए परिपूर्ण नहीं है। 3. शिक्षक बच्चों के लिए अध्ययन हेतु अन्य शैक्षिक सामग्रियों का उपयोग करता है।	1. शिक्षक विषय वस्तु को बच्चों के दैनिक जीवन से जोड़ पाने में सक्षम है। 2. शिक्षक पाठ्यक्रम को समझता है। 3. बच्चों के ज्ञान निर्माण के सिद्धांत को समझता है। तद्नुसार अध्ययन अध्यापन में उसका उपयोग करता है। 4. अवधारणा स्पष्ट करने के लिए अन्य शैक्षिक सामग्री का उपयोग करता है। 5. शिक्षक बच्चों के लिए अधिगम स्तरानुसार अभिलेख तैयार करते है।	1. शिक्षक विषय वस्तु को बच्चो के अनुभव से जोड़ पाने में सक्षम है। 2. शिक्षक को पाठ्यचर्या की समझ है और उसका उपयोग अध्ययन अध्यापन में करता है। 3. शिक्षक अध्ययन–अध्यापन में स्थानीय वातावरण घटनाओं आदि का उपयोग करता है। 4. बच्चों के उम्र के अनुसार सही गतिविधियों को समझता एवं उपयोग करता है। 5. आवश्यकता अनुसार अध्यापन योजना मे लचीलापन लाता है।	1. शिक्षक द्वारा संप्रेषित दक्षता / कौशल आधारित विषय वस्तु का प्रयोग बच्चे कर रहे है। 2. शिक्षक शिक्षा के उद्देश्यों को समझता है एवं तद्अनुसार अध्ययन–अध्यापन योजना क्रियान्वित करता है। 3. शिक्षक स्वयं पाठ्यचर्या का निर्माण करता है। 4. प्रत्येक बच्चे को स्वाध्याय एवं स्वअधिगम की कार्ययोजना बनाता है और क्रियान्वित करता है। 5. प्रत्येक बच्चे से पूछकर उनके जीवन लक्ष्य की जानकरी प्राप्त करता है।
14.	कक्षा प्रबंधन	1. समूह वार बैठक व्यवस्था है।	1. शिक्षक कक्षा में बच्चों तथा उनके कार्य को समझने के लिए प्रत्येक समूह का निरीक्षण करता है। 2. क्रियाकलाप के उपयुक्त बैठक व्यवस्था तैयार करता है। 3. कक्षा के अंदर शिक्षक गतिविधियों के अनुसार सहायक सामग्री उपलब्ध कराता है।	1. एक ही समूह को लाभ न मिले इस हेतु बैठक व्यवस्था में बदलाव करते रहते है। 2. सभी बच्चे को सीखने का अवसर देता है। 3. प्रश्न पूछते एवं बाते करते समय सभी बच्चों को अवसर देता है। प्रोत्साहन के उद्देश्य से बच्चों के कार्यों का प्रदर्शन करता है।	1. कक्षा प्रबंधन में बच्चो की सहभागिता प्राप्त करता है। 2. अध्ययन–अध्यापन प्रक्रिया के लिए बच्चों के समय का अधिकाधिक उपयोग करता है। बच्चों का समय व्यर्थ नहीं जाने देता। 3. समावेशी शिक्षा का ध्यान रखते हुए सभी बच्चों को समान सीखने का अवसर प्रदान करता है। 4. बच्चे स्वतंत्र रूप से अपने अपने समूह के अनुसार कार्य करता है।	1. बच्चों की सहभागिता से कक्षा प्रबंधन करता है। 2. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के संवदेनशीलता का पूर्ण ध्यान रखा जाता है। 3. कक्षा प्रबंधन से उद्भवित विषयों पर पालकों से चर्चा करता है। 4. विभिन्न विषयों तथा पाठों पर आधारित अध्ययन तैयार करता है।

एडेप्ट्स

बच्चों हेतु (संज्ञानात्मक पहलू Cognitive Dimention)

क्रमांक	संज्ञानात्मक पहलू Cognitive Dimention	अनिवार्य मानक Level -0	मापन योग्य मानक Level -1	Level -2	Level -3	Level -4
9.	बच्चो की समझ	1. बच्चों को पढ़ने में आनंद आता है। 2. बच्चे एम.जी.एम.एल. की प्रक्रिया से प्रसन्न है।	1. बच्चे पाठ्यांश/अवधारणा से संबंधित प्रश्न शिक्षक से पूछते है।	1. बच्चे अपने सहपाठी से चर्चा करते हुए निष्कर्ष निकाल पाते है/सीख पाते है। 2. बच्चे अपने दूसरे साथियों को सीखने में मदद करता है।	1. बच्चे पाठ्यांश से संबंधित उदाहरण स्वयं ढूँढ सकते है या दैनिक जीवन से जोड़ सकते है।	1. बच्चे अपनी समझ को बेझिझक अभिव्यक्त कर सकते है। 2. शिक्षक अन्य कार्य में व्यस्त रहने पर बच्चे स्वयं अध्ययन करते हैं। 3. बच्चे स्वयं करके सीखते है।
10.	बच्चों की सहभागिता	1. माह में कम से कम एक बार बाल सभा का आयोजन किया जाता है। 2. बच्चे समूह में मिलकर कार्य करते है।	1. कक्षा का वातावरण भयमुक्त व दबावमुक्त है।	1. बच्चे कक्षा में स्वतंत्रतापूर्वक कार्य करते है।	1. प्रत्येक बच्चा स्वतंत्र अभिव्यक्ति में सक्षम है। 2. बच्चे साथ–साथ खेलते हैं, सर्वे करते है।	1. बच्चे अपने दूसरे साथियों के सीखने में मदद करते है।
11.	बच्चों की स्वाध्याय प्रवृत्ति	1. बच्चे पाठ्य पुस्तक स्वयं पढ़ते है। 2. बच्चे समूहो में बैठकर स्वयं अध्ययन करते है।	1. बच्चे कार्ड/पाठ्य–पुस्तक के अलावा भी अन्य पाठ्य–सामग्री पढ़ते है।	1. बच्चे प्रतिमाह कार्ड/पाठ्य पुस्तक के अलावा कम से कम दो पाठ्य पुस्तक पढ़ते है।	1. बच्चे प्रतिमाह कार्ड/पाठ्य पुस्तक के अलावा कम से कम 4 पुस्तक पढ़ते है।	1. बच्चे प्रतिमाह कार्ड/पाठ्य पुस्तक के अलावा कम से कम 4 से ज्यादा पुस्तक पढ़ते है।
12.	शारीरिक शिक्षा (खेल/योग)	1. सेंडपिट है। 2. टायर झूला है। 3. शाला में बिल्लस खेल हेतु खाने बने है।	1. साप्ताहिक व्यायाम होता है। 2. खेल गतिविधि समय मिलने पर करवाया जाता है। 3. बच्चे नदी पहाड़ खेल, बोल भाई कितने, बिल्लस का खेल खेलते है।	1. दैनिक व्यायाम खेलकूद होता है। 2. खेल गतिविधि कभी–कभी करवाया जाता है।	1. शाला में खेल स्पर्धा का आयोजन होता है। 2. बीच–बीच में खेल करवाया जाता है।	1. बच्चो का जिला स्तर मे चयन हुआ है।

क्रमांक	सामाजिक पहलू Social Dimension	अनिवार्य मानक Level -0	मापन योग्य मानक Level -1	Level -2	Level -3	Level -4
7.	शिक्षकों के संबंध में	1. विद्यालय में वास्तविक रूप से उपस्थित शिक्षक/प्रधान पाठक को उपस्थित दर्ज किया जाता है।	1. केवल उन्हीं प्रधान पाठक/शिक्षको उपस्थित दर्ज किया जाता है जो विद्यालय में सभी पीरियड में उपस्थित रहते है। 2. शिक्षक उपलब्ध रहने पर कक्षा खाली नहीं रहता।	1. शिक्षक/प्रधान पाठक समय पर विद्यालय आते है। 2. शिक्षक/प्रधान पाठक विद्यालय कार्यावधि के बाद विद्यालय से प्रस्थान करते है। 3. शिक्षकों को बच्चों के सामाजिक, आर्थिक तथा पारिवारिक पृष्ठभूमि की जानकारी है। विद्यालय में क्रीड़ा स्पर्धा तथा सांस्कृतिक गतिविधियाँ कराई जाती है।	1. शिक्षक उपचारात्मक अध्यापन के लिए विद्यालय कार्यावधि से पहले अथवा बाद में गाँव/विद्यालय मे रूकते है। समाज से संबंधित जन भागीदारी समिति बैठक के लिए विद्यालय से पूर्व अथवा बाद में रूकते है। 2. कार्यालयीन/अन्य शासकीय कार्य हेतु बाहर जाने पर सूचना पंजी में संधारित किया जाता है।	1. कम से कम एक शिक्षक/प्रधान पाठक गाँव में राति मुकाम करता है। मुकाम के दौरान शिक्षा से संबंधित विषय पर बच्चों तथा समाज के साथ कार्य करता है। 2. संस्था में कार्यरत सभी शिक्षक रात्रि विश्राम करते है तथा बच्चों की गतिविधि पर चर्चा करते है।
8.	सहयोगियों एवं समुदाय से संबंध एवं कार्य	1. एस.एम.डी.सी. की बैठक वर्ष में तीन बार होती है। 2. विद्यालय में जनभागीदारी समिति गठित है। 3. जनभागादारी समिति की वर्ष में दो बार बैटक होती है। 4. समुदाय को वर्ष में दो बार एम. जी.एम.एल. की जानकारी दी जाती है। 5. माताएँ शाला में आकर कहानी/कविता सुनाती है।	1. एस.एम.डी.सी. की प्रत्येक दो माह में बैठक होती है। 2. पर्यावरण की शुद्धता हेतु समुदाय में वृक्षारोपण किया जाता है। 3. एस.एम.डी.सी., पी.टी.ए. की प्रत्येक बैठक में एम.जी.एम.एल. पर चर्चा होती है। 4. जनभागीदारी समिति की वर्ष में 3 बैठक होती है। 5. बच्चो की नामांकन पर चर्चा की गई है। 6. बच्चों की उपस्थिति बाबत् चर्चा की गई है। 7. कार्यवाही विवरण संधारित की जाती है।	1. एस.एम.डी.सी. की प्रत्येक माह बैठक होती है। 2. पाठ्य सहगामी क्रियाओं की सफल आयोजन हेतु समाज का सहयोग लिया जाता है। 3. सृजन उत्सव मनाया जा चुका है। 4. विद्यालय में पालक शिक्षक समिति गठित है। 5. पालक शिक्षक समिति तथा जन भागीदारी समिति की प्रत्येक 2 माह में बैठक होती है। 6. बैठक में बच्चों की प्रगति पर चर्चा की जाती है। 7. बैठक में शिक्षकों की उपस्थिति पर चर्चा की जाती है। 8. समुदाय के सहयोग से वृक्षारोपण किया गया है। 9. शिक्षक सामग्री हेतु इस वर्ष समुदाय का सहयोग मिला है।	1. एस.एम.डी.सी. की प्रत्येक माह बैठक में कोरम पूरा होता है। 2. विद्यालय के भौतिक संसाधनों के विकास हेतु समाज से आर्थिक सहयोग लिया जाता है। 3. बैठक में शिक्षक के समय पर आने बाबत चर्चा की जाती है। 4. प्रत्येक मूल्यांकन के पालक शिक्षक समिति की बैठक बुलाकर चर्चा की जाती है। प्रगति बाबत स्थूल कार्ययोजना बनाई जाती है। 5. विद्यालय के भौतिक संसाधन हेतु समुदाय का आर्थिक सहयोग इसी वर्ष वस्तु रूप से लिया है। 6. पालकों को इस वर्ष श्रेष्ठ पालकत्व पर एक बार प्रशिक्षण दिया गया है। 7. समुदाय द्वारा एम.जी.एम.एल. कक्ष का अवलोकन कर अभिमत देते है।	1. एस.एम.डी.सी. स्वप्रेरित होकर शाला में प्रवेशित कराते है। 2. वर्तमान में कोई बच्चा अप्रवेशी/शाला त्यागी नहीं है। 3. विभिन्न व्यवसाय से जुड़े व्यक्ति सप्ताह में एक दिन आकर व्यवसाय से संबंधित जानकारी बच्चों को देते है। 4. समुदाय स्वप्रेरित होकर विभिन्न रूपों में सहयोग प्रदान करते है। 5. जनभागादारी से विद्यालय को अतिरिक्त शिक्षक आवश्यकता हो प्राप्त है। 6. कुछ पाठ पालकों के लिए आरक्षित है। 7. समुदाय को कक्षा/स्कूल एम. ली.एम.एल. कक्ष में कौशल ज्ञान सीखाने का अवसर प्राप्त है। 8. प्रत्येक बच्चो के शैक्षिक, सामाजिक प्रगति हेतु पालकों के साथ मिलकर योजना बनी है तथा उसका क्रियान्वयन स्कूल तथा घर समुदाय में हो रहा है। 9. पालकों को इस वर्ष श्रेष्ठ पालकत्व पर दो बार प्रशिक्षण दिया गया है।

क्रमांक	सामाजिक पहलू Social Dimension	अनिवार्य मानक Level -0	मापन योग्य मानक Level -1	Level -2	Level -3	Level -4
6.	बच्चों के संबंध में	1. विद्यालय में ''शाला प्रबंधन एवं विकास समिति'' एस.एम.डी.सी. है। 2. कक्षा अध्यापन समिति है। 3. शिक्षक पालक समिति है। 4. विद्यालय में वास्तविक रूप से उपस्थित बच्चों की उपस्थिति दर्ज की जाती है। 5. कोई भी बच्चा माह में आधे से अधिक दिन अनुपस्थित नहीं रहता।	1. प्रत्येक समिति की दो माह में बैठक होती है। 2. केवल उन्हीं बच्चों की उपस्थिति दर्ज किया जाता है जो विद्यालय में सभी पीरियड में उपस्थित रहते है। 3. सभी बच्चे विगत माह से कम से कम 60 प्रतिशत दिन उपस्थित रहते है। 4. अनुपस्थित रहने वाले बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने हेतु प्रक्रिया सुनिश्चित है। लगातार 5 दिनों से अनुपस्थित रहने वाले बच्चे को किसी भी स्थिति में स्कूल वापस लाया जा सकता है।(बच्चा बीमार हो या गाँव में ही न हो तो तभी इसमें छूट मिलेगी।)	1. प्रत्येक समिति की प्रति माह में बैठक होती है। 2. सभी बच्चे विगत माह में कम से कम 70 प्रतिशत दिन उपस्थित रहे है। 3. बच्चों का बाल पंचायत, मीना मंच गठित है। 4. एस.एम.डी.सी., पी.टी.ए. की बैठक में अनुपस्थित बच्चों के संबंध में चर्चा होती है। 5. शिक्षक बच्चों के घर जाकर जानकारी लेते है व शाला तक लाने का प्रयास करते है।	1. पालकों में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की जाती है – – शैक्षिक पहलू पर – बच्चों के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता – अनुशासन – दुर्व्यसन संबंधी – बच्चों के प्रगति – बच्चों की शैक्षिक समस्याएँ 2. सभी बच्चे विगत माह में कम से कम 80 प्रतिशत दिन उपस्थित रहे है। 3. बाल पंचायत/मीना मंच की कार्य योजना अनुसार कार्य होता है। 4. अनुपस्थित बच्चो को शाला तक लाने में की गई कार्य वाही को पंजी में संधारित की जाती है।	1. पालकों से उनके बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि पर चर्चा की जाती है।(कम से कम 02 माह में एक बार) – शैक्षिक समस्याएँ – नियमित उपस्थिति – सीखने की गति – प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति – विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के संबंध में 2. सभी बच्चे विगत माह में कम से कम 90 प्रतिशत दिन उपस्थित रहे है। 3. विद्यालय संचालन में बाल पंचायत/मीना मंच के निर्णय का क्रियान्वयन किया जाता है।

क्रमांक	मानक Standards	अनिवार्य मानक Level -0	मापन योग्य मानक Level -1	Level -2	Level -3	Level -4
4.	संसाधन एवं शैक्षिक उपकरण	1. रेडियो हैं। 2. एटलस, ग्लोब एवं अन्य भूगोल के उपकरण है। 3. पासा गुटका है। 4. कार्डों को रखने के लिए ट्रे उपलबध है।	1. शैक्षिक उपकरण किट(विज्ञान, भाषा आदि) है। 2. बच्चों हेतु पुस्तकालय में पुस्तकें है। (कम से कम 1:5 में) 3. रैक, तार की जाली उपलब्ध है। 4. लेडर, मूल्यांकन पत्रक बच्चों की पहुँच में है।	1. शैक्षिक कोना हेतु आवश्यक सामग्री है। 2. बच्चों हेतु पुस्तकालय में पुस्तकें 1:10 में है। 3. शिक्षक द्वारा टी.एल.एम. निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री सदैव उपलब्ध है। 4. टेप रिकार्डर है। 5. रैक बच्चों के पहुँच में है। 6. गुम/क्षतिग्रस्त कार्डों के बदले में कार्डों की व्यवस्था अनुदान राशि से की गई है।	1. टी.एल.एम. कक्षों में रखने हेतु दीवार में रैक बनाये गये है। 2. बच्चों हेतु पुस्तकालय में पुस्तकें हैं एवं 1 बच्चा 1 माह में कम से कम 4 पुस्तकें पढ़ता है। 3. टेलीविजन है। 4. तार की जाली से निकाली गई कहानी को व्यवस्थित रखने हेतु फाइल बनाया गया है। 5. भू–स्तर श्यामपट का नियमित उपयोग होता है।	1. कम्प्यूटर है तथा शिक्षक उपयोग करते हैं। 2. एल.सी.डी. प्रोजेक्टर या ओ. एच.पी. प्रोजेक्टर है तथा शिक्षक उपयोग करते है। 3. बच्चे पासे/बटन, पॉकेट बोर्ड का उपयोग करते है। 4. मुखौटे का उपयोग किया जाता है।
5.	अन्य	1. खेल सामग्री है। 2. महापुरूषों संबंधित जीवनी पुस्तक है। 3. हिन्दी व अंग्रेजी के शब्दकोष है। 4. स्क्रैप बुक बनाया गया है। 5. कंकड़, पत्थर, बीज, तिली, कंचा है।	1. बच्चो के स्तरानुरूप सभी के लिए खेल सामग्री है। 2. बच्चे सहायक सामग्री का नियमित उपयोग करते हैं। 3. स्क्रैप बुक बच्चों द्वारा बनाया जाता है।	1. विषय वार ज्ञानवर्धक(सामान्य ज्ञान) पुस्तकें है। 2. विषय वार वीडियों सीडी उपलबध है। 3. शिक्षाप्रद फिल्मों के वीडियों सीडी उपलब्ध है। 4. कंकड़, बीज, पत्थर, तीली, कंचा का उपयोग प्रतिदिन करते है।	1. विषयवार ज्ञानवर्धक पुस्तकों का उपयोग होता है। 2. विषयवार ज्ञानवर्धक वीडियों सीडी का उपयोग होता है। 3. शिक्षाप्रद फिल्मों के वीडियो सीडी दिखाते है। 4. माता–पिता और समुदाय के द्वारा लिखी गई कहानियो का उपयोग करते है।	1. बच्चे कम्प्यूटर के द्वारा खेलते है और सीखते है। 2. स्क्रैप बुक में चित्र लगाकर उनका वर्णन करते है।

क्रमांक	मानक Standards	अनिवार्य मानक Level -0	मापन योग्य मानक Level -1	Level -2	Level -3	Level -4
2.	मानवीय संसाधन	1. स्वीकृत सेटअप अनुसार शिक्षक है। 2. भाषा, गणित, विज्ञान हेतु शिक्षक पदांकित है। 3. एम.जी.एम.एल. कक्ष के अनुरूप पर्याप्त शिक्षक हैं।	1. प्रधानपाठक पदांकित है। 2. प्रति शिक्षक द्वारा कक्षा अध –यापन कार्य किया जा रहा है।	1. सभी कक्षा के लिये कम से कम एक शिक्षक हैं।	1. कम्यूटर प्रशिक्षित शिक्षक है। 2. अध्यापनरत शिक्षक को एम.जी. एम.एल प्रक्रिया की समझ है।	1. सभी शिक्षक प्रशिक्षित हैं। 2. सभी शिक्षक एम.जी.एम.एल. प्रक्रिया में प्रशिक्षित है। 3. भृत्य/चौकीदार है।
3.	स्वच्छता एवं सौन्दर्यीकरण	1. प्राथमिक उपचार किट है।	1. विद्यालय परिसर स्वच्छ है। 2. विद्यालय के सभी कक्षाओं में स्वच्छता है। 3. नेलकटर, साबुन, तौलिया, कंघी, दर्पण आदि है। 4. परिसर में कूड़ादान है। 5. स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण निवारक चार्ट कक्ष में लगे हैं। 6. प्रत्येक कक्ष चित्रों, चार्टो, नीति–वाक्य, महापुरुषों के चित्रों से सुसज्जित है। 7. बैठने की दरी/चटाई स्वच्छ है।	1. भोजन कक्ष का स्थान स्वच्छ है। 2. भोजन बनाने एवं बच्चों के खाने के बर्तन स्वच्छ है। 3. पेड़–पौधे हैं,उनकी देखभाल की जाती है। 4. प्रसाधन स्वच्छ है। 5. बाल स्वास्थ्य मंत्रालय का गठन किया गया है। 6. बच्चे साबुन/राख से हाथ धोते हैं। 7. विद्यार्थियों की साप्ताहिक बाल,नाखुन जाँच किये जाते है। 8. डस्टबीन, सोकपिट है।	1. प्रत्येक कक्ष में कूड़ादान है। 2. सप्ताह में 2 दिवस परिसर एवं प्रसाधन में ब्लीचींग पावडर/फिनाइल का छिड़काव किया जाता है। 3. बच्चे जूता, चप्पल बाहर पंक्ति बद्ध रखते हैं।	1. माह में 01 बार विद्यालय परिसर में कीट प्रतिरोधक दवाई का छिड़काव किया जाता है। 2. कक्षाओं में दीवारों एवं तल बच्चों की रुचि अनुरुप रंगों एवं चित्रकारी से सुसज्जित है। 3. शाला को समुदाय का सहयोग प्राप्त होता है। 4. सभी विद्यार्थी युनीफार्म में आते हैं। 5. सभी शिक्षक युनीफार्म में आते हैं।

एडेप्ट्स

विद्यालय हेतु मानक (भौतिक पहलू Physiacal Dimention)

क्रमांक	मानक Standards	अनिवार्य मानक Level -0	मापन योग्य मानक Level -1	Level -2	Level -3	Level -4
1.	भवन	1. शाला भवन है। 2. छात्रों के अनुपात में सृजन कक्ष तैयार किये गये है। 3. समस्त खिड़की दरवाजों में पल्लें है। 4. सभी कक्षों में समतल कक्ष है। 5. छत धुल रहित है। पानी नहीं टपकता है। 6. छात्रा छात्राओं हेतु पृथक पृथक प्रसाधन की व्यवस्था है। 7. शिक्षकों हेतु प्रसाधन की व्यवस्था है। 8. पेयजल की व्यवस्था है। 9. भवन हवादार एवं प्रकाश युक्त है। 10. खेल का मैदान है। 11. प्रत्येक कक्ष हेतु उचित आकार का श्यामपट, भू–स्तर श्यामपट/चॉक एवं डस्टर उपलब्ध है। 12. प्रत्येक शिक्षक हेतु टेबल कुर्सी है। 13. बच्चों के बैठने के लिए दरी/चटाई है। 14. मध्यान्ह भोजन हेतु शेड है। 15. शाला में चारदीवारी है।	1. बैठक हेतु दरियाँ है। 2. प्रधान पाठक एवं शिक्षको हेतु पृथक पृथक कक्ष है। 3. गंदे पानी के निकासी की उचित व्यवस्था है। 4. शाला भवन पक्का(छत) है। 5. मध्यान्ह भोजन संचालित है। किन्तु कभी–कभी अवरोध होता है। 6. सभी बच्चे एक कक्ष में बैठते है। 7. हवादार एवं प्रकाशयुक्त मजबूत खिड़की दरवाजें है। 8. विद्यालय की चारदीवारी अस्थायी व्यवस्था से घिरी है। 9. अन्य साधनों से पेयजल व्यवस्था है। 10. मध्यान्ह भोजन शेड कच्चा है। 11. संयुक्त प्रसाधन है।	1. सभी कक्ष में सीमेंट फ्लोरिंग है। 2. प्रत्येक कक्ष में दो तरफ से श्यामपट है। 3. विद्यालय हेतु चारदीवारी अथवा तार का घेरा है। 4. बागवानी हेतु आवश्यक उपकरण है। 5. मध्यान्ह भोजन निरंतर संचालित है। 6. दो या तीन कक्ष है। 7. शाला भवन स्वच्छ व लिपाई युक्त है। 8. नल कनेक्शन है। 9. मध्यान्ह भोजन शेड पक्का है। 10. छात्र–छात्रा हेतु अलग–अलग प्रसाधन है।	1. बच्चों के अनुपात में पृथक–पृथक कक्ष है। 2. सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु मंच है। 3. पृथक पुस्तकालय है। 4. मुख्य द्वार में सुरक्षात्मक चैनल गेट है। 5. पृथक वाचनालय है। 6. मध्यान्ह भोजन गुणवत्ता युक्त है। 7. सभी विषय के लिए अलग अलग कक्ष है। 8. वाटर हार्वेसटिंग सिस्टम सक्रिय है। 9. हैण्ड पम्प है। 10. प्रसाधन का उचित उपयोग होता है। 11. मध्यान्ह शेड धुआँ रहित है। 12. परिषद में बागवानी है। 13. चारदीवारी पक्का है।	1. विद्यालय खुले स्थान पर है। (प्रदुषित वातवरण से दूर) 2. प्रत्येक कक्ष में जमीन से 3 फीट ऊँचाई तक चारों तरफ भू–श्यामपट का निर्माण किया गया है। 3. प्रार्थना एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु हाल है। 4. बच्चों के बैठने के लिए फर्नीचर है। 5. पृथक कम्प्यूटर कक्ष है। 6. चारदीवारी की दीवारों का शैक्षिक उपयोग होता है। 7. प्रसाधन उपयोग के पश्चात् साफ–सफाई पर ध्यान दिया जाता है।